शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 18 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-167

## ईरान के दूसरे सेना प्रमुख भी मारे गए खामनेई अकेले पड़े

**तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)।**
इजराइल और ईरान की बीच संघर्ष लगातार गहराता जा रहा है। इजराइल लगातार ईरानी सेना के शीर्ष नेताओं को निशाना बना रहा है। मंगलवार को इजराइल ने ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराया है। ईरान ने आधिकारिक तौर पर इसे स्वीकार भी कर लिया है।

इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। इस संघर्ष में ईरान ने न सिर्फ अपने देश के शीर्ष सैन्य कमांडरों को खोया है बल्कि कई परमाणु संयंत्रों और अहम सैन्य ठिकाने भी ध्वस्त हो गए हैं। इसी बीच मंगलवार को इजराइली सेना ने ईरान के एक और शीर्ष कमांडर अली शादमानी को भी मार गिराया है। इजराइल के लगातार हमलों के चलते ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अकेले पड़ गए हैं। शादमानी ईरान की सैन्य आपात कमान के प्रमुख थे। उन्होंने चार दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। मेजर जनरल गुलाम अली राशिद पिछले शुक्रवार को इजराइली हमले में मारे गए थे। ▶10पर

## भयावह शक्ल लेने लगा इजराइल और ईरान का संघर्ष

# ईरान के ध्वस्त होने का खतरा तेहरान छोड़कर जा रहे लोग

**नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।**
ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष के और बढ़ने की आशंका पर भारत ने अपने नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। भारत ने अपने लोगों से तुरंत तेहरान छोड़ने को कहा है। उनसे भारतीय दूतावास के सम्पर्क में रहने और तेहरान से बाहर आने के लिए उचित व्यवस्था न हो पाने तक सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा गया है। ईरान में भारतीय दूतावास ने कहा कि सभी भारतीय नागरिक और पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (भारतीय मूल के व्यक्ति) जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर जा सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जाती है।

भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है कि सुरक्षा कारणों से ईरान की राजधानी तेहरान से भारतीय छात्रों को शहर से बाहर ले जाया जा रहा है और अन्य भारतीयों को भी शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। इजराइल लगातार ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर निशाना बना रहा है। इसके जवाब में ईरान भी इजराइल पर

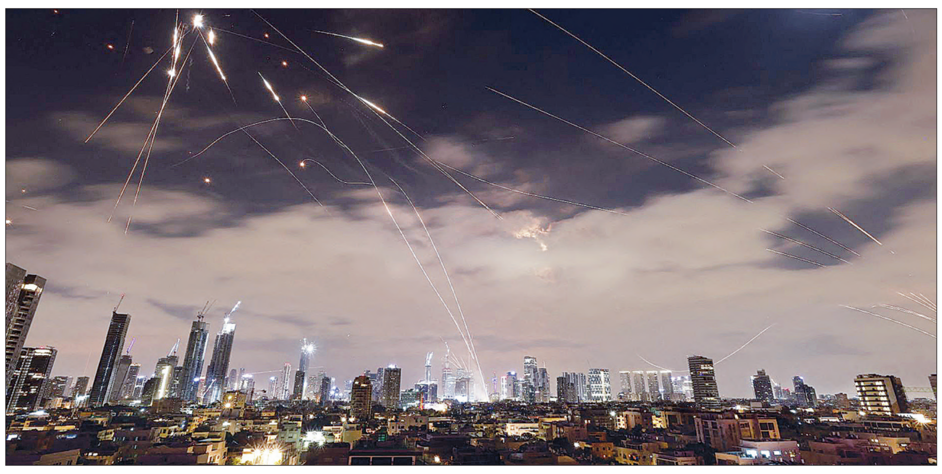

मिसाइल हमले कर रहा है। विदेश मंत्रालय और ईरान का भारतीय दूतावास लगातार स्थिति पर अपडेट जारी कर रहे हैं। इस संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपील जारी की है। उन्होंने कहा कि स्थिति को देखते हुए भारतीयों को शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। जो अपने वाहन से जाने में सक्षम हैं, वे तेहरान से निकलें। कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। दूतावास सभी संभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ लगातार सम्पर्क

**भारत ने भी अपने नागरिकों के लिए जारी की नई एडवाइजरी**

**ईरान में फंसे 10 हजार छात्रों को सुरक्षित निकालने पर ध्यान**

**भारतीय छात्रों को सड़क मार्ग से निकालने की अनुमति मिली**

**तेल संकट के आसार, भारत ने 50 लाख टन का रखा रिजर्व**

में है। मंत्रालय का कहना है कि स्थिति अभी भी अस्थिर और नाजुक है, इसे देखते हुए आगे भी परामर्श जारी किए जा सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इजराइल और ईरान में तेजी से बिगड़ती स्थिति को देखते हुए भारत सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठा रही है। इजराइल की राजधानी तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास वहां मौजूद कामगार, छात्र, पर्यटक, व्यवसायी और देखभाल कर्मियों के सम्पर्क में है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहा है। भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सख्त सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त, विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, जिससे सहायता प्राप्त की जा सकती है।

पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती दी है, बल्कि वहां रह रहे विदेशी नागरिकों, विशेषकर छात्रों के लिए गंभीर सुरक्षा संकट पैदा कर दिया है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा ईरान में फंसे लगभग 10,000 भारतीय छात्रों की सुरक्षित निकासी की पहल एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक और मानवीय कदम है। भारत सरकार ने ईरान सरकार से राजनयिक स्तर पर अपने छात्रों की सुरक्षित निकासी के लिए मार्ग देने का अनुरोध किया था जिसे तेहरान ने स्वीकार करके सड़क मार्ग से उन्हें निकालने की अनुमति दी है। ▶10पर

## खामनेई के खात्मे के बाद ही क्षेत्र में शांति आएगी : नेतन्याहू

**तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)।**
इजराइल ने सोमवार की रात को लड़ाकू विमानों ने तेहरान में लाइव प्रसारण के दौरान सरकारी टेलीविजन हेडक्वार्टर पर बमबारी कर दी। हालांकि ईरान ने भी इजराइल पर लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है। एबीसी न्यूज से इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा कि खामनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इस बीच, मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण ईरान में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। इजराइल को भी नुकसान पहुंचा है, लेकिन इजराइल ने अधिकतम ईरानी मिसाइलें हवा में ही न,ट कर दिए। ईरान में कम से कम 224 लोग मारे गए हैं और 1,200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ईरान के जवाबी हमलों में इजराइल में कम से कम 24 लोग मारे गए हैं और करीब 500 लोग घायल हुए हैं।

एक वरिष्ठ इजराइली सैन्य अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि इजराइल ने रातों-रात ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों से जुड़े दर्जनों स्थलों पर हमला किया और ईरान के सैन्य नेतृत्व को भागने पर मजबूर कर दिया। उक्त अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने अभी तक ईरान की भूमिगत फोर्डो परमाणु सुविधा को निशाना नहीं बनाया है, लेकिन इसकी संभावना बनी हुई है। ▶10पर

### इजराइल-ईरान युद्ध तेज हुआ तो भारत पर भी पड़ेगा असर

## भारत ने एहतियात में उठाए कई अहम कदम

**तेल की कीमतों से लेकर व्यापार तक होगा प्रभावित**

**नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।**
इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष पांचवें दिन पर पहुंच चुका है। इजराइल ने ईरान पर जबरदस्त हमले किए। ईरान ने भी जवाबी हमले किए हैं। इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों से लेकर सैन्य अफसरों तक को एयर स्ट्राइक में निशाना बनाया और ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। पश्चिम एशिया की ऐसी स्थिति को देखते हुए भारत ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इजराइल और ईरान का संघर्ष अब पूरी तरह युद्ध में बदलता हुआ दिख रहा है, ऐसे में इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ेगा। दोनों देशों में भारतीयों की अच्छी-खासी संख्या भी पूर्ण युद्ध की स्थिति में खतरे में पड़ सकती है।

अमेरिका की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों के चलते भारत फिलहाल ईरान से कच्चा तेल आयात नहीं करता। लेकिन दुनियाभर में तेल के एक अहम सप्लायर के तौर पर चिन्हित ईरान से तेल की आपूर्ति रुकने से ओपेक देशों पर इसका भार पड़ेगा। नतीजतन तेल उत्पादक देश कच्चे तेल के दामों को बढ़ा सकते हैं। मौजूदा समय की बात की जाए तो ब्रेंट क्रूड 74-75 डॉलर प्रति बैरल पर है, जो कि पिछले बंद से करीब 1.5 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, भारत की चिंता ईरान की तरफ से पश्चिमी देशों को दी गई एक धमकी है। ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य बंद कर देगा। लाल सागर के अलावा इस बार होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला मार्ग एक ऐसा कारक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक पेट्रोलियम पदार्थों की खपत का 21 प्रतिशत इसी मार्ग से गुजरता है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए शीर्ष गंतव्य हैं। ओमान भी भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करता है।

यूरोप के साथ भारत का करीब 80 फीसदी वस्तु व्यापार लाल सागर के जरिए होता है। अमेरिका के साथ भी काफी व्यापार इसी मार्ग से होता है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य इन दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के जरिए भारत कुल 34 फीसदी निर्यात करता है। ▶10पर

### तेल संकट की वैश्विक आशंका के बीच भारत को मिला अवसर

## अंडमान सागर में मिला तेल का विशाल खजाना

**नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।**
अंडमान सागर में तेल के विशाल भंडार का पता चला है। यह खोज ऐसे नाजुक और महत्वपूर्ण समय में हुई जब मध्य-पूर्व के तनावपूर्ण माहौल में तेल का संकट संभावित दिख रहा है। इसे भारत के लिए बड़ा अवसर माना जा रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि अंडमान सागर में गयाना जैसे विशाल तेल भंडार की खोज होने अब पूर्ण होने पर है। इस खोज में लगभग 2 लाख करोड़ लीटर (लगभग 22 बिलियन बैरल) कच्चे तेल के भंडार की संभावना है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को 3.7 ट्रिलियन डॉलर से 20 ट्रिलियन डॉलर तक ले जा सकता है। यह खोज न केवल भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकती है, बल्कि देश को वैश्विक तेल बाजार में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने एक बयान में कहा है कि 2016 के बाद से सरकार ने तेल और गैस की खोज को गति दी है। इसके तहत ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत 3.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर के सेडिमेंट्री बेसिन में से करीब

**भारत की अर्थव्यवस्था में 5 गुना वृद्धि की संभावना**

**दो लाख करोड़ लीटर कच्चा तेल मिलने की उम्मीद**

1 मिलियन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अन्वेषण के लिए खोल दिया गया है। ओएएलपी के 9वें दौर में 38 प्रतिशत बिड्स इन नए क्षेत्रों के लिए थे, और अगले दौर में यह हिस्सा 80 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसके अलावा, 1948 के पुराने नियमों को बदलकर नए ऑयल फील्ड्स रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट अमेंडमेंट बिल ने नियामक स्पष्टता प्रदान की है।

तेल खोज के क्षेत्र में भारत सरकार बहुत ही गंभीर है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने वित्तीय वर्ष 2024 में ओएनजीसी ने 541 कुएं खोदे, जिनमें 103 अन्वेषण और 438 डेवलपमेंट कुएं शामिल हैं। यह 37 वर्षों में सबसे अधिक है। कंपनी ने इस दौरान 37,000 करोड़ का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय भी किया। पुरी ने कहा, गयाना में 41वें कुएं पर तेल मिला था, प्रत्येक की लागत 100 मिलियन डॉलर थी। भारत में भी अब ऐसा ही कुछ होने वाला है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा वक्त की बात करें तो भारत फिलहाल अपनी कुल जरूररत का करीब 85 फीसदी आयात करता है। इसी के साथ हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े आय़ातक देश हैं। फिलहाल, असम, गुजरात, राजस्थान, मुंबई हाई और कृष्णा गोदावरी बेसिन में भी तेल का उत्पादन करता है। इसके अलावा भी कई राज्यों में भी तेल का भंडार पाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज भारत की अर्थव्यवस्था में 20 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान दे सकती है, जिससे जीडीपी 5 गुना बढ़ सकती है।ऑयल इंडिया लिमिटेड के सीएमडी रंजीत राठ ने कहा कि तेल की कीमतों में स्थिरता अन्वेषण प्रयासों की योजना बनाने में मदद करती है। ▶10पर

### सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

**सोना : 1,02,080/- (प्रति 10 ग्राम)**
**चाँदी : 1,12,150/- (प्रति किलोग्राम)**

### मौसम बेंगलूरु

**अधिकतम : 30⁰**
**न्यूनतम : 21⁰**

## कहीं ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होरमुज बंद कर दिया तो?

### पूरे विश्व को परेशान कर रही एक और खतरे की आशंका

**तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)।**
इजराइल और ईरान के बीच तेज होते जा रहे संघर्ष के दरम्यान पूरे विश्व को एक और खतरे की आशंका परेशान कर रही है। अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होरमुज बंद किया तो पूरी दुनिया में तेल का भारी अकाल पड़ जाएगा। होरमुज जलडमरूमध्य से काफी बड़ी मात्रा में तेल को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जाता है। अगर ईरान इस रास्ते को बंद करता है तो दुनियाभर के कई देशों को इसका नुकसान झेलना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस तेल के आवागमन के लिए अन्य वैकल्पिक रास्ते काफी कम और खर्चीले हैं।

इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह अंदेशा जताया जा रहा है कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होरमुज (होरमुज जल डमरू मध्य) वाले रास्ते को बंद कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो इसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। होरमुज जल डमरू मध्य दुनियाभर के लिए काफी महत्वपूर्ण रास्ता है। स्ट्रेट

**पूरी दुनिया में तेल की हो जाएगी भारी किल्लत**

ऑफ होरमुज ईरान और ओमान के बीच स्थित है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह इतना गहरा और चौड़ा है कि दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल के टैंकर्स को भी आराम से संभाल सकता है। इसके साथ ही यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल चोक-पॉइंट्स में भी शामिल है। इस रास्ते से काफी बड़ी मात्रा में तेल को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जाता है। अगर ईरान इस रास्ते को बंद करता है तो दुनियाभर के कई देशों को इसका नुकसान झेलना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस तेल के लिए रास्ते से परे अन्य वैकल्पिक रास्ते काफी कम और काफी लंबे एवं खर्चीले हैं। अगर किसी एक चेक-प्वाइंट से दूसरे तक के बीच कोई भी परे-शानी होती है तो सबसे पहले आपूर्ति में देरी होगी। इसके चलते शिपिंग की लागत बढ़ेगी और अंततः वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में इजाफा होगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा बहरीन के मनामा में रहकर जल डमरू मध्य की निगरानी करता है। ▶10पर

### कार्टून कॉर्नर

# ट्रेन सेवाओं और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए महाप्रबंधक से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।**
दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति सदस्य (जेडआरयूसीसी) महेंद्र सिंघी और बेंगलूरु मंडल सलाहकार समिति सदस्य आश्विन सेमलानी ने दक्षिण पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक मुकुल शरण से रेल सौधा में मुलाकात कर ट्रेन सेवाओं और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए ज्ञापन सौंपा। ट्रेन संख्या 17317/17318 (हुब्बल्ली-दादर एक्सप्रेस) और 17319/17320 हुब्बल्ली-हैदराबाद एक्सप्रेस के कोच बढ़ाने का आग्रह किया। दोनों ट्रेनें वर्तमान में केवल 15 कोचों के साथ संचालित होती हैं, जो उच्च मांग को देखते हुए अपर्याप्त हैं। सीमित क्षमता के कारण यात्रियों को कन्फर्म टिकट प्राप्त करने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अगर ट्रेन संख्या 17317/17318 को दादर से मुंबई छत्रपति शिवजी टर्मिनल तक बढाकर इसको 24 कोचों के साथ संचालित किया जाए तो इस मार्ग

पर चलने वाले यात्रियों को बहुत आसनी होगी। साथ ही कुछ दिनों पहले हटाए गए फर्स्ट ऐसी कोच को पुनः जोड़ा जाए तो यात्रियों को सुविधा होगी। सदस्यों ने ट्रेन संख्या 16508 बेंगलूरु-जोधपुर एक्सप्रेस को दैनिक सेवा में परिवर्तित करने का आग्रह करते हुए कहा कि लगातार यात्रियों की उच्च मांग को देखते हुए इस ट्रेन की आवृत्ति को दैनिक कर दिया जाए तो बेंगलूरु और जोधपुर के बीच कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा। जिससे नियमित यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी और यात्रा में आसानी होगी। ट्रेन संख्या 16209/16210 (बेंगलूरु-अजमेर एक्सप्रेस) के लिए जवाई बांध स्टेशन (पाली जिला) जो की उत्तर पश्चिम रेलवे के क्षेत्र में आता हैं वहां पर अतिरिक्त ठहराव निर्धारित कर गोडवाड़ क्षेत्र पाली जिले और आसपास के क्षेत्रों के काफी संख्या में यात्रियों को जवाई बांध स्टेशन पर निर्धारित ठहराव से लाभ होगा। यह अतिरिक्त ठहराव क्षेत्रीय पहुंच को मजबूत करेगा और लंबे समय से चली आ रही सार्वजनिक मांग को पूरा करेगा।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायत, जिसे कोविड -19 महामारी के दौरान निलंबित कर दिया गया था, कृपया उसे पुनः शुरू की जाए। इस सुविधा को पुनः बहाल किया जाए तो बुजुर्ग यात्रियों के प्रति दयालुता होगी जो सुरक्षित और सस्ती यात्रा के लिए रेलवे पर निर्भर हैं। सदस्यों ने बेंगलूरु से मुंबई के लिए हुब्बल्ली के रास्ते स्लीपर वंदे भारत/सुपरफास्ट ट्रेन चलाने का आग्रह किया। महाप्रबंधक मुकुल शरण ने आश्वासन दिया कि प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखी गई विभिन्न मांगों और सुझावों को पूरा करने के लिए एसडब्ल्यूआर द्वारा गंभीर प्रयास किए जाएंगे।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में प्रवासी ट्रैवेलर्स एसोसिएशन कर्नाटक के राज्य कार्यदर्शी सुभाष चंद्रा डंक, तनिश ललवानी सहित अन्य उपस्थित थे।

# जेपीएफ बेंगलूरु साउथ की नॉलेज सीरीज की शुरुआत

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर फाउंडेशन और जीतो प्रोफेशनल फोरम (जेपीएफ) के तहत अपनी नॉलेज सीरीज का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। इस ऑनलाइन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में स्टेबल मनी के संस्थापक सौरभ जैन ने भाग लिया। जेपीएफ नॉलेज सीरीज एक व्यापक पहल है जिसका उद्देश्य व्यवसाय, प्रोफेशनल और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना है। रविवार को शुरू हुई और 15 सितंबर, 2026 को समाप्त होने वाली इस सीरीज में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों की अंतर्दृष्टि, चर्चा और ज्ञान साझा किया जाएगा। प्रत्येक महीने एक नया विषय अन्वेषण किया जाएगा, जिससे सीखने, नवाचार और नेटवर्किंग के लिए एक मंच प्रदान किया जा सके। इस कार्यक्रम का संचालन तरुण कुमार बागमार ने किया और डॉ. अक्षय वी. खानटर ने इसकी मेजबानी की। इस ऑनलाइन सत्र में 130 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जो सौरभ जैन के कॉर्पोरेट नेतृत्व और उद्यमिता के व्यापक अनुभव से सीखने के लिए उत्सुक थे। सत्र की शुरुआत नवकार मंत्र के पाठ के साथ हुई, जिसने एक प्रबुद्ध चर्चा के लिए स्वर निर्धारित किया। जेपीएफ बेंगलूरु साउथ के संयोजक रौनक गुलेचा ने सत्र में भाग लेने वालों का स्वागत किया और ज्ञान साझा करने और समाज निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. अक्षय वी. खानटर और सौरभ जैन के बीच आकर्षक बातचीत में उनके पेशेवर सफर के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें स्विगी में उपाध्यक्ष और नवी म्यूचुअल फंड में एमडी और सीईओ के रूप में उनकी भूमिका शामिल है। सत्र का मुख्य आकर्षण रैपिड-फायर सेगमेंट था, जहां उन्होंने स्टार्ट-अप, वित्त और उद्यमिता पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने चुनौतियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और पार करने के लिए व्यवसाय मालिकों के हाथों में होने के महत्व पर जोर दिया। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने एक संदेश में जेपीएफ बेंगलूरु टीम की इस नॉलेज सीरीज को शुरू करने के लिए प्रशंसा कर कहा कि यह पहल ज्ञान और विशेषज्ञता के साथ हमारे समाज को सशक्त बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम भविष्य में और अधिक आकर्षक सत्रों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सत्र का समापन जेपीएफ बेंगलूरु साउथ समिति के चेयरमैन हरि किशन पी. छज्जर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। जेपीएफ नॉलेज सीरीज का उद्देश्य ज्ञान साझा करने, नेटवर्किंग और विकास के लिए एक मंच प्रदान करना है, जो जीतो समुदाय की विविध रुचियों और जरूरतों को पूरा करता है। अपनी सफल शुरुआत के साथ, यह सीरीज जेपीएफ बेंगलूरु के सीखने और विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने के लिए तैयार है। जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर एक गतिशील संगठन है जो समाज के विकास, सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और आध्यात्मिक विकास के लिए समर्पित है।

# मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ के पदाधिकारियों का सम्मान

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु के अध्यक्ष ललित मांडोत एवं मंत्रिमंडल टीम अग्रहारा दासरहल्ली स्थित श्री बाबा रामदेव भक्त मंडली भवन अपनी संगठन यात्रा के तहत पहुंची।

भक्त मंडली के अध्यक्ष चेतन सिरवी ने सभी का स्वागत करते हुए प्रसन्नता जताई कि जैन समाज की एक महत्वपूर्ण संस्था का आज बाबा रामदेव भक्त मंडली भवन पर पधारना हुआ। कार्यक्रम हनुमान चालीसा द्वारा शुरू हुआ।

पंडित राकेश उपाध्याय द्वारा सुमधुर भजन मंडली आयोजित हुई।

श्रीराम एवं हनुमान के भक्ति गीतों से पूरा हाल उत्सर्ग हो उठा। मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ के अध्यक्ष ललित मांडोत ने मंडली के प्रति आभार व्यक्त करते हुए व्यवस्था की सराहना की। सभी से निवेदन किया कि भले सनातन धर्म हो या जैन धर्म हो, सभी मिलकर साथ रहें। मंडली ने मदारिया जैन संघ के पदाधिकारी का सम्मान किया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष रमेश दक, मंत्री सुरेश गन्ना, संगठन मंत्री प्रवीण दक, प्रचार प्रसार मंत्री प्रवीण बोहरा, प्रभारी रमेश चावत, सह प्रभारी भीकमचंद भटेवरा सहित क्षेत्र के वरिष्ठ एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

# कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है: डा. प्रतिभा जैन

## श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा करियर नेविगेटर कार्यक्रम का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आप आज क्या कर रहे है, इसलिये जब करियर की बात आती है तो हम सभी के लिये यह समझना और उचित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है। यह तो निश्चित है कि सफलता का कोई शोर्ट कट नही होता है, कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है। यह बात श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा युवाओं के लिये आयोजित कार्यक्रम करियर नेविगेटर कार्यक्रम में शिक्षा परामर्शदाता व प्रशिक्षक मुंबई की डा. प्रतिभा जैन ने कही। भारत भर में बसे कांठा प्रांतीय स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थियों के लिये व्यक्तिगत कौशल, रुचियो और लक्ष्यों पर परामर्श आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन जूम पर किया गया। करियर

काउंसलिंग के इस सत्र में उभरते और अंतःविषय जैसे रोबोटिक्स और मेक्ट्रोनिक्समैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर विज्ञान को अत्याधुनिक स्वचालन और रोबोटिक्स अनुप्रयोगों के लिए संयोजित करना, एआई-संचालित अंतर्दृष्टिडेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल करने वाले करियर पथ उद्योगों में बेहतर निर्णय लेने को बढ़ावा देने जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया। आयोजन के संयोजक संजय गुंदेचा एवं सह संयोजक शुभम कोठारी के अनुसार डा. प्रतिभा जैन ने नए युग के करियर में बढ़ते क्षेत्र मसलन फिनटेक, वित्त, प्रौद्योगिकी इत्यादि पर विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन दिया। डॉ. जैन ने भौतिकी और गणित अनुप्रयोग, ऐसे करियर जो मात्रात्मक वित्त, बीमांकिक विज्ञान और डेटा विश्लेषण जैसे डोमेन में मजबूत विश्लेषणात्मक कौशल का लाभ उठाते हैं, को भी समझाया। उन्होंने मनोविज्ञान और व्यवहार विज्ञानचिकित्सा, मानव संसाधन, विपणन और शिक्षा में अनुप्रयोगों के साथ मानव व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक विज्ञान की खोज करने वाले मार्गों का परामर्श दिया।

साथ ही उन्होंने कुछ पाठ्यक्रमों पर चर्चा की जिनमें बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज व्यवसाय और प्रबंधन-केंद्रित स्नातक डिग्री, बीबीए एलएलबी कॉर्पोरेट कानून और नीति में करियर के लिए आदर्श एकीकृत कानून और व्यवसाय पाठ्यक्रम, अन्य विचारित धाराएँ, डिजाइन, लिबरल आर्ट्स, कॉमर्स, इंजीनियरिंग और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रम सम्मिलित थे। कार्यक्रम के दौरान उत्साही विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी उन्होंने दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। कांठा ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों को करियर पथ और विकास के क्षेत्रों की सिफारिश करने के लिए एआई संचालित अंतर्दृष्टि दी गई तथा फ्रेशर्स के बीच अनिश्चितताओं को दूर किया गया तथा प्रतिभागियों की असमंजसता को अपस्किलिंग तकनीकों पर चर्चा से दूर किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों कांठा प्रांतीय विद्यार्थियों ने भाग लिया। संचालन सह संयोजक शुभम कोठारी ने किया तथा धन्यवाद प्रस्ताव संयोजक संजय गुंदेचा ने व्यक्त किया।

# वनवासी राम सामाजिक समरसता के प्रतीक : जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज

### समस्त भू-भाग उनकी मित्रता के सूत्र में बंध गया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति बेंगलूरु द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन में आयोजित नौदिवसीय श्री राम कथा में सोमवार को जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि वनवास काल में प्रभु श्रीराम उत्तर से लेकर दक्षिण तक जहाँ भी गए वहाँ का समस्त भू-भाग उनकी मित्रता के सूत्र में बंध गया था। वे अपने मनुष्य धर्म से ऊपर उठकर कर्म का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले आदर्श व्यक्तित्व के कारण ईश्वर बन गए। दीन हीन और उपेक्षितों को सच्चे मन से अपनाया, वन भ्रमण के समय केवट को गले लगाया। पक्षीराज जटायु को पिता का सम्मान दिया, भालू-बंदरों को आत्मीय बनाया। शबरी के जूठे बेर खाए, अहिल्या और शबरी जैसी नारियों का उत्थान किया। उन्होंने किसी का भी कभी तिरस्कार नहीं किया। शत्रु रावण को भी तिरस्कृत नहीं किया। इसीलिए वे समस्त मानव जाति के मन में अजात शत्रु रहे। इसी व्यक्तित्व वैशिष्ट्य के कारण श्रीराम के चौदह वर्षों के वनवास ने श्रीराम को रामत्व प्रदान किया। श्री राम कथा की समरस जीवन

शैली, सामाजिक समरसता, वसुधैव कुटुम्बकम् का ज्ञान और श्री राम की आदर्श जीवन शैली ने उन्हें कोटि कोटि जन मन का कंठहार बना दिया। श्री राम को भगवान का दर्जा वनवासियों के बीच रहने के कारण ही मिला। उनका पूरा जीवन सामाजिक समरसता का सर्वोत्तम उदाहरण है। चाहे निषाद राज से मित्रता कर उन्हें बराबरी का स्तर देने या शबरी के झूठे बेर खाने या अहिल्या के उद्धार या फिर जटायु को सम्मान देने की कथा या फिर बहुत सी वनवासी प्रजातियों को बराबरी का दर्जा दिलाना प्रभु श्री राम का पूरा जीवन शोषित, वंचितएवं पीड़ित समाज के लोगों का कल्याण करने में बीता। कथा क्रम को आगे बढ़ाते हुए कथाव्यास संत रामभद्राचार्य ने कहा कि चित्रकूट में वनवास के लगभग बारह वर्ष बिताने के बाद प्रभु श्रीराम सीता और लक्ष्मण के साथ दण्डकारण्य की ओर बढ़े। दंडकवन क्षेत्र में प्रभु श्रीराम ने पंचवटी कुटिया का निर्माण किया। यहीं रावण की बहन सूर्पणखा वनवासी श्री राम से विवाह करने का प्रस्ताव लेकर जाती है। लेकिन राम उससे विवाह करने से इनकार कर देते हैं और अपने अनुज लक्ष्मण के पास भेज देते हैं। जब लक्ष्मण भी विवाह करने से मना करते हैं तो वह क्रोधित हो जाती है। लक्ष्मण उसके नाक-कान काट देते हैं। सूर्पणखा से इस घटना की खबर मिलने पर रावण अपने मामा मारीच को सोने का मृग बनाकर भेजता है। माता सीता उसे सोने के मृग को देखकर प्रभु श्रीराम से उसे पकड़ने को कहती हैं। प्रभु श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण को सीता की देखभाल करने को कहकर हिरण को पकड़ने जाते हैं। कुछ दूर जाकर मायावी मृग बने मारीच ने प्रभु श्रीराम की आवाज में हे लक्ष्मण, हे लक्ष्मण कहकर पुकारा। सीता यह पुकार सुन लक्ष्मण को राम की सहायता के लिए भेजती हैं। लक्ष्मण पहले तो मना करते हैं किन्तु बाद में माता सीता के जोर देने पर चले जाते हैं। लेकिन जाते समय कुटी के चारों ओर लक्ष्मण रेखा खींच कर माता सीता को उससे बाहर न जाने के लिए कहकर जाते हैं। तभी रावण साधु का छद्मभेष धरकर वहाँ आता है और सीता का अपहरण कर ले जाता है। मार्ग में रावण को बलात् एक स्त्री को विमान ले जाते देख कर जटायु ने उसका विरोध किया। दोनों के बीच युद्ध हुआ और पक्षीराज जटायु घायल हो गये। सीता की खोज करते हुए राम और लक्ष्मण वहाँ पहुँचते हैं। घायल जटायु उन्हें रावण द्वारा सीता को आकाशमार्ग से लेकर जाने के बारे में बताते हैं। वह राम को शबरी से जाकर मिलने को कहते हैं और अपने प्राण त्याग देते हैं। प्रभु श्री राम जटायु की अंत्येष्टि करने के बाद शबरी के आश्रम पहुँचते हैं। जहाँ वर्षों से अपने प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा कर रही शबरी श्री राम और लक्ष्मण को देखकर आनन्द से भावविभोर हो जाती है और उन्हें चख चख कर जूठे बेर खिलाती है। प्रभु श्री राम प्रेमपूर्वक जूठे बेर खाते हैं। कथाव्यास जगद्गुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण किया। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री के. एस. ईश्वराप्पा तथा मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ मिथिलेश तिवारी, राजू सुथार, अजय पाण्डेय आदि ने कथा पूजन में भाग लिया। यजमानों के साथ सभी लोग आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री राम परिवार के संस्थापक संजय शुक्ला, अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सहसचिव राजू शुक्ला तथा एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सचिव संजय अग्रवाल सहित विभिन्न समाजों के अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने दी।

# स्कूल में बच्चों के लिए डेस्क उपलब्ध करवाया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए पट्टनगेरे स्थित गवर्नमेंट लोवर प्राइमरी स्कूल में हनुमानमल, संजय, मनोज बैद नोखा बेंगलूरु के सहयोग से बच्चों के लिए डेस्क उपलब्ध करवाया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ किया। अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया और बताया कि तेयुप आर आर नगर हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहती है। आगे भी

अगर स्कूल में कभी किसी प्रकार की जरूरत हो तो आप हमें याद करें। प्रायोजक परिवार से हनुमानमल ने कहा कि उन्हें इस तरह के सेवा कार्य करके बहुत प्रसन्नता होती है। स्कूल प्राध्यापक सुगणा ने उनकी जरूरत पर डेस्क उपलब्ध करवाने के लिए तेयुप आर आर नगर का धन्यवाद किया। इस अवसर पर परिषद से प्रबुद्ध विचारक सुशील भंसाली, सेवा कार्य प्रभारी सौरभ चोरड़िया, कार्यसमिति सदस्य समीक दुगड़ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।*** *रमाबाई राज्य महिला संघ द्वारा विवेकानंद नगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर जरूरतमंदों में कंबल वितरित किए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

## बेंगलूरु में भगदड़ में मौतें

# इस्तीफे की मांग को लेकर सीएम के आवास का घेराव करने की कोशिश, कई भाजपा नेता हिरासत में

## यह सरकार भगदड़ में मारे गए युवाओं के माता-पिता के अभिशाप के कारण गिरेगी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के सरकारी आवास का घेराव करने की कोशिश करने पर बेंगलूरु में पुलिस ने कई भाजपा नेताओं को हिरासत में ले लिया। वे 4 जून को आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान शहर में मची भगदड़ के सिलसिले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण शामिल हैं। नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को उस समय हिरासत में लिया गया, जब वे फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री के सरकारी आवास की ओर मार्च करने लगे। इससे पहले, प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए, विजयेंद्र और अशोक ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के पद छोड़ने तक अपना अभियान बंद न करने का आह्वान किया। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने आरसीबी की आईपीएल जीत को भुनाने के लिए मुख्यमंत्री के कहने पर जल्दबाजी में विधान सौधा के सामने अभिनंदन समारोह आयोजित किया था। उपमुख्यमंत्री ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर मुख्यमंत्री को चकमा देने की कोशिश की थी। उन्होंने आरोप लगाया मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच राजनीतिक खींचतान के कारण पुलिस की सलाह के खिलाफ जल्दबाजी में विजय समारोह आयोजित किया गया। अशोक ने मुख्यमंत्री पर भगदड़ के लिए 'मुख्य दोषी' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा सिद्धरामैया अपनी गलतियों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं और झूठा दावा कर रहे हैं कि अभिनंदन समारोह सरकार द्वारा आयोजित नहीं किया गया था और उन्हें नहीं पता कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत को कार्यक्रम में किसने आमंत्रित किया था। लेकिन, यह पता चला है कि डीपीएआर और मुख्य सचिव ने कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक मंजूरी प्रदान की थी और मुख्यमंत्री ने खुद राज्यपाल को आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा सेल्फी लेने वाले लोग सीएम और अन्य राजनेताओं के रिश्तेदार थे, लेकिन निलंबित होने वाले पुलिस अधिकारी थे। अशोक ने कहा हमने कर्नाटक में पहले भी किसानों के अभिशाप के कारण सरकारें गिरते देखी हैं। यह सरकार भगदड़ में मारे गए युवाओं के माता-पिता के अभिशाप के कारण गिरेगी। नारायणस्वामी ने आरोप लगाया लोग कह रहे हैं कि खुफिया विफलता थी। लेकिन मुख्यमंत्री ने पुलिस खुफिया प्रमुख के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई करने से परहेज किया है, उन्हें स्थानांतरित करने के अलावा, क्योंकि उन्हें पता है कि उनके खिलाफ कोई भी कठोर कार्रवाई उनकी (सीएम) कुर्सी को छीन सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि तत्कालीन खुफिया प्रमुख की पत्नी एक कांग्रेस नेता हैं। इस मौके पर विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक डोड्डानगौड़ा एच. पाटिल, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल, सांसद पी.सी. मोहन, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक बसवराज, पूर्व मंत्री और विधायक के. गोपालैय्या, विधायक एल. रविसुब्रमण्यम, उदय गरुड़चार, एस. मुनिराजू, एम. कृष्णप्पा, विधान परिषद सदस्य केशव प्रसाद, भारती शेट्टी, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, राज्य पदाधिकारी और पार्टी नेता, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# भारी बारिश से जलाशयों में जलस्तर बढ़ा

### आज से बारिश में कमी आएगी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
पिछले 8-10 दिनों से तटीय और मलनाड समेत राज्य के कुछ हिस्सों में हो रही मानसूनी बारिश अगले दो दिनों तक जारी रहेगी। हालांकि, बुधवार से बारिश में कमी आने का अनुमान है। मानसून के फिर से सक्रिय होने से नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है और जलाशयों में पानी का बहाव बढ़ गया है। झरने जीवंत हो उठे हैं और पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। कृष्णा और कावेरी घाटियों की प्रमुख नदियों के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने मलनाड में अगले दो दिनों तक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है और जलाशयों के जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, उडुपी,

शिवमोग्गा, कोडागु, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़, हावेरी, मैसूरु और दावणगेरे जिलों में व्यापक वर्षा हुई है। करकला तालुक के पल्ली ग्राम पंचायत में 230 मिमी भारी वर्षा हुई। हासन जिले में मध्यम बारिश हुई, जबकि बेलगावी और धारवाड़ जिलों में छिटपुट बारिश हुई। राज्य के अन्य जिलों में छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। पनबिजली पैदा करने वाले लिंगनमक्की, सुपा और वाराही जलाशयों में कुल 74 हजार क्यूसेक अतिरिक्त पानी आया है। कावेरी घाटी के हरांगी और काबिनी जलाशयों में पानी आने से पानी का बहाव बढ़ा है। हरांगी जलाशय 72 फीसदी भरा है, जबकि काबिनी जलाशय 84 फीसदी भरा है। इन जलाशयों में मौजूदा पानी का बहाव 15 हजार क्यूसेक से अधिक है। हेमावती जलाशय, जो 70 फीसदी भरा है, में 8 हजार क्यूसेक पानी आया है। इसी तरह केआरएस जलाशय, जिसकी भंडारण क्षमता 66 फीसदी है, में 16 हजार क्यूसेक से अधिक पानी आया है। चिक्कमगलूरु, हासन, कोडागु और केरल में भारी बारिश के मद्देनजर जलाशयों में पानी का बहाव और बढ़ने की संभावना है। यदि आवक इसी तरह जारी रही तो इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि जून के अंत तक ये जलाशय पूरी तरह भर जाएंगे। कृष्णा बेसिन के भद्रा, तुंगभद्रा, घाटप्रभा, मालाप्रभा, अलमट्टी, नारायणपुर जलाशयों में आवक बढ़ गई है। कुल मिलाकर इन जलाशयों में 60 हजार क्यूसेक से अधिक पानी बह रहा है। इन जलाशयों में 40 फीसदी पानी संग्रहित हो चुका है। पिछले साल इसी समय राज्य के प्रमुख जलाशयों में केवल 84.05 टीएमसी फीट पानी था। इस साल 174.66 टीएमसी फीट पानी संग्रहित हो चुका है। मई में मानसून शुरू होने पर भी इसी तरह भारी बारिश हुई थी। जलाशयों में पर्याप्त पानी था। कोंकण क्षेत्र में मेलई चक्रवात के कारण राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। अगले दो दिनों तक तटीय जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। अंदरूनी इलाकों के अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा, केवल कुछ स्थानों पर बारिश का अनुमान है।

## सरकार को ब्लैकमेल करने की कोशिश

# कचरा निपटान में समूह बनाकर बड़ा माफिया खड़ा कर दिया गया है: शिवकुमार

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कचरा निपटान में समूह बनाकर बड़ा माफिया खड़ा कर दिया गया है। सरकार को ब्लैकमेल करने की कोशिश हो रही है, लेकिन सरकार इसके आगे झुकने वाली नहीं है। वे सबको उखाड़ फेंकेंगे और नए अवसर पैदा करेंगे। पर्यावरण दिवस समारोह के तहत विधान सौधा के निकट रैली को हरी झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि शहर में कचरा निपटान व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। पहले 89 टेंडर हुए थे। जब दोबारा टेंडर करने का फैसला हुआ तो सभी लोग एक समूह में कोर्ट चले गए। स्टे ऑर्डर पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। लेकिन उन्होंने इस बात पर असंतोष जताया कि कचरा निपटान में बड़ा माफिया खड़ा है। उन्हें लगता है कि सरकार के दोबारा टेंडर से बचा जा सकता है। हम कोर्ट को

मना लेंगे। वे कोई भी काम करें, वे जनहित याचिका दायर कर उसमें बाधा डाल रहे हैं। हमारी सरकार में इस तरह की ब्लैकमेलिंग नहीं होती। उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी बाधा डाल रहा है, उसे हटाया जाएगा। आईपीएल जीत के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ पर भाजपा राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पास भाजपा सरकार में हुई घटनाओं और उससे हुई जानमाल की लंबी सूची है। भाजपा शव पर राजनीति कर रही है। भगदड़ मामले में दोषियों को सजा मिल चुकी है। आगे की जांच के लिए माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया गया है। उनके खिलाफ कई साजिशें रची गई हैं। उन्होंने कहा कि विटलनाहल्ली मामला और गंगाधर हत्याकांड समेत कई मामलों में क्या हुआ, उन्हें पता है। उन्होंने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें पता है कि दूसरे राज्यों में भगदड़ जैसी कितनी घटनाएं हुई हैं, खासकर उन जगहों पर जहां भाजपा सत्ता में है। भाजपा चाहे जितनी भी राजनीति कर ले, हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हम 2028 में फिर से विधानसभा में सत्ता संभालेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह मुख्यमंत्री का पदभार स्वीकार करेंगे, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा जैसे-जैसे कोई बड़ा होता है, वैसे-वैसे उसके दुश्मन भी बढ़ते हैं। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि भाजपा मुझे निशाना बना रही है और राजनीति कर रही है।

# सुनील कुमार ने सीएम के इस्तीफे और विशेष सत्र की मांग की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
विधायक और भाजपा के प्रदेश महासचिव वी. सुनील कुमार ने मांग की है कि आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ और 11 लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए और इस मामले पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जाति जनगणना कराने की घोषणा करके भगदड़ में 11 निर्दोष युवकों की मौत पर चर्चा को भटकाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह शर्मनाक मामला है। उन्होंने बताया कि हमने प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में विरोध जारी रखा है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने जश्न में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से भाग लिया। उन्होंने कहा कि विधान सौधा में एक, एयरपोर्ट पर एक और स्टेडियम में एक जैसी प्रतिस्पर्धा थी। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा माहौल बना दिया है जहां वे यह कहकर दूसरों को दोषी ठहरा रहे हैं कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

# ईडी ने ऐश्वर्या गौड़ा धोखाधड़ी मामले में डी के सुरेश को किया तलब

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
प्रवर्तन निदेशालय ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के छोटे भाई कांग्रेस नेता डी के सुरेश को एक स्थानीय महिला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़े कथित धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूर्व सांसद सुरेश को 19 जून को पेश होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। संघीय जांच एजेंसी ने स्थानीय महिला - 33 वर्षीय ऐश्वर्या गौड़ा - को उसके और कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी के खिलाफ छापेमारी के बाद अप्रैल में गिरफ्तार किया था। ईडी ने तब एक बयान में कहा था कि

महिला ने कई हाई-प्रोफाइल राजनेताओं के साथ निकटता का दावा किया और लोगों को सोने, नकदी और बैंक जमा पर उच्च रिटर्न का वादा करके धोखा दिया। उस पर आरोप है कि उसने सुरेश के नाम का इस्तेमाल किया और उसकी बहन होने का दावा किया। सुरेश ने बेंगलूरु पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि उसके नाम का 'दुरुपयोग' किया जा रहा है। समझा जाता है कि ईडी ने जांच के तहत कुलकर्णी का बयान दर्ज किया है। गौड़ा और उनके पति हरीश केएन के अलावा अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला कर्नाटक के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई विभिन्न एफआईआर से उपजा है।

# युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे कन्नड़ लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाएगी: सीएम

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को आश्वासन दिया कि विदेशों में युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे कन्नड़ लोगों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और प्रभावित लोगों के साथ लगातार संपर्क में है। सिद्धरामैया ने संवाददाताओं से कहा मैंने युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे कन्नड़ लोगों से बात की है। मैंने हमारे कांग्रेस नेता नटराज गौड़ा से भी बात की है। वहां हवाई अड्डे फिलहाल बंद हैं, लेकिन लोगों की उचित देखभाल की जा रही है। उन्होंने कहा कि

राज्य सरकार केंद्रीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रही है और स्थिति में सुधार होते ही फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी। बुधवार या गुरुवार को हवाई अड्डे के फिर से खुलने की संभावना है। सिद्धरामैया ने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त करते हुए कहा ऐसा होने पर हम उन्हें जल्द से जल्द वापस लाने की कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अधिकारी यात्रा का समन्वय करने और यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं कि फंसे हुए व्यक्तियों की वापसी सुचारू रूप से और तत्परता से हो।

# फिल्मों की स्क्रीनिंग में आगजनी और हिंसा की धमकी नहीं दी जा सकती: सुप्रीम कोर्ट

## फिल्में रिलीज करने के अधिकार को बरकरार रखा

**बेंगलूरु/नई दिल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।**
सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिल्म निर्माताओं और थिएटर मालिकों के बिना आगजनी और हिंसा की धमकी के फिल्में रिलीज करने के अधिकार को बरकरार रखा। साथ ही यह स्पष्ट किया कि कर्नाटक सरकार को कमल हासन के राज्य में 'ठग लाइफ' की स्क्रीनिंग के अधिकार की रक्षा करनी चाहिए। न्यायमूर्ति मनमोहन की एक अवकाश पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति उज्जल भुयान ने कर्नाटक सरकार के पक्ष को संबोधित करते हुए कहा हम भीड़ और निगरानी समूहों को अपनी सड़कों पर कब्जा करने नहीं दे सकते। हम ऐसा होने नहीं दे सकते। कानून का शासन कायम रहना चाहिए। पीठ बेंगलूरु निवासी एम. महेश रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता एथेनम वेलन कर रहे थे, जिसमें कर्नाटक में हासन की सीबीएफसी-प्रमाणित तमिल फिल्म की सुरक्षित और निर्बाध स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने की मांग की गई थी। याचिका में उन तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई थी, जिन्होंने सिनेमाघरों और फिल्म निर्माताओं के खिलाफ धमकियां दी हैं और हिंसा भड़काई है। कानून के नियम की मांग है कि किसी भी व्यक्ति को अपनी फिल्म रिलीज करने की अनुमति दी जानी चाहिए। फिल्म निर्माता इस बात से परेशान नहीं हो सकते या उन्हें डर नहीं होना चाहिए कि फिल्म दिखाने के लिए सिनेमाघरों को जला दिया जाएगा। लोग फिल्म देखने नहीं आ सकते। हम लोगों को फिल्म देखने आने का आदेश नहीं दे रहे। लेकिन फिल्म जरूर दिखाई जानी चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि वह न केवल कानून के नियम के संरक्षक बल्कि मौलिक अधिकारों के संरक्षक की भूमिका में इस मामले में दृढ़ता से हस्तक्षेप करेगा। कानून के नियम के अनुसार आप किसी फिल्म की रिलीज को नहीं रोक सकते। यह सुनिश्चित करना राज्य का कर्तव्य है कि सीबीएफसी प्रमाण पत्र मिलने के बाद फिल्म रिलीज हो। हम इसी कानून का पालन करते हैं। लोग फिल्म देखने नहीं आ सकते, लेकिन सिनेमाघरों में आगजनी और घेराव अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आड़े नहीं आ सकते। न्यायमूर्ति भुयान ने 1990 के दशक में मराठी नाटक 'मी नाथूराम गोडसे बोल-तोय' के मामले का उल्लेख किया। न्यायमूर्ति भुयान ने अदालत में कहा इसमें राष्ट्रपिता के अलावा किसी और के बारे में आलोचनात्मक संदर्भ नहीं थे। महाराष्ट्र सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अलग दृष्टिकोण रखने के अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबंध को अलग रखा।

न्यायाधीश ने राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को आपराधिक अभियोजन से दी गई सुरक्षा का भी उल्लेख किया। सांसद सोशल मीडिया पर अपनी कविता पोस्ट करने के लिए एफआईआर का सामना कर रहे थे। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा अगर कोई बयान देता है तो उस पर बहस होनी चाहिए। ऐसी व्यवस्था में कुछ गड़बड़ होगी जिसमें एक व्यक्ति बयान देता है और हर कोई उसे सत्य मान लेता है। वेलन ने कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने का कदम इसलिए जरूरी था क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के न्यायिक संरक्षण की मांग करने वाली कार्यवाही में तुष्टिकरण को प्राथमिकता दी है। अवैध धमकियों को रोकने और प्रमाणित फिल्म के प्रदर्शन की सुरक्षा के लिए राज्य को स्पष्ट निर्देश देने के बजाय – जो कानून और व्यवस्था को बहाल करने के लिए मौलिक है – चर्चा कथित तौर पर इस बात पर केंद्रित थी कि क्या कमल हासन को उन्हें डराने और सार्वजनिक व्यवस्था को खतरे में डालने वाले अतिवादी तत्वों से माफी मांगनी चाहिए। याचिका में कहा गया है कि अपराधियों के साथ समझौता करने का सुझाव देकर बलपूर्वक सेंसरशिप का यह प्रभावी समर्थन न्याय प्राप्त करने के लिए वर्तमान में उच्च न्यायालय के मार्ग को अप्रभावी बनाता है, जिससे संविधान के अंतिम संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय में यह तत्काल अपील करने की आवश्यकता पड़ती है। याचिका में राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने और संवैधानिक स्वतंत्रता की रक्षा करने में कर्नाटक सरकार की घोर विफलता पर सवाल उठाया गया है। इसमें कहा गया है कि कर्नाटक में असंवैधानिक न्यायेतर प्रतिबंध किसी वैध प्रक्रिया से नहीं बल्कि आतंक के जानबूझकर चलाए गए अभियान और पिछले तमिल विरोधी दंगों को दोहराने के लिए एक भयावह आह्वान से उपजा है।

## बस से टक्कर के बाद बाइक में लगी आग, सवार की मौत

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।**
जिले के हेमडी-कोल्लूर मुख्य मार्ग पर केंचनूर के मल्लारी मोड़ के पास एक निजी बस से बाइक टकराने से सिगंदूर निवासी 25 वर्षीय बाइक सवार शरत की मौके पर ही मौत हो गई। निजी बस हेमडी से कोल्लूर की ओर जा रही थी, तभी तेज रफ्तार बाइक उससे टकरा गई। सड़क पर गिरने से शरत के सिर और बाएं पैर में गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत एंबुलेंस से कुंडापुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टक्कर के कारण ड्यूक बाइक के रेडिएटर पर पेट्रोल गिर गया, जिससे उसमें आग लग गई और वह पूरी तरह जल गई। शंकरनारायण थाने के सर्किल इंस्पेक्टर जयराम डी गौड़ा और कुंडापुर ट्रैफिक एसआई प्रसाद कुमार ने घटनास्थल का दौरा किया। कुडापुर ट्रैफिक थाने में मामला दर्ज किया गया है।

### दावणगेरे में 1,350 करोड़ की विकास परियोजनाओं की शुरुआत

# अगर मोदी को गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए प्यार नहीं, तो 56 इंच का सीना बेकार: सीएम

**दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।**
दावणगेरे में 1,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि यह कदम भाजपा के उन आरोपों का जवाब है, जिसमें कहा गया है कि कर्नाटक सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन नहीं है। परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद दावणगेरे में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाते हुए कहा कि अगर उन्हें गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए प्यार और चिंता नहीं है, तो 56 इंच का सीना बेकार है। कर्नाटक सरकार द्वारा शुरू की गई विकास परियोजनाएं भाजपा को दिखाई नहीं दे रही हैं। हम विकास को सीधे लोगों के दरवाजे तक ले जा रहे हैं। अगर हमारे पास पैसा नहीं होता, तो एक ही दिन में 1,350 करोड़ की विकास परियोजनाएं कैसे शुरू की जा सकती हैं?

सिद्धरामैया ने कहा कि न केवल बजट में वृद्धि हुई है, बल्कि जीएसटी संग्रह में कर्नाटक दूसरे स्थान पर पहुंच गया है, जो राज्य की मजबूत होती अर्थव्यवस्था का संकेत है। उन्होंने कहा भाजपा ने सत्ता में रहते हुए गरीबों को एक भी घर नहीं दिया। लेकिन हमने अकेले दावणगेरे जिले में 1,892 घर पौराकर्मिकाओं को दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी जातियों और समुदायों का वित्तीय सशक्तिकरण सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और डॉ. बी.आर. अंबेडकर की आकांक्षाओं के अनुसार सरकार सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए पहल कर रही है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एकमात्र कारण बताते हुए उपस्थित लोगों से जानना चाहा कि क्या किसी ने मोदी के 'अच्छे दिन' देखे हैं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में केंद्र द्वारा धन आवंटन के मामले में कर्नाटक सरकार के साथ हुए अन्याय को सूचीबद्ध किया। उन्होंने घोषणा की कि यदि उन्होंने केंद्र द्वारा कर्नाटक के साथ किए गए अन्याय के बारे में झूठ बोला होता, तो वे सार्वजनिक मंच से भाषण नहीं देते। उन्होंने भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक को राज्य में अर्थव्यवस्था और विकास पर सार्वजनिक बहस की चुनौती दी। मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर और एस.एस. मल्लिकार्जुन, सांसद डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन और कई अधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभ और सहायता वितरित की।

### भाजपा को हमसे इस्तीफा मांगने का क्या नैतिक अधिकार

# मुख्यमंत्री ने भाजपा शासित राज्यों में हुई मौतों के बाद इस्तीफा देने वाले नेताओं की सूची मांगी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विपक्षी भाजपा को चुनौती दी कि वह भाजपा शासित राज्यों में हुई भगदड़ के बाद इस्तीफा देने वाले नेताओं की सूची जारी करे और फिर उनसे और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से इस्तीफा देने की मांग करे। 2002 में गुजरात दंगों, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, मणिपुर में हिंसा, गुजरात में मोरबी पुल ढहने की घटना जिसमें 140 लोगों की जान चली गई थी और जनवरी 2025 में उत्तर प्रदेश में महाकुंभ मेले के दौरान 30 तीर्थयात्रियों की मौत का हवाला देते हुए सिद्धरामैया ने भाजपा के विरोध और उनके तथा शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश 4 जून को बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की जांच कर रहे हैं जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रेस को जारी एक बयान में, सिद्धरामैया ने कहा 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जो हुआ, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना है। एक जिम्मेदार सरकार के रूप में, हमने इस घटना की जवाबदेही ली है। हमने बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला कर दिया है। मेरे राजनीतिक सचिव (गोविंदराजू, एमएलसी) को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, हमने मामले की गहन जांच करने के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जॉन माइकल डी'कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है। भाजपा की राज्य इकाई ने मंगलवार को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सिद्धरामैया ने कहा ऐसी निर्णायक कार्रवाई करने के बावजूद कर्नाटक में भाजपा नेता लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। हम हर त्रासदी से प्रभावित परिवारों के दुख और पीड़ा के साथ सहानुभूति रखते हैं। यही कारण है कि हम राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी घटनाओं का फायदा नहीं उठाते हैं। हालांकि, भाजपा नेताओं द्वारा इन घटनाओं को उछालकर जनता को भड़काने के बार-बार प्रयासों को देखते हुए, हम उनके शासन के दौरान हुई कुछ घटनाओं को लोगों के ध्यान में लाकर उनके पाखंड को उजागर करने के लिए बाध्य महसूस करते हैं। सिद्धरामैया ने गुजरात, उत्तर प्रदेश, मणिपुर में हुई मौतों को लेकर भाजपा से सवाल किए। उन्होंने पिछली घटनाओं को याद करते हुए कहा 2002 में गुजरात दंगों के दौरान विभिन्न समुदायों के लगभग 2,000 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा जिम्मेदारी लेने और इस्तीफा देने के सुझाव के बावजूद, तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने न तो पद छोड़ा और न ही आज तक कोई खेद व्यक्त किया। इस वर्ष अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के दौरान 26 लोगों की जान चली गई थी। हमारी पार्टी ने इस घटना पर प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग नहीं की थी। हमने केवल हमले पर चर्चा के लिए एक विशेष संसद सत्र का अनुरोध किया था, जिसे प्रधानमंत्री ने अस्वीकार कर दिया था। अभी भी, इस हमले के अपराधियों की पहचान नहीं हो पाई है। क्या यह केंद्र सरकार की विफलता नहीं है? इस विफलता के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या पंडित जवाहरलाल नेहरू, राहुल गांधी या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी? सिद्धरामैया ने कहा पिछले दो सालों से मणिपुर हिंसा की आग में झुलस रहा है। सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है, फिर भी मुख्यमंत्री बीरेन सिंह 20 महीने तक सत्ता में बने रहे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही इस्तीफा दिया, लेकिन राज्य में हिंसा जारी है। क्या केंद्रीय गृह मंत्री को इसकी जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए?

गुजरात में मोरबी पुल ढहने से 140 लोगों की जान चली गई। इस साल जनवरी में उत्तर प्रदेश में महाकुंभ मेले के दौरान 30 तीर्थयात्रियों की जान चली गई। क्या उन राज्यों के मुख्यमंत्री भाजपा से नहीं थे? उन्होंने न केवल इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि उन सरकारों ने इन घटनाओं की उचित जांच भी नहीं की। ऐसे में भाजपा को हमसे इस्तीफा मांगने का क्या नैतिक अधिकार है? सिद्धरामैया ने कर्नाटक के भाजपा नेताओं से आग्रह किया कि वे 'सड़क पर नाटक करना बंद करें और अपनी अंतरात्मा की आवाज पर काम करें।

# उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने स्वच्छता रैली की शुरुआत की

## साइकिल चलाकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने विधान सौधा के निकट विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्वच्छता नम्मा नदीगे रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थी, स्काउट्स कैंपर्स, आम जनता, अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। डी.के. शिवकुमार ने विधान सौधा में साइकिल चलाकर रैली को रवाना किया और साइकिल चलाकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। कुछ दूर चलने के बाद डी.के. शिवकुमार ने साइकिल चलाकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि वे भी स्कूल और कॉलेज के दिनों में स्काउट्स गाइड कैंपर थे। पर्यावरण संरक्षण में बच्चों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। प्लास्टिक प्रतिबंध को तत्काल लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण अनुकूल क्लब शुरू किए जा रहे हैं और 50 हजार से अधिक क्लब अस्तित्व में आ चुके हैं। बेंगलूरु में बारिश के कारण हो रही आपदाओं को लेकर चिंता जताने की जरूरत नहीं है। सरकार समस्या का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक बारिश जरूरी है। बाद में विधान सौधा के पूर्वी द्वार की सीढ़ियों पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए डी.के. शिवकुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भावी जीवन के लिए जरूरी है। बेंगलूरु में विधान सौधा एक पवित्र स्थान है, जहां कानून बनते हैं और न्यायपालिका इसके सामने होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा डिजाइन दुनिया में कहीं नहीं मिलता। विधान सौधा को आम जनता के लिए खोल दिया गया है। पर्यावरण को नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। इसे बचाने के लिए हरित सांस के आदर्श वाक्य का पालन किया जाना चाहिए। बच्चों को पेड़ लगाने और प्रकृति की रक्षा में रुचि लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम जनता को इसमें अधिक सक्रियता से शामिल होना चाहिए। हर स्कूल में पर्यावरण क्लब होना चाहिए। आने वाले दिनों में इनके माध्यम से कई तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक को पूरी तरह से खत्म करना सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे, विधायक रिजवान अरशद, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पी.एम. नरेंद्रस्वामी, विधान परिषद सदस्य सुदनदास, जैव ईंधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष एस.ई. सुधीन्द्र एवं अन्य उपस्थित थे।

## पिता द्वारा फेंकी गई बीड़ी का टुकड़ा निगलने से 10 महीने के बच्चे की मौत

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
अड्यार से एक दुखद घटना सामने आई है, जिसमें 10 महीने के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे के पिता ने घर के अंदर लापरवाही से बीड़ी का ठूंठ फेंक दिया था। मृतक की पहचान बिहार के रहने वाले एक दंपति के बेटे अनीश कुमार के रूप में हुई है। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुई।

बच्चे को दोपहर करीब 3:30 बजे वेनलॉक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसका इलाज चल रहा था, लेकिन दुर्भाग्य से रविवार सुबह 10:25 बजे उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, मां ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि बच्चे की मौत पिता की लापरवाही के कारण हुई है। उसने कथित तौर पर पिता को कई बार चेतावनी दी थी कि वह घर के अंदर बीड़ी के ठूंठ न फेंके, लेकिन उसकी चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया गया, जिसके कारण यह जानलेवा हादसा हुआ।

# कन्नूर भूस्खलन में 5 घर नष्ट, विधायक ने बुनियादी ढांचे के लिए 3 करोड़ की राहत की घोषणा की

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
मेंगलूरु में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई इलाकों में जलभराव और घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। कन्नूर में, पास की पहाड़ी से भूस्खलन के कारण पांच घर पूरी तरह से नष्ट हो गए। हमीद उस्ताद, मैमुना, सादिक और शेनाज सहित प्रभावित परिवार अब गंभीर स्थिति में हैं। मेंगलूरु दक्षिण के विधायक वेदव्यास कामथ ने कन्नूर वार्ड की पूर्व पार्षद चंद्रावती के साथ घटनास्थल का दौरा किया और नुकसान का आकलन किया।

प्रभावित निवासियों में से एक सादिक ने भयावह अनुभव को याद करते हुए कहा लगभग 3 बजे, भारी बारिश के कारण हमारे घरों के पीछे की पहाड़ी ढह गई। चूंकि बारिश के पानी की निकासी के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं थी, इसलिए पहाड़ी ढह गई। हर दिन हम पानी के बहने के लिए रास्ता बनाने की कोशिश करते थे, लेकिन बारिश की तीव्रता के कारण भारी भूस्खलन हुआ, जिससे पांच घर क्षतिग्रस्त हो गए। विधायक वेदव्यास कामथ ने कहा पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण कन्नूर के दयाम्बु गुड्डे में पाँच घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कन्नूर में रेलवे ट्रैक के पास 100 से ज्यादा घर हैं, लेकिन उनमें उचित सड़क संपर्क नहीं है, जिससे निवासियों को लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है।

मैं दयाम्बु गुड्डे में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए अल्पसंख्यक कल्याण कोष से 3 करोड़ रुपये का उपयोग करने की योजना बना रहा हूँ, जिसमें चार पहिया वाहनों के लिए उपयुक्त सड़कें भी शामिल हैं।

चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान, निवासियों को मोटर योग्य सड़कों की कमी के कारण मरीजों को पैदल ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। हम इस क्षेत्र में एक अंडरपास बनाने की भी योजना बना रहे हैं, और मैंने इस बारे में मंत्री वी सोमन्ना से बात की है। इसके अतिरिक्त, एक नई सड़क का निर्माण किया जा रहा है, और हम रेलवे विभाग से आवश्यक अनुमति लेंगे।

# अवैध दरगाह ध्वस्त करने पहुंचा बुलडोजर तो अंदर मिले अय्याशी के सामान

**जामनगर, 17 जून (एजेंसियां)।** गुजरात के जामनगर में अवैध निर्माण पर बड़ी कार्रवाई की गई। यहां लाखों स्क्वायर किलोमीटर में बनाए गए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला है। मेगा डिमोलिशन के तहत 300 से अधिक मकान भी ध्वस्त कर दिए गए हैं। कुछ मजहबी ढांचे भी ध्वस्त किए गए हैं। यहां एक अवैध दरगाह में ऐशोआराम की तमाम चीजें पाई गई हैं। यह कार्रवाई लगातार चालू है।

जामनगर के एसपी प्रेमसुख डेलू ने बताया कि जामनगर सिटी ए डिवीजन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 7 लाख वर्ग फीट जमीन पर अवैध मजहबी ढांचे बनाए गए थे। इस जमीन की कीमत 193.57 करोड़ है।

एसपी डेलू ने कहा कि पिछले 25-30 वर्षों से धार्मिक ढांचों के जरिए सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा जमा रखा था। वाघेर वाडो और बच्चूनगर इलाके में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से दरगाहों और मस्जिदों का निर्माण किया गया है। हिया जामनगर नगर निगमऔर जामनगर पुलिस ने इन पर संयुक्त अभियान चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। रंगमती नदी के किनारे 300 से अधिक अवैध मकान और 7 से 8 धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया है।

ध्वस्तीकरण के दौरान सरकारी जमीन पर बनाए मजहबी ढांचों पर भी जांच जारी है। एक मजहबी स्थल पर संदेह गहरा गया। यह दरगाह बहुत विशाल क्षेत्र में फैली हुई थी और भव्य थी। इसके अंदर कई शानदार वस्तुएं भी मिली हैं। पुलिस प्रशासन ने इसका वीडियो भी रिकॉर्ड किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दरगाह में आलीशान बाथटब लगे हुए हैं और शानदार कमरे भी बने हुए हैं। दरगाह को विदेशी फंडिंग का शक भी गहरा रहा है। दरगाह काफी भव्य तरीके से बनाई हुई है। यहां महलों जैसे बाथटब मिले हैं। एसपी डेलू ने बताया है कि इसकी जांच चालू हो गई है। बच्चूनगर इलाके में लगभग 11,000 वर्ग फीट के क्षेत्र में एक दरगाह का निर्माण किया गया है, जिसके अंदर एसपी प्रेमसुख डेलू और उनकी टीम निरीक्षण करने गई थी। इस बीच पुलिस अंदर की आ-लीशान सुविधाएं आदि देखकर हैरान रह गई।

इस दरगाह में लिखित घोषणा की गई है जिसमें कहा गया है कि इस स्थान पर किसी भी प्रकार का पैसा स्वीकार नहीं किया जाएगा। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि जब पैसा नहीं लिया गया तो इतना आलीशान निर्माण कैसे किया गया। इस दरगाह में किसी भी प्रकार का बक्सा या डिब्बा नहीं रखा जाता है तथा यहां धन रखना भी वर्जित है।

इसके अलावा दरगाह में यह भी लिखा है कि, बादशाह के दरबार में कोई भीख मांगने ही आता है, दान देने नहीं। इसके अतिरिक्त यह भी लिखा था कि यहां किसी भी प्रकार की धनराशि स्वीकार नहीं की जाएगी। जिला पुलिस प्रमुख प्रेमसुख डेलू और एक अन्य पुलिस टीम ने इसका जब निरीक्षण किया, इस दौरान दरगाह में कई आलीशान सुविधाएं भी देखने को मिलीं। रंग-बिरंगे और आकर्षक टाइलों और संगमरमर जड़े हुए कई कमरे भी देखे गए।

# ओड़ीशा में 4000 किलो विस्फोटक बरामद, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

**भुवनेश्वर, 17 जून (एजेंसियां)।** ओड़ीशा पुलिस ने सुंदरगढ़ जिले में माओवादियों द्वारा लूटा गया 3,811.30 किलोग्राम विस्फोटक बरामद कर लिया है। इस मामले में मुख्य आरोपी जॉर्ज मुंडा उर्फ कुलु को झारखंड-ओड़ीशा सीमा पर चले गहन तलाशी अभियान के बाद गिरफ्तार किया गया। 27 मई को 10 से 15 सशस्त्र हमलावरों के एक गिरोह ने एक वाहन रोक कर विस्फोटक लूट लिया था।

वाहन में इटमा स्टोर से बैंकु खदान की ओर ले जाए जा रहे 200 पैकेट सीडीईटी ब्रांड के विस्फोटक (मुख्यतः जिलेटिन स्टिक) थे। हमलावरों ने खुद को आतंकवादी बताया और हिंदी और सादरी भाषा में बात करते हुए वाहन को जंगल की ओर मोड़ कर विस्फोटक लूट लिए और चालक को छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद राउरकेला पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। जांच में फोरेंसिक विश्लेषण,

टेलीकॉम डेटा की जांच और कई संदिग्धों से पूछताछ शामिल थी।

पश्चिमी रेंज के डीआईजी बृजेश राय ने बताया कि यह लूट झारखंड के सरंडा वन क्षेत्र से आए माओवादी दस्ते द्वारा अंजाम दी गई थी। जांच में सामने आया कि सुंदरगढ़ के कुलु मुंडा गांव निवासी जॉर्ज मुंडा ने निजी हितों के चलते माओवादियों को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई थी। खदान संचालन का लंबे समय से विरोध करने वाले मुंडा की नक्सलियों से लगातार बैठक होती थी और उसी ने लूट की योजना में प्रमुख भूमिका निभाई। पुलिस और सुरक्षा बलों ने झारखंड के एक घने जंगल में माओवादियों के साथ मुठभेड़ के बाद भारी मात्रा में लूटा गया विस्फोटक बरामद किया। यह स्थान ओड़ीशा सीमा से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर था।

घटना के तुरंत बाद डीजीपी वाई. बी. खुरानिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्थल पर पहुंचे थे। इसके अलावा, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी राज्य पुलिस के साथ मिलकर मामले की जांच कर रही है। अब तक कुल 3.8 टन विस्फोटक बरामद हो चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और शेष विस्फोटकों की तलाश जारी है।

**तनाव के बीच एलओसी पर सुरक्षा के उपाय तेज**

# जल्दी बंकर बनाए जाने का निर्देश

**जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)।** जम्मू कश्मीर सरकार ने पुंछ के डिप्टी कमिश्नर को निर्देश दिया है कि वे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिले के संवेदनशील और गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बंकरों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तुरंत तैयार करें।

सिविल सचिवालय से एक औपचारिक विज्ञप्ति में, जम्मू और कश्मीर के माननीय उपमुख्यमंत्री के कार्यालय ने पुंछ के डिप्टी कमिश्नर को जिले के संवेदनशील और गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बंकरों के निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री कार्यालय से डीसी पुंछ को भेजे गए विज्ञप्ति के अनुसार, यह निर्देश हवेली पुंछ के माननीय विधायक श्री एजाज अहमद जान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के जवाब में आया है, जिसने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की और सीमा पार से गोलाबारी द्वारा अक्सर लक्षित क्षेत्रों में नागरिक जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बंकरों की तत्काल आवश्यकता पर चिंता व्यक्त की।

हाल ही में हुई गोलाबारी की घटनाओं ने जन-जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में भय और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। आम जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह अनुरोध किया जाता है कि चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर बिना किसी देरी के बंकरों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं, विज्ञप्ति में कहा गया है।

यह निर्देश विधायक एजाज अहमद जान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के बाद आया है, जिन्होंने 7-10 मई के बीच भारी गोलाबारी के बाद सुरक्षात्मक संरचनाओं की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। याद रहे पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद उक्त सप्ताह में तनाव बढ़ गया था, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच तीव्र तनाव पैदा हो गया था।

# कांग्रेस नेता के संरक्षण में चल रहा लव-जेहादियों का गिरोह

**इंदौर, 17 जून (एजेंसियां)।** हिंदू लड़कियों को फंसाकर उन्हें कन्वर्ट कर लव जेहाद के सबसे अधिक मामले मध्य प्रदेश के इंदौर से सामने आ रहे हैं। ताजा प्रकरण में दो पीड़िताओं की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ दुष्कर्म और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। इंदौर की बाणगंगा पुलिस की तहकीकात में सामने आया है कि लव जेहाद के लिए फंडिंग की गई, जिसमें पुलिस ने कांग्रेस पार्षद को भी 120बी के तहत आरोपी बनाया है।

जांच के दौरान सामने आए वीडियो में दोनों आरोपियों साहिल शेख और मोहम्मद अल्ताफ ने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम लिया, जिसने लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और निकाह के लिए उन्हें काफी रुपए दिए थे। उसने युवकों को एक लड़की को फंसाने के लिए एक लाख रुपए और निकाह कराने पर दो लाख रुपए देने की बात कही थी। साथ ही अधिकतम हिंदू युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर बाद में वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलना भी सामने आया है। दोनों आरोपियों ने बताया कि पार्षद पहले फोटो देखकर आश्वस्त होता है कि लड़की हिंदू है कि नहीं, फिर उसके बाद फंडिंग की जाती। प्रत्येक युवती को अपने जाल में फंसाने के लिए एक से दो लाख रुपए दिए जाते थे। अनवर से सामाजिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात हुई थी। उसने दो लाख रुपए दिए थे। यह भी कहा कि इस काम को आगे बढ़ाओ।

साहिल खान को लेकर 18 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि करीब पांच महीने पूर्व उससे हिंदू नाम से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की गई थी। 12 मई को वह बातचीत के लिए युवती को दोस्त के कमरे पर ले गया, जहां पूरी तरह भरोसे में लेकर शादी का झांसा देते हुए शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद साहिल उसे 30 मई को स्कीम-54 में एक कैफे पर मिलने बुलाता है, जहां विरोध के बावजूद उससे जबरदस्ती की गई। बाद में उसकी असली पहचान मुस्लिम होना उजागर हुआ। उसने बताया कि वह मुसलमान है और अब तुम भी अपना धर्म बदल लो। उसने कहा कि तू जितना पैसा मांगेगी मैं दूंगा। फिर युवती को जबरदस्ती बुरका पहनाने की कोशिश की गई।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया का पूरे मामले को लेकर कहना है कि यह कार्रवाई वायरल वीडियो के आधार पर की गई,

अभी दो पीड़िताएं इस प्रकरण में सामने आई हैं, इसलिए अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की गईं। दोनों पीड़िताओं के बयानों के आधार पर धाराएं बढ़ाई गई हैं। पार्षद अनवर कादरी को भी आर-ोपी बनाया जा रहा है। थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने जानकारी दी कि आरोपी साहिल शेख और अल्ताफ खान ने सोशल मीडिया पर फर्जी हिंदू नामों से आईडी बना रखी थी। इन्हीं नामों से वे युवतियों को फंसाते थे। उन्होंने अपने नाम अर्जुन और राज रखे। शिकायत करने सामने आई दोनों युवतियों से भी ये हिंदू नाम से बात करते और उन्हें लव जेहाद का शिकार बनाया गया। इनकी मोबाइल जांच में सामने आया है कि एक बार किसी युवती के इसके झांसे में आने के बाद वे इन लड़कियों पर शादी करने एवं धर्म परिवर्तन का दबाव बनाते।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्षद ऐसे युवकों को फंडिंग करता था। आरोपी अल्ताफ ने अनवर से एक लाख रुपए लेना स्वीकार किया है। पुलिस उनके बैंक खातों की जांच कर रही है। कादरी के अलावा भी अन्य लोगों की जांच की जा रही है।देर रात पुलिस ने उसके घर छापा मारा लेकिन वह फरार हो गया। दोनों आरोपी सोमवार तक पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।

इंदौर में लगातार लव जेहाद के केस सामने आ रहे हैं। ड्रीम ओलंपिक शूटिंग एकेडमी के कोच मोहसिन खान पर अब तक सात एफआरआर दर्ज हो चुकी हैं। उसने खुद एवं अन्य मुस्लिम दोस्तों व परिवार सदस्यों के साथ मिलकर कई हिंदू लड़कियों को लव जेहाद का शिकार बनाया और दुष्कर्म किया। बजरंग दल ने दावा किया है कि मोहसिन ने 150 से अधिक हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाया था। ऐसे ही पुलिस ने एक अन्य प्रकरण में फरहान और हन्नेन खान को पकड़ा तो इन दोनों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। एक आरोपी हन्नेन खान ने हिंदू युवती को अपना नाम आयुष पटेल बताकर झांसे में लिया। पुलिस ने हन्नेन के फोन की जांच की तो कई हिंदू युवतियों की चैट मिली। इसी तरह,आरोपी फरहान ने भी युवती को हिंदू नाम बताकर झांसे में लिया था। जब युवती को उसके मुस्लिम होने की सच्चाई का पता चली तो विजय नगर थाने में मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (लव जेहाद) की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची। इस प्रकरण में पीड़िता के अनुसार, फरहान के कृत्य में उसकी मां अफसाना भी शामिल है।

इसी तरह के लव जेहाद के एक मामले में खजराना निवासी तोहिद रजा का खुलासा हुआ। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि महिला मित्र की जन्मदिन पार्टी पर तोहिद से दोस्ती हुई थी। उसने पीड़िता से मोबाइल नंबर ले लिए और दोनों की बातचीत होने लगी। आरोपी ने युवती से कहा था कि उसका नाम राहुल है। उसने शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए। कुछ समय बाद पता चला कि आरोपी का असली नाम तोहिद है और लव जेहादी है। उक्त प्रकरण में टीआइ सहर्ष यादव का कहना है कि तोहिद ने पीड़िता का वीडियो बना लिया था, जिसके बाद उसने ब्लैकमेल करना शुरू किया। इंटरनेट पर वीडियो डालने की वह पीड़िता को धमकी भी देता था। उसके विरुद्ध लूट-चोरी के गंभीर मामले दर्ज हैं। वह एमडी ड्रग्स का नशा भी करता है।

एक और झकझोरने वाली कहानी सामने आ चुकी है। एक पति ने पहले पांच पन्नों में अपनी दर्दभरी कहानी लिखी, फिर वीडियो बनाकर रोते हुए बताया कि कैसे उसकी पत्नी जिम में जाने के बाद एक लव जेहादी की चंगुल में फंसी। तंग आकर उसने जहर खा लिया।

उल्लेखनीय है कि इंदौर पुलिस की जांच में सामने आया कि शहर के कुछ कॉल सेंटर, जिम और शिक्षा केंद्रों को आरोपियों ने लव जेहाद की गतिविधियों का अड्डा बना रखा है। यहां मुस्लिम युवक हिंदू नाम से युवतियों से सम्पर्क करते हैं, फिर उन्हें दुष्कर्म का शिकार बनाते हैं। चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि इन मुस्लिम युवकों को इस काम में उनके परिवार की महिलाएं भी सहयोग करती नजर आ रही हैं। विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच एवं अन्य सनातन धर्म से जुड़े हिंदू संगठनों का कहना है कि इंदौर में लव जेहाद का बड़ा षड्यंत्र चल रहा है।

# वोकल फॉर लोकल को साकार करने के लिए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाए : रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** दिल्ली को विकसित राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आह्वान किया कि दिल्ली के लोग अपने घरों में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाए ताकि ज्यादा से ज्यादा स्वरोजगार पैदा हो सके।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित वोकल फॉर लोकल एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधता वाला देश है जहां पर दुनिया की हर चीज मौजूद है। दिल्ली में पर्यटन को आकर्षित बनाने के लिए अनेक पर्यटक स्थलों को जोड़ा जा रहा हैं। पहले कुतुब मीनार, लालकिला, चिड़ियाघर, इंडिया गेट, हुमांयु का मकबरा, राष्ट्रपति भवन जैसे स्थल शामिल थे और अब इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है, जिसमें डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, कर्तव्य पथ के साथ अन्य महत्व-पूर्ण स्थानों को जोड़ा जा रहा हैं।

श्रीमती गुप्ता ने कहा, भारत अपनी देश की 140 करोड जनता की जनसंख्या को बोझ न समझ कर उसे अपना ऐसेट समझ ले तो उन्ही का उपयोग करना शुरू कर दे तो देश की 140 करोड़ जनता अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में जुट जायेगी।

विदेशी सामान के खरीदारों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे स्वदेश के छोटे निर्माताओं को व्यापारी को नुकसान पहुंचता है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की समन्वयन के साथ व्यापारियों की समस्याओं को उठाने की प्रशंसा करते हुये दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों की सभी समस्याएं उनके संज्ञान में है और उन पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए आज यहां पर ली गई शपथ का पालन होना चाहिए।

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन श्री सुनील सिंघी जी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की मौजूदगी में समारोह में शामिल सभी व्यापारियों को वोकल फॉर लोकल की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की काया को पलटने के लिए एक लाख करोड़ बजट की घोषणा की है ताकि विकसित भारत की कल्पना में विकसित दिल्ली बने।

प्रदेश के वरिष्ठ महामंत्री श्री मुनीष बंसल ने मंच का संचालन करते भारतीय व्यापार मंडल के इतिहास के बारें में उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इसका मूल उद्देष्य व्यापारियों और छोटे उद्यमियों की समस्याओं को सरकार के साथ समन्वयन बनाकर हल कराना और उन्हें स्वालंबी बनाने के साथ साथ उनके सम्मान को बरकरार रखा भी है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री नवीन गर्ग ने सभी व्यापारियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत को विश्व के सबसे अधिक विकसित राष्ट्रो की श्रेणी में लाने के लिए मोदी जी ने जो वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया है। उसे सफल बनाने के लिए हम सबका कर्तव्य बनता है कि हम पांच सात आदमी इक्कठे हो जाये और घर घर जा कर यह शपथ दिलाए।

संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री बालकिशन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अपने अतीत को देखे तो भारत सोने की चिड़िया कहलाता था। उसमें भी व्यापारियों का योगदान था। आजादी के समय भी क्रांतिकारियों की सहायता करने वाले में व्यापारी वर्ग से सामने आया था। उन्होंने कहा कि अब हमें राष्ट्र प्रथम पर ध्यान देते हुये वोकल फॉर लोकल को अपनाना है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश के चेयरमैन श्री नरेश ऐरण ने बताया कि दिल्ली में 27 साल एक ऐसी सरकार बनी जो व्यापारी भाईयों की बात को सुनती है। उन्होंने उम्मीद जताते हुये कहा कि दिल्ली सरकार ने हमारी कुछ मांगों को स्वीकार किया है और उसके परिणाम जल्द सामने आयेंगे।

इस समारोह में स्वामी बालकानंद गिरि जी महाराज, श्री नरेश चंद्र शास्त्री जी उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव श्री दीपक सिंघल जी, हरियाणा के स्पोर्टस यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री अशोक कुमार और उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता श्री अभिषेक गुप्ता शामिल थे। इनके अलावा राष्ट्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय चेयरमैन बालकिशन अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकॉंत गर्ग जी, वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. गोपाल मोर और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जगदीश बेरीवाल भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगश गर्ग, मुकेश कुमार गुप्ता, संजीव मित्तल, दिनेश गर्ग, महावीर गोयल सहित अन्य अपना बहुमूल्य योगदान दिया ।

# अमरनाथ यात्रा मार्ग एक जुलाई से सरकारी ड्रोनों के हवाले

**जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)।** आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जम्मू कश्मीर सरकार ने पूरे तीर्थयात्रा मार्ग को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है, जिसमें पहलगाम और बालटाल दोनों मार्ग शामिल हैं।

यह प्रतिबंध पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों को कवर करने वाले सभी प्रकार के हवाई उपकरणों-यूएवी, ड्रोन और गुब्बारों पर लागू होता है। सुरक्षा निर्देश 1 जुलाई से 10 अगस्त तक लागू रहेंगे। यह निर्णय भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा ऐसा करने की सलाह दिए जाने के बाद लिया गया है। ये प्रतिबंध चिकित्सा निकासी, आपदा प्रबंधन या सुरक्षा बलों द्वारा किए जाने वाले निगरानी अभियानों पर लागू नहीं होंगे।

ऐसे अपवादों के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसअ-ोपी) बाद में जारी की जाएगी। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन आज यहां यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त को समाप्त होगी। पहलगाम हमले के मद्देनजर यात्रा के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। तीर्थयात्रा के लिए केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की 581 कंपनियों को तैनात किया जा रहा है।

### आजमगढ़ के मुस्लिम बहुल गांव में 40 दलित परिवार संकट में

# जय श्रीराम बोलने पर कट्टरपंथी मुस्लिमों ने मचाया तांडव

**आजमगढ़, 17 जून (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के छोटा पुरा के मुस्लिम बहुल इलाके में लगभग 40 हिंदू दलित परिवारों ने अपने घरों पर घर बिकाऊ है के पोस्टर लगा दिए हैं। इनलोगों ने मुस्लिम समुदाय द्वारा लगातार उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और रेप की धमकी देने का आरोप लगाया है। यूपी के आजमगढ़ के मुस्लिम बहुल छोटा पुरा में करीब 40 दलित परिवारों ने अपने मकानों पर घर बिकाऊ है के बोर्ड लगा दिए हैं। इन लोगों ने खुद को असुरक्षित बताया है। बार-बार हो रहे उत्पीड़न, रेप की धमकी से ये लोग परेशान हैं और पुलिस पर उदासीनता का आरोप लगा रहे हैं। 3 जून को स्थानीय मुस्लिम युवकों ने एक शादी समारोह के दौरान महिलाओं को परेशान किया था। इस दौरान मुस्लिम और दलित समुदाय के बीच मारपीट हुई है। इससे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

दरअसल 3 जून 2025 को बम्हौर गांव के युवक राकेश कन्नौजिया की शादी थी। इस मौके पर दलित समुदाय की महिलाएं और लड़कियां पारंपरिक विवाह-पूर्व की रस्में निभा रही थीं। उत्सव का माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब मुस्लिम समुदाय के कई युवक वहां पहुंच गए और महिलाओं की सहमति के बिना उनका वीडियो बनाने लगे। इस पर आपत्ति जताने पर मुस्लिम युवकों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए महिलाओं से छेड़छाड़ किया। घबराकर महिलाओं ने मदद के लिए शोर मचाया, जिससे पुरुष रिश्तेदारों को बीच-बचाव करना पड़ा। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई, जिसमें करीब 20 लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

गांव के राकेश कन्नौजिया, बृजेश गोंड और रामअवध समेत कई दलित परिवारों का आरोप है कि मुस्लिम समुदाय के लोग घूम-घूमकर धमकी दे रहे हैं। उन्होंने दावा है कि 3 जून की झड़प कोई अकेली घटना नहीं थी, बल्कि उत्पीड़न का सिलसिला बहुत दिनों से जारी है। दलित परिवारों का आरोप है कि महीनों से उन्हें भक्ति गीत बजाने, शादियों में डीजे बजाने या सांस्कृतिक उत्सवों में भाग लेने पर दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि जय श्रीराम के नारे लगाने और त्यौहार मनाने में भी इन्हें दिक्कतों ता सामना करना पड़ता है।

दलित परिवारों का कहना है कि महिलाएं और लड़कियां घर से बाहर नहीं निकल पाती हैं। उनके साथ छेड़छाड़ की जाती है और धमकियां दी जाती है। उन्होने चेतावनी दी है कि अगर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई तो वे लोग पलायन कर जाएंगे। एक दलित व्यक्ति ने कहा, हमारी बेटियां और पत्नियां घर से बाहर नहीं निकल पाती हैं। त्यौहार खुशियों के बजाय तनावपूर्ण हो गए हैं। और जब हम शिकायत करते हैं, तो कुछ नहीं होता। एक अन्य दलित व्यक्ति ने कहा, हम कई बार पुलिस के पास गए। हमने बेहतर सुरक्षा और सख्त कार्रवाई का अनुरोध किया, लेकिन कुछ नहीं बदला। इसलिए हमने अपने घर बेचने का फैसला किया है। कम से कम हम कहीं और शांति से रह सकते हैं।

आजमगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) मधुवन कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस ऐसे परिवारों से सम्पर्क कर उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दे रही है। उन्होंने कहा, हमने ऐसी रिपोर्ट देखी है कि कुछ परिवार पलायन करने की योजना बना रहे हैं। हम उनसे सम्पर्क कर रहे हैं और उन्हें सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दे रहे हैं। मुबारकपुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी निहान नंदन ने भी कहा कि शांति बहाल करने के लिए 3 जून की घटना के बाद इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है। हालांकि पुलिस के आश्वासन के बावजूद अधिकांश परिवार आश्वस्त नहीं दिखते। दलित परिवारों का कहना है कि पहले यह सुरक्षा कहां थी? प्रशासन को जागने के लिए सुर्खियों और विरोध प्रदर्शनों की क्या जरूरत है?

# 75 जिलों में मूंग और 15 जिलों में मूंगफली खरीद शुरू

### 02 सितंबर तक खरीदी जाएगी मूंग, 29 अगस्त तक मूंगफली

**लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए जायद सीजन में मूंग और मूंगफली की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू कर दी गई है। यह खरीद सभी 75 जिलों में मूंग और 15 जिलों में मूंगफली के लिए की जा रही है, जिससे प्रदेश के लाखों किसानों को मुनाफा होगा। योगी सरकार मूंग की खरीद 02 सितंबर तक और मूंगफली की खरीद 29 अगस्त तक करेगी। खरीद मूल्य के रूप में मूंग के लिए 8,682 रुपए प्रति क्विंटल और मूंगफली के लिए 6,783 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है।

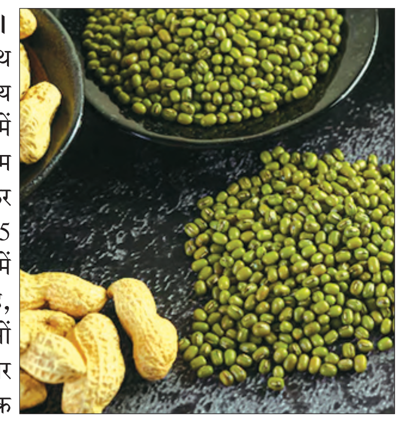

सरकार ने 34,720 मीट्रिक टन मूंग और 50,750 मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत किसानों को क्रय केंद्रों पर अपनी उपज लाकर समर्थन मूल्य का लाभ मिलेगा। नैफेड और एनसी-सीएफ को खरीद की जिम्मेदारी दी गई है। जो राज्य एजेंसियां यूपीपीसीयू, यूपीपीसीएफ, जैफेड, यूपीएसएस द्वारा खरीद करेंगी। नैफेड 24,304 मीट्रिक टन मूंग और 35,525 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदेगा। वहीं एनसी-सीएफ 10,416 मीट्रिक टन मूंग और 15,225 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदेगा।

योगी सरकार ने मूंग और मूंगफली की खरीद के लिए जिलावार क्रय केंद्रों का निर्धारण कर नैफेड और एनसीसीएफ को जिम्मेदारी सौंपी है। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्पष्ट दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं। नैफेड उत्तर प्रदेश के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। यह अभियान किसानों को प्रोत्साहित करेगा और उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाएगा। जिन जिलों में नैफेड मूंग खरीदेगा उनमें मथुरा, अलीगढ़, जालौन, आगरा, औरैया, ललितपुर, हाथरस, मैनपुरी, एटा, कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर, झांसी, बांदा, उन्नाव, गाजीपुर, अयोध्या, महोबा, हरदोई, अमेठी, आजमगढ़, सम्भल, मऊ, जौनपुर, चित्रकूट, वाराणसी, बहराइच, संत रविदास नगर, पीलीभीत, मीरजापुर, बागपत, लखीमपुर खीरी, सोनभद्र, अम्बेडकर नगर, रामपुर, कुशीनगर, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, महाराजगंज, गोंडा, देवरिया, गोरखपुर, श्रावस्ती, बस्ती, सिद्धार्थनगर, शामली, मेरठ, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, संत कबीर नगर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बलरामपुर, सहारनपुर और बिजनौर शामिल हैं। नैफेड जिन जिलों में मूंगफली खरीदेगा उनमें मैनपुरी, हरदोई और इटावा शामिल हैं। इसके अलावा, कानपुर देहात, इटावा, फतेहपुर, प्रयागराज, फिरोजाबाद, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, हमीरपुर, कन्नौज, बुलंदशहर, कासगंज, शाहजहांपुर, चंदौली, सुल्तानपुर, बदायूं, रायबरेली, बलिया, हापुड़ और फर्रुखाबाद जिलों में एनसी-सीएफ मूंग और फर्रुखाबाद, कन्नौज, अलीगढ़, कासगंज, औरैया, कानपुर देहात, बदायूं, एटा, उन्नाव, लखनऊ, कानपुर नगर और श्रावस्ती जिले में मूंगफली खरीदेगा।

# एक्सप्रेस-वे की कनेक्टिविटी से दक्षिणांचल का होगा कायाकल्प

**गोरखपुर, 17 जून (एजेंसियां)।** जनपद के जिस दक्षिणांचल को सबसे पिछड़ा क्षेत्र मान लिया गया था, अब वह आगामी सालों में विकास और नई औद्योगिक पहचान की आभा से चहक उठेगा। दक्षिणांचल के कायाकल्प का आधार बनेगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों 20 जून को लोकार्पित होने जा रहा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे। लिंक एक्सप्रेस-वे की शानदार रोड कनेक्टिविटी के चलते योगी सरकार दक्षिणांचल के धुरियापार में नए इंडस्ट्रियल टाउनशिप की परिकल्पना को साकार कर रही है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और देश की नामी कंपनियों को यहां उद्योग के लिए जमीन भी पसंद आने लगी है। अडानी सहित कई औद्योगिक घराने यहां निवेश के लिए तैयार हैं।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे गोरखपुर को केंद्रित कर पूर्वी यूपी की औद्योगिक प्रगति की इबारत लिखने के लिए सुनहरा पन्ना बन रहा है। खासकर गोरखपुर के दक्षिणी हिस्से के लिए। गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित है धुरियापार क्षेत्र। इस इलाके की जो जमीन ऊसर थी, जिसपर कोई फसल मुश्किल से उगती थी, वहां योगी सरकार उद्योगों की फसल लगवाने को तत्पर है। इसके लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) द्वारा 5500 एकड़ में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को मूर्त रूप दिया जा रहा है। करीब डेढ़ दर्जन गांवों की अनुपजाऊ जमीनों के अधिग्रहण के सिलसिले में अब तक 600 एकड़ जमीन गीडा द्वारा अधिग्रहित की जा चुकी है। यह इंडस्ट्रियल टाउनशिप पूर्वांचल के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल लैंड बैंक वाली होगी। योगी सरकार की मंशा यहां बड़े उद्यगों का संजाल बिछाने के साथ इसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर के रूप में विकसित कर करने की है। इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे बैक बोन का काम करेगा।

ऊसर धरती पर उद्योगों के जरिये रोजगार की भरपूर छांव मिले, योगी सरकार इसी फॉर्मूले के तहत ग्रेटर गीडा के रूप में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप का विकास कर रही है। मूर्त रूप में आने के बाद यह इंडस्ट्रियल टाउनशिप धुरियापार समेत समूचे गोरखपुर दक्षिणांचल के लिए गेम चेंजर साबित होगी। धुरियापार की पहचान अति पिछड़े क्षेत्र के रूप में रही लेकिन आने वाले दिनों में इसकी ख्याति गोरखपुर के नए औद्योगिक क्षेत्र के गेटवे के रूप में होगी। बीते आठ सालों में देश-दुनिया के कई निवेशकों का रुझान गोरखपुर की तरफ देखते हुए सरकार धुरियापार क्षेत्र को ग्रेटर गीडा बनाने की तैयारी कर रही है। औद्योगिक विकास के साथ ही यहां रोजगार की बहार भी बहेगी।

गोरखपुर के दक्षिणांचल के औद्योगिक विकास को लेकर योगी सरकार काफी संजीदा है। धुरियापार में बनने के बाद से ही बंद पड़ी चीनी मिल के कुछ हिस्से में इंडियन ऑयल की तरफ से कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट लगाया जा चुका है। इस प्लांट के बाद धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप के मूर्त रूप में आने के बाद इस क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा। इंडस्ट्रियल टाउनशिप में लगने वाले उद्योगों से करीब 10,000 से अधिक लोगों को रोजगार सुलभ होगा। धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए निवेश प्रस्ताव आने शुरू भी हो गए हैं। अडानी समूह ने एसीसी ब्रांड के सीमेंट प्लांट के लिए जमीन की मांग की है। श्री सीमेंट और केयान डिस्टिलरी ने भी नया प्लांट लगाने के लिए जमीन की मांग की है। इसके अलावा कई अन्य औद्योगिक समूह यहां निवेश में रुचि दिखाई है।

# यूपी में 13 रुपए प्रति यूनिट हो सकती है बिजली

### 40 से 45 फीसदी बढ़ोतरी का दिया गया प्रस्ताव

**लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)।** यूपी में बिजली उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगने वाला है। पावर कारपोरेशन ने संशोधन का जो प्रस्ताव भेजा हैं उसमें बिजली महंगी होने जा रही है। पावर कारपोरेशन की ओर से विद्युत नियामक आयोग में दाखिल बिजली दरों में 40-45 फीसदी बढ़ोतरी का संशोधित प्रस्ताव स्वीकार होता है तो उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगेगा। संशोधित प्रस्ताव के आधार पर ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अधिकतम फिक्स चार्ज 8 और शहरी के लिए 9 रुपए प्रति प्रति यूनिट हो जाएगा। उन्हें अधिकतम फिक्स चार्ज के साथ प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज, विद्युत कर और दूसरे शुल्क जोड़कर प्रति यूनिट 12 से 13 रुपए चुकाने होंगे।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया है कि पावर कारपोरेशन ने फिक्स चार्ज में बड़ा खेल किया है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को पावर कारपोरेशन की ओर से दिए प्रस्ताव के विरोध में सोमवार को नियामक आयोग में लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल किया। नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय सिंह से मुलाकात कर प्रस्ताव को असांविधानिक करार देते हुए खारिज करने की मांग की।

वर्मा ने बताया कि भाजपा के संकल्प पत्र में गरीबों को 100 यूनिट तक तीन रुपए प्रति यूनिट देने की बात कही गई है। उसे भी चार रुपए प्रति यूनिट कर दिया है। पहले बिजली दरों के चार स्लैब थे, जिन्हें तीन कर दिया गया है। कुछ स्लैब में बिजली दरों में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है। इसे लौटाने पर कोई बात नहीं हो रही है। वर्मा ने बताया कि नए प्रस्ताव में फिक्स चार्ज भी बढ़ाया गया है। शहरी फिक्स चार्ज को 110 रुपए से बढ़ाकर 190 रुपए प्रति किलोवाट करने का प्रस्ताव दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में फिक्स चार्ज 90 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोवाट प्रस्तावित किया है।

बिजली के निजीकरण की चर्चा के बीच ही यूपी सरकार बिजली की दरें बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पावर कारपोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। प्रदेश में ग्रामीण उपभोक्ताओं की बिजली दर 45 फीसदी और शहरी उपभोक्ताओं की 40 फीसदी बढाने की तैयारी है। इसके लिए पावर कार्पोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। जबकि सात जुलाई से बिजली दर निर्धारण के लिए सुनवाई की तिथि तय है। ऐसे में विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रस्ताव को असंवैधानिक बताया है। साथ ही नियामक आयोग से इस प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की है।

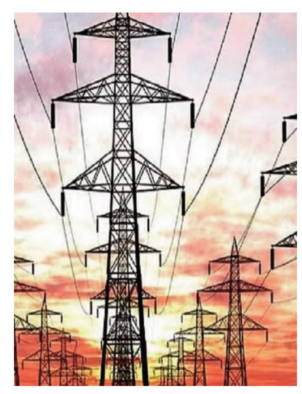

पावर कारपोरेशन ने बिजली कंपनियों की ओर से मई माह के पहले सप्ताह में वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) दाखिल किया। 19 मई को बिजली कंपनियों का घाटा 9200 से बढ़ाकर 19600 करोड़ दिखाते हुए 30 फीसदी तक बढोतरी का प्रस्ताव दिया। अब एक बार फिर शुक्रवार को गुपचुप तरीके से पावर कारपोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल किया है।

प्रस्ताव में श्रेणीवार दरें बढ़ाने की मांग की गई है, जिसमें ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में 40 से 45 फीसदी वृद्धि और घरेलू शहरी उपभोक्ताओं की दरों में 35 से 40 फीसदी वृद्धि प्रस्तावित की गई है। इसी तरह अन्य श्रेणी में भी बिजली दरों में वृद्धि की प्रस्ताव दिया गया है। पावर कारपोरेशन के प्रस्ताव को नियामक आयोग ने स्वीकार किया तो उपभोक्ताओं की जेब कटनी तय है।

पावर कारपोरेशन ने नए उपभोक्ताओं की कनेक्शन की दरों के लिए कॉस्ट डाटा बुक को भी नियामक आयोग में दाखिल किया है। ऐसे में नया कनेक्शन लेना भी महंगा हो गया है। नए कनेक्शन की दर में करीब 25 से 30 फीसदी की बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है। इसी तरह नए कनेक्शन लेने पर विभिन्न तरह की सामग्री पर भी अतिरिक्त चार्ज लगाया गया है। अभी तक नया कनेक्शन लेने पर पोल से 40 मीटर के दायरे में औसतन 10 हजार रुपया तक खर्च होता है। पावर कारपोरेशन ने नियामक आयोग में गुपचुप तरीके से निजीकरण के मसौदे पर सलाह लेने संबंधी प्रस्ताव भी पांच कॉपी में दाखिल कर दिया गया है। वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व संग्रह क्षमता का आंकड़ा देते हुए घाटा करीब 19644 करोड़ दिखाया है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि कार्पोरेशन वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) दाखिल कर चुका है। इसके सभी आंकड़े समाचार पत्रों में प्रकाशित हो गए हैं। उपभोक्ताओं से आपत्तियां भी मांग ली गई है। सात जुलाई से बिजली दर की सुनवाई शुरू हो रही है। इस बीच अचानक श्रेणीवार बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव स्वीकार करना असंवैधानिक है। नियामक आयोग द्वारा बिजली दर की सुनवाई शुरू करने के बीच कोई भी नया प्रस्ताव नहीं दाखिल किया जा सकता है। नियामक आयोग को यह प्रस्ताव खारिज करना चाहिए। क्योंकि करीब पांच साल पहले भी इस तरह का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे विद्युत उपभोक्ता परिषद के विरोध के बाद विद्युत नियामक अयोग ने खारिज कर दिया था।

प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर करीब 33122 करोड़ रुपया (सरप्लस) निकलने का मामला लगातार उठाया जा रहा है। इसे लेकर नियामक आयोग में याचिका भी लगाई गई है। विद्युत उपभोक्ता परिषद की मांग है कि नोएडा पावर कंपनी की तरह ही उपभोक्ताओं के बकाया को बिजली दर में कमी करके लौटाया जा सकता है।

इस बीच पावर कारपोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल करके बिजली दरें बढ़ाने की मांग कर ली है।

# गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षा का होगा मुकम्मल इंतजाम

### 20 जून को मुख्यमंत्री योगी करेंगे लोकार्पण

**गोरखपुर, 17 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में प्रमुखता से शुमार गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे सिर्फ रफ्तार के साथ आवागमन सुगमता का ही माध्यम नहीं बनेगा बल्कि इस एक्सप्रेस-वे पर सड़क व यात्री सुरक्षा का भी मुकम्मल इंतजाम रहेगा। यात्री सुरक्षा के लिहाज से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण के दिन 20 जून को मुख्यमंत्री सुरक्षा फ्लीट को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जबकि आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा के लिए यहां लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर एटीएमएस (एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) भी लागू किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा बनवाए गए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर यात्री सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री जिस सुरक्षा फ्लीट का शुभारंभ

करेंगे उसमें 5 इनोवा, 5 कैम्पर, 4 एम्बुलेंस, 2 क्रेन और 1 हाइड्रा वाहन शामिल हैं। यूपीडा के नोडल सिक्योरिटी ऑफिसर राजेश पांडेय बताते हैं कि यूपीडा के इनोवा वाहन की पैट्रोलिंग 8-8 घंटे के शिफ्ट में लगातार होती रहेगी। हर वाहन में चार सेवानिवृत्त सैनिकों की ड्यूटी रहेगी। कैम्पर वाहन पीछे से खुले रहते हैं और इसमें ट्रैफिक कोन, रस्सी, रेडियम स्ट्रिप आदि की उपलब्धता रहती है। किसी स्थान पर किसी वाहन के खराब होने पर या दुर्घटना होने पर ये वाहन तुरंत जाकर ट्रैफिक कोन, रस्सी और रेडियम स्ट्रिप से कवर कर देंगे ताकि अन्य वाहनों को कोई दिक्कत न हो।

इसके अलावा 91 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे पर हर 45 किमी पर मार्ग के दोनों तरफ एक-एक एम्बुलेंस की तैनाती रहेगी ताकि आकस्मिक चिकित्सकीय जरूरत यात्रियों को तत्परता से अस्पताल भेजा जा सके। किसी वाहन में अचानक खराबी आने पर उसे सड़क से हटाने के लिए हर 45 किमी पर क्रेन और पूरे एक्सप्रेस-वे के लिए 1 हाइड्रा वाहन को तैनात किया जाएगा। यात्री और मध्यम मालवाहक वाहनों को क्रेन से और बड़े मालवाहक वाहनों को सड़क से नजदीक के चैनेज से उतार दिया जाएगा क्योंकि नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के दिशानिर्देश के मुताबिक एक्सप्रेस-वे पर खराब वाहनों को खड़ा नहीं किया जा सकता।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर आने वाले समय में एटीएमएस भी लागू करने की तैयारी है। इस सिस्टम के तहत एक्सप्रेस-वे पर हर पांच किमी पर सीसी कैमरे लगाए जाते हैं। इसकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाती है। इसके अलावा एटीएमएस में रफ्तार सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर नजर रखने के स्पीड कैमरे और एनपीआर (नम्बर प्लेट रीडर) की व्यवस्था भी होती है। एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों की तत्काल जानकारी संबंधित जिले के एआरटीओ के पास चली जाती है।

## संपादकीय

# परमाणु के खिलाफ युद्ध

**इजरायल**-ईरान युद्ध की परिणति क्या होगी? क्या यह महायुद्ध या विश्व युद्ध में तबदील होगा? कौन गलत है और कौन सही है? इन सवालों के जवाब फिलहाल नहीं दिए जा सकते। इजरायल के सामने अस्तित्व का संकट है। ईरान 1950 से परमाणु कार्यक्रम में जुटा है। कभी अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम में शामिल था। अमरीका समेत सभी प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु करार थे, लेकिन तमाम करार रद्द करने पड़े, क्योंकि ईरान चोरी-छिपे यूरेनियम से बिजली नहीं, परमाणु बम बना रहा था। यह मिथ्या आरोप नहीं है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान अभी नहीं माना, तो आगे बुरा होगा। उसे बर्बाद कर दिया जाएगा। ईरान अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को चेतावनी दे रहा है। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया बैठक में 19 देशों ने ईरान की परमाणु नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। मई, 2025 में आईएईए की एक रपट में खुलासा किया गया है कि पांच माह में ईरान 22 परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर लेगा। उसने करीब 60 फीसदी यूरेनियम संवर्धन का काम कर लिया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम संबंधी अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का हनन कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत कई विश्व नेताओं की जानकारी है कि ईरान 9-10 परमाणु बम बना चुका है। ईरानी बम न केवल इजरायल के लिए भयानक खतरा है, बल्कि अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी सरीखे देशों के जहाज फारस की खाड़ी और लाल सागर में नष्ट कर सकता है। ईरानी परमाणु बम बनाए जाने से मध्य-पूर्व और पश्चिम एशिया के हालात भी अस्थिर, अशांत हो सकते हैं, लिहाजा इजरायल ने ईरान पर जो विध्वंसक हमले किए हैं, वे ईरान के परमाणु ठिकानों और कार्यक्रमों को 'मिट्टी' बनाने के मद्देनजर किए हैं। इजरायल ने करीब 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के विभिन्न इलाकों में हमले किए। ईरान के सेना प्रमुख, रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के चीफ समेत 20 प्रमुख सैन्य जनरलों और 9 वरिष्ठ वैज्ञानिकों को मार दिया गया। उनमें 3 ऐसे परमाणु वैज्ञानिक थे, जो ईरान का परमाणु कार्यक्रम संचालित करने में विशेष योगदान दे रहे थे। ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों, मिसाइल लॉन्चर, नेचुरल गैस रिफाइनरी आदि को तबाह कर दिया गया। इजरायल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' को एक बार फिर शाबाश देनी पड़ेगी कि उसने यह ऑपरेशन करीब एक साल पहले तय किया था और करीब 2000 किमी. बसे देश ईरान के भीतर ही अपने बेस बना लिए थे। वहीं से ड्रोन हमले कर ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों के परखच्चे उड़ा दिए थे। मोसाद के करीब 1000 एजेंट्स ईरान में ही सक्रिय हैं। यही कारण है कि इजरायल के हमले सटीक निशाने पर लगे। बहरहाल ईरान ने भी 150 मिसाइलों की बारिश कर जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के पास ऐसी मिसाइलों का भंडार है, जो 2000 किमी. की दूरी पर मार करने में सक्षम हैं, लेकिन इजरायल के सुरक्षा-कवच भी अभेद्य हैं। अब हमले दोतरफा हो गए हैं। हमलों में अभी तक 141 लोग मारे जा चुके हैं। इजरायल में तो मात्र 3-4 मौतें ही हुई हैं, शेष मौतें ईरान के हिस्से की हैं। इमारतें जमींदोज हो रही हैं। ईरान ने 'आपातकाल' घोषित कर दिया है, तो इजरायल में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। अमरीका ने अपने सैनिकों के परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। भारतीय दूतावास ने भी 'परामर्श' जारी किए हैं, लेकिन एक ही हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम छिन्न-भिन्न हो जाएगा अथवा तबाह हो चुका है, यह संभव नहीं है। ईरान यूरेनियम खदानों और भंडारण का देश है। पहाड़ों के नीचे परमाणु प्रयोग किए जा रहे हैं।

> ईरान 1950 से परमाणु कार्यक्रम में जुटा है। कभी अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम में शामिल था। अमरीका समेत सभी प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु करार थे, लेकिन तमाम करार रद्द करने पड़े, क्योंकि ईरान चोरी-छिपे यूरेनियम से बिजली नहीं, परमाणु बम बना रहा था। यह मिथ्या आरोप नहीं है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान अभी नहीं माना, तो आगे बुरा होगा। उसे बर्बाद कर दिया जाएगा। ईरान अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को चेतावनी दे रहा है। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया बैठक में 19 देशों ने ईरान की परमाणु नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। मई, 2025 में आईएईए की एक रपट में खुलासा किया गया है कि पांच माह में ईरान 22 परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर लेगा। उसने करीब 60 फीसदी यूरेनियम संवर्धन का काम कर लिया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम संबंधी अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का हनन कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत कई विश्व नेताओं की जानकारी है कि ईरान 9-10 परमाणु बम बना चुका है।

### अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया

# भारत-अमरीका अंतरिम व्यापार समझौते की संभावनाएं

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है। कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढ़ने की अनुमति देगा।

**यकीनन** इस समय भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है। कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढने की अनुमति देगा। इसी तरह अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया है। इस फैसले से अमरीका अन्य देशों के खिलाफ खुद को बचाने के लिए शुल्क का उपयोग कर सकता है। अतएव ऐसे परिदृश्य में भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से ट्रंप के व्यापार यूटर्न पर रोक लग सकेगी। गौरतलब है कि हाल ही में अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि भारत और अमरीका के बीच आंतरिक व्यापार समझौता इसी जून महीने में पूरा होते हुए दिखाई दे सकेगा। इस तरह के समझौते को पूर्ण होने में दो या तीन साल लग जाते थे। विगत 29 मई को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मैनहैटन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत के द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क सहित अन्य विभिन्न शुल्कों को अवैध ठहराए जाने के बीच अमरीका के साथ भारत की व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ती रहेगी। वस्तुतः इस समय भारत-अमरीका कारोबार के बढने के बारे में तीन बातें रेखांकित हो रही हैं। एक, भारत और अमरीका के बीच 25 जून, 2025 तक एक अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा हो सकती है। दो, भारत सरकार अपनी सरकारी खरीद बाजार का एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जा रही है तथा इसमें अमरीका की कंपनियां भी शामिल होंगी। भारत सरकार के खरीद अनुबंधों का केवल एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोला जाएगा। यह हिस्सा मुख्य रूप से केवल केंद्र सरकार की परियोजनाओं से जुड़ा होगा। तीन, अमरीकी कंपनियों के लिए भारत लाभ का बाजार बना हुआ है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के द्वारा आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक को अमरीका में बिकने वाले आईफोन भारत में बनाए जाने पर अमरीका में 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने की कड़ी चेतावनी के बाद भी एप्पल ने भारत में आईफोन विस्तार जारी रखने का

संकेत दिया है। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वाशिंगटन में अमरीकी वाणिज्य मंत्री हार्वर्ड लटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि पारस्परिक लाभ (रेसिप्रोकल) सुनिश्चित करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था को आकार दिए जाने की संभावना हैं। अमरीका ने विगत 2 अप्रैल को भारतीय सामान पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 9 जुलाई तक यानी कुल 90 दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया था। ऐसे में 8 जुलाई के पहले अमरीका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापारिक समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। इस संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमरीका के बाजार में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमरीका की कई वस्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है। अमरीका भारत के बाजार में कृषि उत्पादों का निर्यात करना चाहता है, लेकिन भारत सिर्फ गैर जेनिटिकली मोडिफायड (जीएम) कृषि उत्पादों को ही अपने बाजार में आने की अनुमति देगा। डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को भी शुल्क समझौते में शामिल करने की उम्मीद नहीं है। भारत अमरीका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमरीका में होने वाला निर्यात बढ़े, जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग व रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमरीका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ, वाइन, एथनाल, कई औद्योगिक आइटम व कुछ खाद्य आइटम के शुल्क में छूट चाहता है। इसके साथ अमरीका भारत के गुणवत्ता नियंत्रण नियम में भी छूट चाहता है। पिछले दिनों अमरीका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी वाशिंगटन में एक बैठक में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने है, जिसके साथ अमरीका का द्विपक्षीय-कारोबार समझौता (बीटीए) प्रारंभिक आकार लेने के करीब है। भारत-अमरीका के बीच बीटीए को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है। गौरतलब है कि विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दिए। दोनों देशों ने अमरीका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमरीकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत और अमरीका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही भारत और अमरीका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से ट्रंप के द्विपक्षीय व्यापार संबंधी कुछ अपरिपक्व बयानों के बाद भी अब इसी जून माह में अमरीका के साथ शीघ्र ही भारत के अंतरिम व्यापार समझौते और फिर दिसंबर 2025 तक बीटीए से भारत अमरीका कारोबार तेजी से बढ़ते हुए दिखाई देगा। हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार के नए आंकडों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। साथ ही दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह महत्त्वपूर्ण है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढक़र 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमरीका से आयात 7.44 प्रतिशत बढक़र 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमरीका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर था। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले दिनों ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का एफटीए अब अमरीका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ-साथ ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एक मिसाल के रूप काम कर रहा है। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा अमरीका के साथ इसी जून माह में संभावित मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।

## आप का नजरिया

# सिर्फ कहने से स्मार्ट सिटी नहीं

**स्मार्ट** सिटी परियोजना के आईने अब धर्मशाला और शिमला के शहरी विकास को आंखें दिखा रहे हैं। विभागीय कसरतों, सियासी ख्वाहिशों और विकास के मजमून में स्मार्ट सिटी परियोजनाएं केवल अधोसंरचना निर्माण तथा संसाधनों के आबंटन का मुलम्मा बन कर रह गईं। अब परियोजना समय के घाव लिए किसी तरह निर्माण के ढेर पर वक्त हासिल कर रही है। धर्मशाला के परिप्रेक्ष्य में योजनाओं की गुल्लक में फंसा अधूरा कार्य पुनः दरख्वास्त करने जा रहा है कि समय की छूट के अगले छह महीने मिल जाएं। स्मार्ट सिटी परियोजना की विडंबना केंद्र और राज्य के बीच त्रासदी की तरह राष्ट्रीय संसाधनों का मजाक बन चुकी है, क्योंकि इसकी परख सिर्फ रेत-सीमेंट और सरिया से होने लगी। मूल उद्देश्यों की निगरानी के बजाय यहां सिर्फ पैसा देखा गया और इसे विभिन्न विभागों की छतों पर चढ़ा दिया गया। शिमला की सडक़ों को चौड़ा करते-करते स्मार्ट सिटी अब कंक्रीट की दीवार सरीखी हो गई। धर्मशाला और शिमला सिटी परियोजना की पाकेट में एचआरटीसी को बैठा कर इलेक्ट्रिक बसें, टेम्पो ट्रेवलस, इनोवा के अलावा चार्जिंग स्टेशन बना दिए, तो इस व्यवस्था से शहर की कमाई को क्या मिला। आश्चर्य यह कि धर्मशाला के बस स्टाप में लगा धन शहरीकरण से बेमेल हो गया या अतिक्रमणकारी टैक्सी स्टैंड इनके ऊपर उभर आए। क्या इस पैसे से टैक्सी, वोल्वो या पर्यटक बस स्टैंड नहीं बनाए जा सकते थे। दोनों ही स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत स्मार्ट स्कूलों तथा सरकारी भवनों की छतों पर सोलर पैनल चढ़ा दिए गए, लेकिन किसी ने पीछे मुडक़र यह नहीं देखा कि कोई बल्ब जला या बिजली आपूर्ति में कितनी बचत हुई। अब विवेचन यह होना चाहिए कि ये दोनों शहर कहां स्मार्ट और कहां आत्मनिर्भर हुए। क्या योजनाओं के लक्ष्यों में जनता को कोई आश्वासन मिला या अब यह एहसास होने लगा कि कहीं तो बेहतर हुआ। शिमला को बतौर राजधानी यह परियोजना किस पांत में ले गई, अलबत्ता हुआ यह कि कुछ विभागीय कार्यों की फेहरिस्त स्मार्ट शहरों के बजट को चूस कर निकल गई। आज भी धर्मशाला की डंपिंग साइट में कूड़े का ढेर नागरिक नाक को बदबू ही दे रहा है। आज भी शहर का ट्रांसपोर्ट सिस्टम पुराने ढर्रे पर चल रहा है। पर्यटक सीजन में शिमला और धर्मशाला के ट्रैफिक जाम नसीहत दे रहे हैं, तो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की वकालत में अगर अगले पचास साल का खाका बन जाता, तो भी गनीमत होती। अगर सोचा होता कि इसके तहत शहरी व्यवस्था को स्वाभिमान, अनुशासन, पारदर्शी जवाबदेही और शहरी संस्कृति के स्तर को ग्लोबल पहचान में विकसित करना है, तो आज सारे मानदंड व कसौटियां बदल गई होतीं। उदाहरण के लिए अगर धर्मशाला के बस स्टैंड में स्मार्ट सिटी परियोजना मेहनत करती तो न केवल पर्यटन और मनोरंजन सुविधाओं में इजाफा होता, बल्कि निरंतर आय के स्रोत से भविष्य का बजट भी निर्धारित होता। इसी तरह शिमला व धर्मशाला में योजनाबद्ध तरीके से आधुनिक बाजार व बैंक स्केवर विकसित करते तो उपभोक्ताओं को सुविधा मिलने के साथ-साथ आय का एक बड़ा स्रोत शहर को मिलता। स्मार्ट परियोजनाओं से प्रकृति के रिश्ते और जंगल से भविष्य की कितनी तलाश हुई, यह भी देखना होगा। धर्मशाला की डल झील के अलावा जल प्रपात तथा खड्डों-नालों के तटीकरण के साथ वाटर स्पोट्र्स व मनोरंजन पार्क विकसित किए जाते, तो यह अगली सदियों के विश्राम स्थल व कमाई के स्रोत साबित होते। विडंबना यह है कि स्मार्ट सिटी परियोजना को सियासी चश्मे से देखा गया और जिसके पीछे विभागीय असमर्थता, नालायकी व दूरदृष्टि के अभाव को छुपाने की कोशिश ही हुई। यह शहरीकरण की दिशा में उपलब्धि हो सकती थी, लेकिन अब समय समाप्ति की ओर अग्रसर यह प्रोजेक्ट हाथ मलते देखा जा सकता है। सरकार दोनो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का ऑडिट व सर्वेक्षण करवा कर पता तो लगाए कि शहरीकरण की अंततः कौन सी प्राथमिकताएं हैं और शहरी निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या-क्या करना होगा।

## देश दुनिया से

# मौन की भाषा से रची कालजयी कृतियां

**शब्द** सुंदर लगते हैं, जीवन को गति देते हैं, ध्वनि देते हैं। दो लोगों के बीच शब्द ही एक ऐसी दूरी है जो उनके बीच पुल का काम करती है। क्या होता है जब दो लोग एक-दूसरे की भाषा से परिचित नहीं होते। ऐसे में मौन उनकी भाषा बनता है। मौन अत्यंत सशक्त भाषा है। जो मौन की शक्ति और भाषा को पहचान जाता है, वह स्वयं को मानवीयता के श्रेष्ठ शिखर पर स्थापित कर लेता है। अनेक ऋषि-मुनि मौन व्रत रखते हैं। कई मौनी बाबा भी होते हैं जो मौन रहकर अपनी शक्ति से आम लोगों को परिचित कराते हैं। योग न केवल शरीर को निरोग रखता है, अपितु योग की अनेक प्रवृत्तियां व्यक्ति को सुख, शांति प्रदान करती हैं और उनकी छठी इंद्रिय को जाग्रत करती हैं। नाद योग के अंतर्गत ध्वनि को अत्यंत शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा जाता है। नाद योग में ध्वनि और कंपन के माध्यम से तन-मन, शरीर और आत्मा संतुलित होते हैं। विभिन्न ध्वनियां जिसमें मौन भी शामिल है, शरीर के ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्या आपने कभी मौन की भाषा को समझने का प्रयास किया है। कई बार जब दो लोग बातें करते-करते अनायास चुप हो जाते हैं, उनके बीच एक लंबी खामोशी पसर जाती है, एक विराम आ जाता है तो उस समय उस रिक्त स्थान पर मौन की उपस्थिति हो जाती है। यह अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। विश्व के सुप्रसिद्ध संगीतकार वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट कहते हैं कि, 'किसी बात के मध्य का मौन उस बात के जितना ही महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने इस उद्धरण को स्वयं के साथ महसूस किया था। उनके दांपत्य जीवन को जोड़ने में मौन की भूमिका बेहद सशक्त रही। इसलिए वे मौन की शक्ति से परिचित थे। संगीतकार होने के कारण भी वह और उनकी प्रेमिका मौन के महत्व को जानते थे।

मोजार्ट बचपन से ही प्रतिभा के धनी थे। मात्र तीन साल की उम्र में ही उन्हें संगीत की समझ हो गई थी। पांच साल की उम्र में उन्होंने संगीत की रचना करनी आरंभ कर दी थी। आठ साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली सिम्फनी लिखी थी। वर्ष 1781 की एक सर्द शाम में उनकी नज़र एक युवती कॉन्सटैंज़ वेबर पर पड़ी। वह 19 वर्ष की गायिका थी। उसके घर में संगीत का वातावरण था। वह छोटी उम्र से ही संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। कॉन्सटैंज़ को देखते ही मोजार्ट अपनी सुध-बुध खो बैठे। जब वह उनके सामने आई तो उनके मुख से शब्द ही नहीं निकले। एक मौन उन दोनों के बीच व्याप्त था। उस मौन की भाषा ने केवल उन्हें ही नहीं समझाया, अपितु उनके दिलों पर भी कब्जा कर लिया। जो बातें शब्द न कह पाए, वह मौन ने मुखर होकर कह दिया कि दोनों को एक-दूसरे से प्रेम हो गया है। प्रेम की स्वीकृति मिलने पर दोनों के मन में शोर मचने लगा। निःशब्द शोर। ऐसा शोर जो चुप रहकर अपना काम करता है और बहुत तेजी से करता है। कई बार दोनों घंटों साथ रहते, उनके बीच शब्दों का आदान-प्रदान कम होता और मौन की भाषा उनके दिलों को आपस में जोड़ती जाती। आखिर मौन की शक्ति ने काम किया और दोनों विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। दोनों का दांपत्य जीवन बेहद सुखद रहा। हालांकि, मोजार्ट की असमय मृत्यु से उनका दाम्पत्य जीवन लंबा नहीं रहा। मगर विवाह के बाद मोजार्ट ने अपने ओपेरा, 'द एबडक्शन फ्रॉम द सेराग्लियो' और 'द मैरिज ऑफ फिगारो' से पूरी दुनिया में धूम मचा दी। मौन के साथ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता कायम रहती है। जिन संबंधों में लोग मौन के साथ शब्दों का प्रयोग करते हैं, उनके संबंध अधिक सशक्त रहते हैं। जो व्यक्ति अपनी प्रभावशाली बातों से सबको मोहित कर लेता है, वह सब लोगों को अपने मोहपाश में जकड़ लेता है। वहीं कई बार ऐसे व्यक्ति जो बोलने के बजाय मौन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, वे प्रभावशाली बोलने वालों से अधिक योग्य और प्रतिभाशाली साबित होते हैं। मौन में ज्ञान निहित होता है। कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं। यह सदैव याद रखें कि सशरीर कोई व्यक्ति अमर नहीं होता। उनके शब्द, प्रतिभा और व्यक्तित्व मृत्यु के साथ मिट जाते हैं। अमिट रह जाती हैं तो वे कलाकृतियां, धुनें और रचनाएं जो मौन के साथ जन्म लेती हैं और सदा के लिए अमर हो जाती हैं। इसलिए यदि आपने अपने जीवन में अभी तक मौन का अभ्यास नहीं किया है, इसको नहीं समझा है तो समझिए क्योंकि यही मौन आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएगा। आपके जीवन को सफल बनाएगा। आपके मौन की गूंज से जन्म लेने वाली स्थितियां और परिस्थितियां आगे चलकर अमर हो जाएंगी।

## कुछ अलग

# शाम को ही मिलेंगे साहब

**अब** वह साहब हैं, तो मानना पड़ेगा कि साहब जैसा ही व्यवहार करेंगे। जनता उनसे मिलने सुबह-सुबह पहुंच जाए, तो साहब क्या करें। यहां साहब की मर्जी, सुबह मिलें या शाम को, व्रत के दिन मिलें या डिनर के साथ। यह साहब जरा अलग तरह के थे। लोगों से चाहे सुबह मिलें, लेकिन तब सलाह देते हैं कि शाम को मिलें। वैसे दफ्तर सुबह मिलने के काबिल होते भी कहां। सुबह तो लोग कंपनी गार्डन या सब्जी मंडी में मिलते हैं। अब तो मिलना भी व्याकरण का सवाल हो गया। जितने ऊंचे रहने के टावर, उतनी ही ऊंची मुलाकात। हैरानी यह कि लिफ्ट में लोग एक साथ चढ़ या उतर कर भी नहीं मिलते। सोशल मीडिया पर दोस्तों की संख्या के रिकार्ड, लेकिन दोस्ती की कोई मुलाकात नहीं। सडक़ पर घूमते फेसबुकिया फ्रेंड अब मुलाकात नहीं करते। मिलने और मुलाकात में भी अंतर आ गया। रोज कारपोरेट जगत में हजारों कर्मचारी मिलते जरूर, लेकिन मुलाकात नहीं करते। अब तो विवाह-शादियों में भी लोग मिलते, लेकिन मुलाकात नहीं करते। अब लोगबाग मिलने व मुलाकात के अंतर को समझने के लिए देश की विदेश नीति तक पहुंच गए हैं। पहले विदेश मंत्रालय अपने दूतावासों के जरिए मुलाकात करता था, इसलिए भारत से मिलकर दुनिया चलना चाहती थी। अब दुनिया चल-चल कर इतनी मिल ली कि मुलाकात का समय कम पड़ गया। कल एक कवि मिल गया, लेकिन उसने अपनी कविता से ऐसी मुलाकात करा दी कि साहित्य की उपयोगिता से मिलने तक का शक हो रहा है। उनका मानना था कि मिल-मिल के मोहब्बत होती है, जबकि मुलाकात तो दुश्मनों से भी हो सकती है। कवि के विचारों ने देश की कूटनीति को प्रभावित कर दिया। सोच यह रहा कि 'मिलें या मुलाकात करें।' मिलने के रिकार्ड हैं। कोई बड़ा नेता एक ही रैली या रोड शो में हजारों से मिल लेता है, लेकिन मुलाकात तो वह चुनावी घोषणापत्र से भी नहीं कर पाता। मिलने और मुलाकात में नक्षत्रों का भी फर्क होता है। अच्छे हों तो ट्रंप हमारे पड़ोसी पाकिस्तान से बिना मिले एतबार कर लेता और अब तो मिलने के बावजूद, मुलाकातें बुरी होने लगी हैं। जनता को दूर से सभी नेता, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री अच्छे लगे, लेकिन मुलाकात तो किसी पटवारी से भी महंगी पड़ती है। अब साहब ने कहा है कि शाम को मिलो, तो यकीनन यह मुलाकात नहीं होगी। वैसे कौनसा नागरिक आज तक सरकारी दफ्तर के साहबों से मिल पाया। नागरिक को कानूनन मिलता है इतना दस्तावेजी काम। सरकार की योजना से मिलने वाले लाभ का नाम ही नागरिक को काम देना है। कभी संभव हो तो अपना ही जीवित प्रमाणपत्र बनवा लेना। आप जिंदा हैं, इसे साबित करना मुश्किल है या आपके मां-बाप मर चुके हैं, इसे प्रमाणित करना अधिक कठिन है, यह मिलने और मुलाकात के बीच का अंतर है।

## दृष्टि कोण

# संयुक्त परिवारों का टूटना भाईचारे के लिए घातक

**बीती** शताब्दी के पांचवें-छठे दशक से पहले तक लोग संयुक्त परिवारों में रहना पसंद करते थे। परिवार में दो-तीन या इससे अधिक सगे भाई परिवार सहित एक ही छत के नीचे इकठ्ठे रहते थे। मुखिया का आदेश सब के लिए सर्वोपरि था। सुख-दुख सबका साझा होता था। परिजनों का एक दूसरे के प्रति बहुत मान-सम्मान था। उस समय समाज में भी अटूट भाईचारा था। लोग परस्पर एक-दूसरे का सहयोग करते थे। इससे उनका अपना काम भी हो जाता था तथा दूसरे को भी सहयोग हो जाता था। उस समय यह कहावत प्रचलित थी कि 'टब्बर नी देखना कमान्दा तां कल्हा नी देखना खांदा।' अर्थात बड़ा परिवार एकजुट होकर किसी काम को हाथ डालता, तब मुश्किल काम भी आसान हो जाता। अकेला आदमी थोड़ी देर काम करेगा तथा फिर खाना बनाने में काफी समय व्यतीत हो जाता। कई बार बड़े परिवार के सदस्य जब काम में बहुत व्यस्त होते या खेती की बुआई का समय होता। घर के एक-दो सदस्य खाना बनाते तथा खेतों में ही भेज देते। ज्यादा लोगों के लिए बना खाना वैसे भी स्वदिष्ट तथा पौष्टिक होता। कड़ी मेहनत करने के बाद खाया गया खाना भी बहुत अच्छा लगता। उसमें तेल व मसालों की मात्रा कम रहती है। ऐसा खाना सुपाच्य व स्वास्थ्यवद्र्धक होता था। अकेला आदमी यदि खाना बनाते हुए कम तेल व मसाले आदि डालेगा, तब भी एक या दो लोगों के लिए ज्यादा होंगे। पहले बड़े परिवार के मुखिया को भग्यवान माना जाता था। उसके साथ दो-तीन पीढियों के परिजन इक_े रहते थे। इसलिए परिवार के सदस्यों की संख्या के अनुसार काम भी ज्यादा होता था। बड़े परिवार में पुरुषों व महिलाओं की संख्या में ज्यादा अंतर नहीं होता था। गांव में जब किसी अन्य परिवार के घर कोई कारज होता, उस समय हर परिवार में से एक

पुरुष व एक महिला वहां काम करवाने जाते। अन्य लोग अपने घर का काम निपटाते थे। मुख्य व्यवसाय खेती-बाड़ी एवं पशु-पालन था। गांव में दूध-घी की कमी नहीं थी। मक्की, गंदम व धान के साथ ही दलहन और तिलहन की फसलों की काफी उपज हो जाती थी। ग्रामीण वर्ष भर कड़ी मेहनत व लग्न से खेती एवं पशुपालन का काम करते थे। काम के साथ आराम के लिए भी समय निर्धारित था। परिवार के हर आयु वर्ग के सदस्य की दैनिक कार्यक्रम की एक निर्धारित समय सारिणी होती थी। महिलाओं के जिम्मे भोजन, साफ सफाई, पशु-पालन व खेती का छिटपुट कार्य था। पुरुष वर्ग के कंधों पर खेती-बाड़ी के अलावा वितीय प्रबंधन, परिजनों के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करना व ग्रामीणों के साथ भाईचारा बनाए रखना आदि कार्य होता था। बुजुर्ग महिलाएं रोजाना चरखा चलती थी। बुनकर उसे खड्डी पर बुनते थे। करीब एक शताब्दी पहले तो पहनने के लिए पूरे परिवार के पास सूती कपड़े होते थे। जिन्हें चरखे पर काता जाता था। उस कपड़े का रंग सफेद ही होता था। महिलाएं उनको अपनी मनपसंद का रंग देती थी। रंग जल्दी-जल्दी ही फीका न पड़े इसलिए उसे बरतन में खूब काढ़ा जाता था। ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादातर कपड़ों की हाथ से ही सिलाई की जाती थी। दर्जी दूर शहर में ही होते थे। सिलाई भी बहुत महंगी होती थी। इसलिए महिलाएं सूई-धागे से ही सादे कपड़ों की सिलाई करती थी। परिवार के पुरुषों के पास सफेद रंग का कुर्ता व जंगिया होता था। पुरुष पाजामा तो किसी विशेष अवसर पर ही पहनते थे। सिर पर टोपी जरूर होती थी। युवक भी नंगे सिर नहीं रहते थे। कंधे पर सूती पटका भी जरूर होता था। बुजुर्ग पुरुष घर का हल्का-फुलका काम करते थे तथा 'बाण' बाटते थे। बाण, बिहुला पेड़ व शन पौधों के रेशे का बनता था। लंबे मोटे रस्से, पशुओं को बांधने वाले रस्सों के अलावा चारपाई को बुनने वाली पतली रस्सियां सब हाथ से बाटी जाती थी। किसी भी कार्य को अंजाम देने के लिए सारा परिवार एक मत होता था। मुखिया की बात कोई नहीं टालता था। प्रतिदिन सवेरे चार-पांच बजे से ही परिजनों की दिनचर्य शुरू हो जाती थी। ज्यादा आयु-वर्ग की महिलाएं रसोई में चौका देकर चूल्हे में आग जलाती तथा दहीं बिलोरने के काम में लग जाती। जबकि दूसरी महिला दाल-सब्जी बनाने में व्यस्त हो जाती थी।

# जी7: मैक्रों ने इटली की पीएम के कान में कहा कुछ ऐसा, सुनकर मेलोनी ने दिया रिएक्शन

**अल्बर्टा (कनाडा) , 17 जून (एजेंसियां) ।** इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की बात सुनने के बाद आंखें घुमाती नजर आ रही हैं।

यह घटना जी7 सम्मेलन के दौरान हुई, जब मेलोनी और मैक्रों राउंडटेबल निजी बातचीत कर रहे थे।कनाडा के अलबर्टा में शुरू हुए 51वें जी7 शिखर सम्मेलन में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता एकत्र हुए हैं, ताकि

व्यापार, सुरक्षा और तकनीक जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की जा सके। इस बैठक में मेलोनी और मैक्रों एक–दूसरे के बगल में बैठे थे, जबकि दोनों नेताओं के बीच पहले से ही कूटनीतिक तनातनी रही है।

बैठक के दौरान जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोल रहे थे, तब मैक्रों मेलोनी की ओर झुककर कुछ फुसफुसाए और अपना मुंह ढका। मेलोनी ने उन्हें जवाब में अंगूठा दिखाकर हामी भरी। कुछ ही देर बाद जब मैक्रों फिर से कुछ कहने के लिए झुके, तो इस बार मेलोनी ने अपना चेहरा ढकते हुए उनकी बात सुनी और इसके बाद उन्होंने आंखें घुमाईं, जिससे उनकी नाराजगी साफ दिखी।

यह स्पष्ट नहीं है कि मैक्रों ने उनसे क्या कहा था और दोनों नेताओं ने इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है। लेकिन यह लम्हा कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक यूजर ने लिखा, जी7 सम्मेलन की शानदार शुरुआत, मेलोनी कमाल की हैं, वो वैश्विक नेताओं के लिए अपनी नाराजगी नहीं छिपा नहीं रही हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### अमेरिकी जज ने ट्रंप को दिया झटका कहा-एनआईएच का अनुदान रद्द करना अवैध

**वाशिंगटन।** संयुक्त राज्य अमेरिका के एक संघीय जज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका दिया है। जज ने फैसले में कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) का अनुदान रद्द करने वाला ट्रंप का निर्देश अमान्य और अवैध है। रद्द किए गए कुछ अनुदानों में एलजीबीटीक्यू आदि के शोध अनुदान भी शामिल थे। एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, यह फैसला मैसाचुसेट्स के संघीय जज विलियम यंग ने सोमवार को सुनाया। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज यंग ने कहा कि यह संघीय कानून का उल्लंघन है। ऐसा निर्देश नस्लीय भेदभाव है। अनुदान रद्द करने के बाद एक अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ और 16 राज्यों के समूह ने मुकदमा दायर किया गया था। मुकदमे कहा गया था कि अनुसंधान निधि में 1.8 बिलियन डालर तक की कटौती की गई है। जज ने फैसले में अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया। स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के संचार निदेशक एंड्रयू निक्सन ने फैसले पर कहा कि एजेंसी शोध के लिए वित्त पोषण समाप्त करने के अपने निर्णय पर कायम है। निक्सन ने कहा कि वह अपील दायर करने और आदेश पर रोक लगाने के लिए आगे बढ़ने सहित सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वादीगणों में हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रिटनी चार्लटन भी शामिल हैं। चार्लटन ने एक बयान में अदालत के फैसले पर खुशी जताई। अदालत ने सरकार के कार्यों की निंदा की और अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया।

### ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन बोले - युद्ध नहीं बढ़ाना चाहते, लेकिन हमले का जवाब देंगे

**तेहरान/अंकारा।** ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनका देश इजराइल के साथ युद्ध को और व्यापक नहीं बनाना चाहता, लेकिन अगर हमला हुआ तो उसका उचित और आनुपातिक जवाब दिया जाएगा। यह बयान उन्होंने तुर्किए के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान दिया, जिसकी जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए और तुर्की की अनादोलु एजेंसी ने दी। पेजेश्कियन ने कहा, ईरान ने यह युद्ध शुरू नहीं किया। इजराइली आक्रमण में हमारे वैज्ञानिकों, सैन्य अधिकारियों और आम नागरिकों की जान गई है। लेकिन हमले के स्तर के मुताबिक हम जरूर जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में ईरान की भागीदारी पूरी तरह से इस बात पर निर्भर है कि जायनिस्ट शासन (इजराइल) अपने क्षेत्रीय हमलों को रोकता है या नहीं। इस बीच. तुर्किए के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगन ने कहा कि उनका देश संघर्ष को कम करने में सुविधाजनक भूमिका निभाने को तैयार है, और ईरान–अमेरिका परमाणु वार्ता की वापसी का समर्थन करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में स्थिरता तुर्किए के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

### चीन को हो रही क्रॉस-बॉर्डर मैरिज से भारी परेशानी, जारी कर चुका है एडवाइजरी

**ढाका।** क्या आप सोच सकते हैं कि किसी देश को क्रॉस बॉर्डर शादी करने से भी परेशानी हो सकती है, जी हां

चीन इससे खासा दुखी है। दरअसल कुछ चीनी पुरुषों ने बांग्लादेश में शॉर्ट वीडियो और ऑनलाइन डेटिंग के ज़रिए क्रॉस–बॉर्डर मैरिज की कोशिशों ने हालात बिगाड़े हैं। इसके चलते बांग्लादेश में काम करने वाले चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि शॉर्ट वीडियो देखकर बहकना नहीं, विदेशी शादी के लालच में कानून मत तोड़ो। कुछ चीनी नागरिक बांग्लादेश से दुल्हन खरीदने या अवैध शादियों के लिए दलालों का सहारा ले रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश में मौजूद चीनी दूतावास ने पिछले दिनों एक नोटिस जारी करते हुए चीनी नागरिकों को 'विदेशी दुल्हन खरीदने' से दूर रहने और बांग्लादेश में शादी करने से पहले गंभीरता से विचार करने की सलाह दी है। दूतावास का कहना था, कि चीनी कानून के मुताबिक किसी भी व्यक्ति या संस्था को विदेशी विवाह के लिए दलाली या बिचौलिए की भूमिका निभाने की इजाजत नहीं दी गई है।

# यूक्रेन की राजधानी पर पुतिन का भयंकर हमला, ड्रोन और मिसाइलों से दहला कीव

**कीव, 17 जून (एजेंसियां) ।** कीव इंडिपेंडेंट के अनुसार, यह हमला लगभग नौ घंटे तक चला और इसमें ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस (ऊडछड) ने कहा कि कई आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा है और कई इलाकों में आग लग गई है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि हमले में कम से कम 114 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 68 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रूस ने यूक्रेन पर रात को उस समय मिसाइल और ड्रोन से हमले किए जब ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी और 116 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, 17 जून की रात को कीव में हुए हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। कीव इंडिपेंडेंट के अनुसार, यह हमला लगभग नौ घंटे तक चला और इसमें ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस (ऊडछड) ने कहा कि कई आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा है और कई इलाकों में आग लग गई है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि हमले में कम से कम 114 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 68 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

व्यापक रूप से प्रसारित इस फुटेज में एक ड्रोन को डार्नित्स्की जिले में एक आवासीय इमारत में उड़ते हुए दिखाया गया है। एक स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, इमारत को 11वीं से 18वीं मंजिल तक नुकसान पहुंचा है और कम से कम एक निवासी घायल हो गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के भी इस सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि हमले में छर्रा लगने से घायल हुए एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गयी है। मंगलवार को रातभर विस्फोट की आवाजें सुनी गयी। क्लिमेंको ने बताया कि हमले में एक रिहायशी इमारत में बने 30 अपार्टमेंट नष्ट हो गए। शहर के स्वियातोशिन्स्की और सोलोमिंस्की प्रांत में भी लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि यूक्रेनी हवाई रक्षा प्रणाली के ध्वस्त हो जाने से गिरे मलबे के कारण शहर के दो अन्य प्रांतों में आग लग गयी है। जी–7 के मेजबान देश कनाडा ने जेलेंस्की को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है जहां उनके विश्व नेताओं के साथ अलग–अलग मुलाकात करने की संभावना है। जेलेंस्की को मंगलवार को कनाडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करनी थी लेकिन व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि ट्रंप पश्चिम एशिया में तनाव के कारण मंगलवार रात के बजाय सोमवार रात को वाशिंगटन लौट रहे हैं। रूस ने हाल के सप्ताहों में रिकॉर्ड संख्या में ड्रोन और मिसाइल छोड़ी हैं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा एजेंसी द्वारा रूसी क्षेत्र में हवाई अड्डों पर युद्धक विमानों को निशाना बनाने का अभियान शुरू किए जाने के बाद मॉस्को ने हमले तेज कर दिए हैं।

# ट्रंप के बाद अब चीन का आया संदेश, अपने लोगों से कहा- तत्काल इजरायल छोड़ दें

**बीजिंग, 17 जून (एजेंसियां) ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेहरान को खाली करने की चेतावनी के बाद अब चीन ने भी अपने नागरिकों को इजरायल तुरंत छोड़ने की सलाह दी है। इन बयानों ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है और यह संकेत दे रहे हैं कि यह युद्ध और भयावह रूप ले सकता है। इस युद्ध के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर एक चौंकाने वाला बयान जारी किया। उन्होंने लिखा, 'ईरान को मेरी की तरफ से दी गई डील साइन कर लेनी चाहिए थी। यह बहुत शर्मनाक है और मानव जीवन की बर्बादी है। साफ शब्दों में, ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। मैंने बार–बार कहा!

सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए! ट्रंप ने यह भी कहा कि वह जी7 समिट को बीच में छोड़कर वाशिंगटन लौट रहे हैं और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक बुलाई है। उनके इस बयान ने तेहरान में दहशत फैला दी, जहां लोग पहले से ही इजरायली हमलों के कारण पलायन कर रहे हैं। तेहरान की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आई हैं कि शहर से निकलने वाली सड़कों पर लंबा जाम दिख रहा है। वहां पेट्रोल की किल्लत और बैंक के एटीएम खाली पड़ने की भी खबरें हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद अब चीनी दूतावास ने इजरायल में रहने वाले अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी। चीनी दूतावास ने वीचैट पर जारी एक बयान में कहा, 'इजरायल–ईरान युद्ध लगातार बढ़ रहा है। नागरिक सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो रही हैं, हताहतों की संख्या बढ़ रही है और सुरक्षा स्थिति गंभीर होती जा रही है।' दूतावास ने अपने नागरिकों से जॉर्डन से सटी लैंड बॉर्डर रूट अपनाने की सलाह दी। पहले डोनाल्ड ट्रंप और अब चीन के इस बयान से यह अटकलें तेज हो गईं कि यह जंग और भीषण हो सकती है, जिसमें अमेरिका और चीन भी कूद सकते हैं। इजरायल ईरान युद्ध आज पांचवें दिन भी जारी है, जिसमें दोनों देश एक दूसरे में मिसाइलों और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। इजरायल ने 13 जून 2025 को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर अचानक हमला शुरू किया, जिसे उसने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया। इन हमलों में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई।

## गाजा में पानी की भारी कमी

गाजा में पानी की भारी कमी के बीच ही एक अस्थाई शिविर के पास पानी के लिए मशक्कत करते हुए लोग।

# इजराइल ने ईरान के सरकारी टीवी आईआरआईबी के मुख्यालय पर लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की

**तेहरान, 17 जून (एजेंसियां) ।**

**इजराइल ने कल ईरान के सरकारी टेलीविजन इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के मुख्यालय को निशाना बनाया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की। इस घटना की वीडियो क्लिप भी सामने आई है। इसे बीबीसी ने अपने समाचार के साथ साझा किया है।**

वीडियो क्लिप में लाइव प्रसारण के दौरान इमारत में जबरदस्त धमाका होता है। इससे महिला एंकर दहल जाती है। स्क्रीन पर धुआं और न्यूज रूम में मलबा भर जाता है। जैसे ही एंकर जल्दी से बाहर निकलती है, कांच के टूटने और चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं। अल जजीरा चैनल ने अपनी खबर में इस एंकर का नाम सहर इमामी बताया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल ने सेंट्रल ईरान में भी कई जगहों पर बमबारी की है। इस हमले में कुछ पत्रकारों के मारे जाने की सूचना है। मगर इसकी पुष्टि न तो ईरान ने की है और न ही इजराइल ने। इजराइल ने कुद्स फोर्स के कमांड सेंटर पर भी हमला किया है। यह ईरानी सेना की कुलीन और गुप्त शाखा है। यह मुख्य रूप से ईरान के विदेशी अभियानों देखती है। इसमें हिजबुल्लाह जैसे छद्म समूहों को आतंकी प्रशिक्षण और हथियार देना शामिल है।

# ईरान में मची भगदड़ से परेशान पाकिस्तान ने कहा- हम अपने यहां किसी को नहीं आने देंगे

**इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां) ।** इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग में पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ी हैं। तहरान में भगदड़ मची है लोग इधर से उधर हो रहे हैं। सभी को अपनी अपनी जान बचाने की पड़ रही है। ऐसे में पाकिस्तान ने अपनी सीमाएं सील का इस भी को आने से रोक दिया है।

सूत्रों के हवाले से यह खबर सामने आ रही है कि ईरान और पाकिस्तान के बीच 909 किलोमीटर लंबे बॉर्डर पर किसी भी शख्स के आने पर रोक लगा दी गई है। इस वक्त लगातार इजरायल की तरफ से हो रहे अटैक के बाद ईरान की राजधानी तेहरान सहित देश के अन्य शहरों में भगदड़ जैसी स्थित है। लोग हमलों से बचने के लिए यहां–वहां भाग रहे हैं।

ईरान–इजरायल जंग के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजरायल की आलोचना करते हुए मुस्लिम एकता की बात कही, लेकिन परमाणु हमले की धमकी की खबरों को खारिज

किया। इससे पहले ईरान के जनरल मोहसिन रजाई ने दावा किया था कि इजरायल अगर ईरान पर परमाणु हमला करेगा तो पाकिस्तान जवाबी परमाणु हमला करेगा। पाकिस्तान ने इसका खंडन किया। कहा गया कि पाकिस्तान की रणनीति क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक हितों पर केंद्रित है, न कि परमाणु युद्ध पर।

इजरायल ने ईरान के परमाणु केंद्रों और सैन्य ठिकानों पर जबर्दस्त बमबारी की है। जवाब में ईरान ने मिसाइल हमलों के साथ पलटवार किया। इस संघर्ष ने क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाया है।

ऐसे में पाकिस्तान का सीमा बंद करना उसके तनाव से प्रभावित होने का संकेत है। पाकिस्तान पहले भी बलूच विद्रोहियों और सीमा पार आतंकवाद के मुद्दों पर ईरान से तनाव का सामना कर चुका हैं। हाल की घटना से संकेत मिलता है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय युद्ध के संभावित प्रभावों, जैसे शरणार्थी मूवमेंट, तस्करी या आतंकी गतिविधियों से बचने के लिए सतर्क हो रहा है। शहबाज शरीफ सरकार का यह कदम उसकी जटिल भू–राजनीतिक स्थिति को भी उजागर करता है। एक ओर पाकिस्तान ने इजरायल के हमलों की निंदा करते हुए ईरान के प्रति एकजुटता दिखाई है। दूसरी ओर वह अमेरिका और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, जो ईरान के विरोधी हैं।

### इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच प्योंगयांग पहुंचे क्रेमलिन के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी

**प्योंगयांग।** इजराइल–ईरान संघर्ष के बीच रूस और उत्तर कोरिया के बीच कूटनीतिक हलचल तेज़ हो गई है। रूसी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी एक बार फिर प्योंगयांग पहुँचे हैं। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जबकि पश्चिम एशिया में हालात विस्फोटक हैं और वैश्विक शक्तियाँ अपनी रणनीतिक पकड़ मज़बूत करने में लगी हैं। रूस–उत्तर कोरिया धुरी क्या दे रहे संकेत हालांकि इस

यात्रा का कोई औपचारिक एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विशलेषकों का मानना है कि यह कदम इजराइल–ईरान संघर्ष से उपजे संभावित भूराजनीतिक असंतुलन को देखते हुए उठाया गया है। सूत्रों की मानें तो यह मुलाकात रूस–उत्तर कोरिया संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक बड़ा संकेत है। यह संभावना जताई जा रही है कि दोनों देश रक्षा सहयोग, हथियारों के आदान–प्रदान और रणनीतिक साझेदारी पर बातचीत कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी जहां ईरान को नियंत्रित करने में लगे हैं, वहीं रूस उत्तर कोरिया जैसे देशों के साथ गठजोड़ कर वैश्विक मंच पर पश्चिमी दबाव का जवाब देने की रणनीति अपना सकता है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

# हिंदुस्तान जिंक बोर्ड ने 12,000 करोड़ के निवेश के साथ क्षमता दोगुनी करने के पहले चरण को दी मंजूरी

**उदयपुर, 17 जून (एजेंसियां)।** हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना करने की महत्वाकांक्षी योजना के पहले चरण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कंपनी करीब 12,000 करोड़ का निवेश करेगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है, जिसके तहत अगले 5 से 10 वर्षों में भारत में जिंक की बढ़ती मांग को देखते हुए उत्पादन क्षमता बढ़ाई जाएगी।

कंपनी अपनी परिष्कृत धातु उत्पादन क्षमता को 250 केटीपीए (किलोटन प्रति वर्ष) तक बढ़ाएगी। इसके साथ ही विभिन्न स्थलों पर खनन और मिलिंग क्षमताओं में भी आनुपातिक वृद्धि की जाएगी। यह विस्तार अंतरराष्ट्रीय जिंक एसोसिएशन के उन अनुमानों के आधार पर किया जा रहा है जिसमें कहा गया है कि भारत में आधारभूत संरचना और इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में भारी निवेश होने जा रहा है, जिससे जिंक की मांग तेज़ी से बढ़ेगी।

हिंदुस्तान जिंक की रणनीतिक योजना के तहत अगले पांच वर्षों में धातु और चांदी दोनों का उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे परिष्कृत धातु क्षमता 2,000 केटीपीए से अधिक तथा चांदी का वार्षिक उत्पादन 1,500 टन तक पहुंचने की संभावना है।

इसके तहत उदयपुर जिले के देबारी में 250 केटीपीए क्षमता का एक नया एकीकृत स्मेल्टर स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना कंपनी की अन्य खदानों और मिलों के विस्तार के साथ पूरी होगी। फिलहाल हिंदुस्तान जिंक का कुल धातु उत्पादन 1.1 मिलियन टन है। अनुमान है कि 12,000 करोड़ की लागत वाली यह परियोजना अगले 36 महीनों में पूरी कर ली जाएगी।

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने इस अवसर पर कहा, हम इस परिवर्तनकारी 2द विकास परियोजना का अनावरण करते हुए बेहद उत्साहित हैं, जो जिंक, सीसा और चांदी के हमारे उत्पादन को दोगुना करेगी। यह पहल देश की बढ़ती घरेलू मांग और जिंक में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाती है। हम सभी हितधारकों को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।बताते चलें कि 2002 में सरकार के विनिवेश और वेदांता समूह द्वारा अधिग्रहण के बाद से हिंदुस्तान जिंक का उत्पादन चार गुना तक बढ़ चुका है। वैश्विक स्तर पर जिंक की आपूर्ति में कमी के इस दौर में कंपनी का यह कदम रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत से ईरान में चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप, ड्राई फ्रूट्स मार्केट में भी अफरा-तफरी

**नई दिल्ली।** ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि भारत से ईरान में चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। चावल कारोबारियों के मुताबिक, ईरान में भारत के चावल की सप्लाई ठप होने से प्रति किलो चावल के भाव में 10 रुपये की गिरावट आई है। उधर, ड्राई फ्रूट्स के दामों में उछाल आया है। जानकारी के मुताबिक भारत से बासमती सेला चावल की सबसे ज्यादा सप्लाई ईरान में होती है। लेकिन इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के चलते बीते चार दिनों से भारत से चावल की सप्लाई ठप हो गई है। जिससे चावल कारोबारियों में खलबली मच गई है। नया बाजार के एक चावल कारोबारी ने बताया कि चावल इंडस्ट्री में डर का माहौल है। शुक्रवार को शुरू हुए इस युद्ध के बाद ईरान में बासमती सेला की सप्लाई ठप हो गई है। हजारों टन चावल बीच रास्तों में फंस गए हैं। कुछ टन माल वापस हो गया है। जिससे कारोबारी परेशान हैं। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले बासमती सेला चावल का थोक दाम लगभग 70 रुपये था, लेकिन बीते चार दिनों में प्रति किलो दाम में 10 रुपये की गिरावट आई है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में चावल का दाम और कम हो जाएगा, जिससे कारोबारियों को करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ेगा।

### रॉबर्ट वाड्रा ईडी के समन पर पेश नहीं हुए विदेश से लौटने के बाद होंगे जांच में शामिल

**नई दिल्ली।** कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ब्रिटेन के भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। रॉबर्ट वाड्रा अपनी बेटी के ग्रेजुएशन समारोह में भाग लेने के लिए विदेश दौरे पर हैं। अब वे विदेश यात्रा से लौटने के बाद जांच में शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इससे पहले 10 जून को भी ईडी के जारी समन में वे फ्लू जैसे लक्षण का हवाला देकर उपस्थित नहीं हुए थे। इसलिए केंद्रीय जांच एजेंसी ने 17 जून को पेश होने के लिए नया समन जारी किया था, जिस पर खबर आई थी कि रॉबर्ट वाड्रा मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश होंगे। रॉबर्ट वाड्रा के वकील ने बताया कि 56 वर्षीय व्यवसायी अपनी बेटी के ग्रेजुएशन समारोह में भाग लेने के लिए विदेश यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि वाड्रा ने पहले ही अदालत को इस बारे में सूचित कर दिया है। वाड्रा के वकील ने कहा कि वे विदेश यात्रा से वापस लौटने के बाद जांच में शामिल होंगे। ईडी रॉबर्ट वाड्रा और लंदन की दो संपत्तियों के बीच कथित संबंधों की जांच कर रहा है। इसमें एक 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर और दूसरी ग्रोसवेनर हिल कोर्ट, 13 बोर्डन स्ट्रीट पर है।

### नथिंग फोन 3 के भारत में निर्माण की घोषणा

**नई दिल्ली।** नथिंग कंपनी के पहले ट्रू फ्लैगशिप स्मार्टफोन नथिंग फोन 3 के भारत में निर्माण की घोषणा की है। कंपनी का यह निर्णय भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह स्मार्टफोन 1 जुलाई को भारत और वैश्विक बाजारों में लॉन्च किया जाएगा। फोन (3) का निर्माण चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में होगा, जहां वर्तमान में 500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 95 प्रतिशत महिलाएं हैं। नथिंग पहले से ही फोन 2 और किफायती फोन 3ए सीरीज का निर्माण भारत में कर रही है। स्थानीय स्तर पर निर्माण बढ़ाकर कंपनी का लक्ष्य उत्पादन कुशलता बढ़ाने, डिलीवरी में देरी कम करने और बाजार की मांग का तेजी से जवाब देने का है। कंपनी के को-फाउंडर और इंडिया प्रेसिडेंट अकीस इवेंजेलिडिस ने कहा कि भारत नथिंग के लिए शुरुआत से ही अहम बाजार रहा है। उन्होंने बताया कि फोन (3) भारत में बना तीसरा स्मार्टफोन होगा और यह 'मेक इन इंडिया' विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। यह नथिंग का पहला ट्रू फ्लैगशिप फोन होगा, जो ब्रांड की सबसे बेहतरीन तकनीक का प्रतीक है। इसके अलावा, फोन में एक सर्कुलर मॉड्यूल में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप देखा गया है।

# ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

**नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।**

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त बनाने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,033.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 270.74 अंक यानी 1.40 प्रतिशत उछल कर 19,677.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 124.84 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,390.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,875.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.74 प्रतिशत उछल कर 7,742.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 182.89 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,699.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,929 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,018.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत टूट कर 3,382.14 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,163.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 134.75 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 22184.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में भी मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 222.80 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,534.13 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत उछल कर 3,924.63 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,955.51 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,116.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

### भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ किएः रिपोर्ट

**मुंबई।** एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए।तेल और वसा पर खर्च में गिरावटष्टस्न्ढ्ढश्व के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24: चॉकलेट, जेम, चीनी: 6.60 लाख करोड़ सब्जियां: 5.95 लाख करोड़तेल वसा: 2.45 लाख करोड, 2022-23: चॉकलेट, जेम, चीनी: 5.51 लाख करोड़सब्जियां: 5.28 लाख करोड़तेल वसा: 3.05 लाख करोड़ 2021-22: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.71 लाख करोड़, सब्जियां: 5.06 लाख करोड़तेल वसा: 2.76 लाख करोड़ 2020-21: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.46 लाख करोड़, सब्जियां: 4.79 लाख करोड़, तेल वसा: 2.01 लाख करोड़स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75 फीसदी की बढ़त हुई है। वहीं कुल उपभोक्ता खर्च 9.72प्रतिशत बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है ।

# आयात घटने से व्यापार घाटा हुआ कम, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

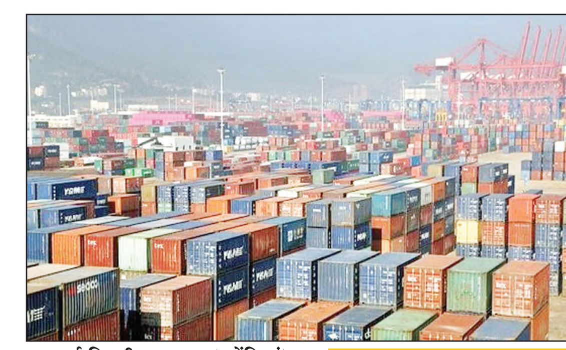

**नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।**

**देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया। उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया।**

**पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया**

यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा।वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया।इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई।

चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया।हालांकि, आयात में 5.76 फीसदी की गिरावट रही।

### नई इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी जल्द होगी लॉन्च

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नई इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी को लॉन्च करने की तैयारी में है। टाटा सिएरा ईवी चालू वित्त वर्ष के अंत तक बाजार में उपलब्ध हो सकती है। डिजाइन के मामले में यह एसयूवी एकदम अलग पहचान के साथ आएगी। इसमें ब्लैक-फिनिश्ड रूफलाइन, रैपराउंड ग्लास इफेक्ट, फ्लोटिंग रूफ और क्लैमशेल-स्टाइल टेलगेट जैसे एलिमेंट्स शामिल हैं, जो इसे एक प्रीमियम और फ्यूचरिस्टिक लुक देते हैं। इसके अलावा, इसमें पैनोरमिक सनरूफ और मॉडर्न डिजाइन लैंग्वेज का उपयोग किया गया है। फीचर्स के लिहाज से टाटा सिएरा ईवी में वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग, अडास और 360 डिग्री कैमरा जैसे हाई-एंड फीचर्स मिलने की संभावना है। बैटरी और परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें दो बैटरी पैक ऑप्शन दिए जा सकते हैं। कंपनी इसे सिंगल चार्ज में 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज के साथ पेश कर सकती है। हालांकि लॉन्च से जुड़ी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इसकी कीमत लगभग 25 से 30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच हो सकती है।

# कोयला मंत्रालय ने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए

**मरवाटोला ब्लॉक सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया**

**नई दिल्ली,17 जून (एजेंसियां)।**

**कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए हैं, जो भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांति लाने और राष्ट्रीय ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। मरवाटोला कोयला ब्लॉक के लिए ऐतिहासिक आवंटन आदेश सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी किया गया है।**

कोयला मंत्रालय के मुताबिक मध्य प्रदेश में सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को मारवाटोला कोयला ब्लॉक का आवंटन क्षेत्रीय सुधारों, निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और कोयला उत्पादन में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। पिछले कई वर्षों में मंत्रालय ने वाणिज्यिक कोयला खनन के आगमन और एकल-खिड़की निकासी प्रणाली की शुरुआत से लेकर डिजिटल निगरानी और शासन उपकरणों को अपनाने तक कई परिवर्तनकारी सुधार किए हैं। इन उपायों ने सामूहिक रूप से कोयला क्षेत्र के परिचालन परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। निजी उद्यम के लिए नए अवसर खोले हैं और संसाधन विकास के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा भविष्य के लिए तैयार ढांचा सुनिश्चित किया है।

# सड़कों पर आ रही हाइड्रोजन क्रांति अशोक लीलैंड, टाटा मोटर्स और अन्य कंपनियां कर रही पहल

**नई दिल्ली,17 जून (एजेंसियां)।**

रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर इकाई से लेकर लेह के ठंडे इलाकों अथवा नई दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों तक भारत का वाणिज्यिक वाहन उद्योग हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के जरिये ईंधन में बदलाव को रफ्तार दे रहा है। ईंधन में बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व अशोक लीलैंड और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन कंपनियां कर रही हैं।

कई उद्योग के दिग्गज भी इस ओर छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विस्तार हैं, लेकिन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) भी भविष्य के लिए रणनीतिक तौर पर कदम बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए अशोक लीलैंड ने 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से साझेदारी के तहत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक उतारा था। फिलहाल 20 से अधिक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और दो साल में ही इन वाहनों ने करीब 2.5 लाख किलोमीटर नाप लिए हैं। हाइड्रोजन से चलने वाले ये वाहन दक्षता के मामले में भी डीजल वाहनों के बराबर हैं। इतना ही नहीं, कंपनी ने दिल्ली, लेह एवं लद्दाख में हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाली बसें तैनात करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन के साथ करार भी किया है। टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल वाले दो ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण मार्च में शुरू हुआ था जो अगले 24 महीनों तक चलेगा।

इसमें विभिन्न भार क्षमता वाले 16 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को शामिल किया जाएगा। इन ट्रकों का परीक्षण प्रमुख मार्गों पर किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली एनसीआर, सूरत, वडोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। टाटा मोटर्स के ग्रुप सीएफओ पीबी बालाजी ने हाल में कहा था, 'हमने अपने पहले हाइड्रोजन ट्रकों की शिपिंग भी शुरू कर दी है।

### मलेशिया की सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह को दिए 15 लाख पाम बीज

**किनाबाटांगन।** मलेशिया की एक सरकारी एजेंसी ने भारतीय उपभोक्ता सामान कंपनी पतंजलि समूह को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की आपूर्ति की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह के साथ पांच साल का अनुबंध किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी। मलेशिया, भारत को पाम तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। इस अनुबंध पर सावित किनाबालु समूह की बीज से जुड़ी अनुषंगी कंपनी ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुषंगी कंपनी हर वर्ष पाम के एक करोड़ बीजों को संसाधित करती है।

# आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना की धमाकेदार वापसी, बनीं नंबर वन

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।

**भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है। 28 वर्षीय मंधाना ने एक स्थान की छलांग लगाते हुए यह मुकाम दोबारा हासिल किया है। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंची हैं।**

इस बार मंधाना के 727 रेटिंग अंक हैं, जबकि दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से मौजूद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट और इंग्लैंड की नई कप्तान नैट सिवर-ब्रंट के पास 719 अंक हैं। वोल्वार्ड्ट को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मैचों में केवल 27 और 28 रन बनाने का खामियाजा उठाना पड़ा, जिससे वह शीर्ष स्थान से फिसल गईं। वह पिछले छह महीनों से अधिक समय से नंबर 1 पर काबिज थीं।

वोल्वार्ड्ट की टीम की खिलाड़ी टैज़मिन ब्रिट्स ने पहले वनडे में अर्धशतक जमाकर रैंकिंग में 5 स्थान की छलांग लगाई है और अब वह 27वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शुरुआती मुकाबला चार विकेट से गंवाने के बाद दूसरे मैच में 40 रनों से जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका की ही पूर्व कप्तान सुने लूस ने दूसरे मैच में 76 रन की शानदार पारी खेली और बल्लेबाजों की सूची में 7 स्थान की छलांग लगाकर 42वें स्थान पर पहुंच गईं। साथ ही, उन्होंने गेंदबाजों की सूची में भी 7 स्थान की बढ़त हासिल कर 42वें नंबर पर जगह बनाई।

वेस्टइंडीज की ओपनर किआना जोसेफ ने पहले मैच में 60 रन की पारी खेली और वह रैंकिंग में 12 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 67वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज की स्पिनर एफी फ्लेचर और दक्षिण अफ्रीका की नोंकुलुलेको म्लाबा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों ने दूसरे वनडे में 4-4 विकेट चटकाए और क्रमश: 4 और 6 स्थान की छलांग लगाकर 19वें और 23वें स्थान पर पहुंच गईं।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### ईरान के...

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अब पहले से कहीं अधिक अकेले नजर आ रहे हैं। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इजराइली हवाई हमलों में खामनेई के कई प्रमुख सैन्य और सुरक्षा सलाहकारों की मौत हो चुकी है, जिससे उनकी आंतरिक सलाहकार टीम में लोगों भारी कमी है, जिसके असर नेतृत्व पर भी देखने को मिल रहा है। इन लोगों के मारे जाने के बाद रणनीतिक गलतियों की आशंका बढ़ गई है।

पिछले शुक्रवार से अब तक कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की हत्या कर दी गई है। जिनमें रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (ईरान की प्रतिष्ठित सैन्य इकाई) के कमांडर हुसैन सलामी, बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के प्रमुख और एयरस्पेस चीफ अमीर अली हाजीजादेह, और खुफिया प्रमुख मोहम्मद काजमी शामिल हैं। ये सभी खामनेई के करीब 15-20 लोगों की उस आंतरिक सलाहकार टीम का हिस्सा थे जो समय-समय पर महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए खामनेई के साथ बैठक करते थे। इस सलाहकार मंडल में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के वरिष्ठ अधिकारी, धार्मिक नेता और राजनेता शामिल होते हैं। इनकी खामनेई तथा ईरानी इस्लामी विचारधारा के प्रति अटूट निष्ठा होती है। खामनेई को जब कोई बड़ा फैसला लेना होता है, तो खामनेई का कार्यालय संबंधित सलाहकारों को तेहरान स्थित उनके परिसर में बुलाता है। ईरानी संविधान के अनुसार खामनेई के पास सेना की सर्वोच्च कमान, युद्ध की घोषणा करने का अधिकार, और वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति या बर्खास्तगी का पूर्ण अधिकार है। हालांकि अंतिम निर्णय उन्हीं का होता है, पर वे अपने सलाहकारों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और निर्णय से पहले अतिरिक्त जानकारी लेना पसंद करते हैं।शासन की स्थिरता बनाए रखने के लिए खामनेई ने बार-बार रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और उसकी बसीज मिलिशिया को 1999, 2009 और 2022 के राष्ट्रीय प्रदर्शनों को कुचलने के लिए तैनात किया है। हालांकि ये बल अब तक हर विरोध प्रदर्शन को दबाने में सफल रहे हैं, लेकिन वर्षों से चले आ रहे पश्चिमी प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आर्थिक संकट भविष्य में व्यापक जन असंतोष और आंतरिक अस्थिरता का कारण बन सकता है।

### ईरान के ध्वस्त...

ईरान में भय का माहौल है, इजराइल की ओर से बरसती मिसाइलों के बीच अफरातफरी में नागरिक दबे-छुपे बैठे हैं। बहुत से लोग तो टनलों में जाकर, इजराइल के हमलों को समर्थन दे रहे हैं। ईरान और इजराइल के बीच करीब पांच दिन से जारी संघर्ष में दोनों देशों के बीच सैन्य हमले और जवाबी कार्रवाइयां तेज हो गई हैं। इस संघर्ष का प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि वहां रह रहे अन्य देशों के नागरिकों, विशेषकर छात्रों, पर भी पड़ा है। ईरान के कई शहरों में बम धमाकों और मिसाइल हमलों की खबरें लगातार आ रही हैं, जिससे स्थानीय और विदेशी नागरिकों में भय का माहौल है।

एक आकलन के अनुसार, ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में भारतीय छात्र वहां के मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं। उनमें भी अधिकांश छात्र जम्मू-कश्मीर से हैं। रिपोर्ट है कि तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के हॉस्टल के पास हुए हमले में दो कश्मीरी छात्र घायल भी हुए हैं। इस वातावरण से भयभीत छात्रों ने भारतीय दूतावास से अपील की कि उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए, क्योंकि वे लगातार बम धमाकों की आवाज़ों के बीच बेसमेंट में छिपे हुए हैं।

भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए त्वरित कार्रवाई की है। विदेश मंत्रालय और तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने मिलकर छात्रों को ईरान के भीतर ही सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त, भारत ने ईरान सरकार से औपचारिक रूप से छात्रों की सुरक्षित निकासी की अनुमति मांगी थी, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया है। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद किया हुआ है, जिससे हवाई मार्ग से छात्रों की निकासी संभव नहीं है। इसके चलते भारत सरकार अब सड़क मार्ग से निकासी की योजना बना रही है। ईरान ने अफगानिस्तान, अजरबैजान और तुर्कमेनिस्तान की सीमाओं को भारतीय नागरिकों के लिए खोल दिया है, जिससे छात्रों को इन देशों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला जा सकेगा।

ईरान-इजराइल की लड़ाई ने कच्चे तेल की सप्लाई पर चिंता बढ़ा दी है। लेकिन भारत ने 50 लाख टन से अधिक कच्चे तेल का रिजर्व तैयार कर रखा है। एथेनॉल को भी वैकल्पिक ऊर्जा के रूप में तेजी से विकसित किया जा रहा है। संभावना है कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष पैदा होने से कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ेंगी और किल्लत भी बढ़ेगी। भारत सहित दुनिया में कई देश हैं जो कच्चे तेल के आयात के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हैं। हालांकि, भारत इससे निपटने के लिए पहले से तैयार है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) की कुल क्षमता 5.33 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कच्चे तेल की है। इनका भंडारण विशाखा-पत्तनम, मंगलुरु और पादुर में स्थित है। कच्चे तेल के अधिकतम भंडार के मामले में पादुर 2.5 मिलियन मीट्रिक टन, मंगलुरू 1.5 और विशाखापत्तनम 1.3 मिलियन मीट्रिक टन का भंडारण करता है। इन भंडारों के निर्माण का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर होने वाले राजनीतिक उथल-पुथल के समय ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। इनका प्रयोग आपूर्ति में व्यवधान या बाजार में कीमतों के उछाल की स्थिति में कच्चे तेल की मांग को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। ये भंडार-गृह आमतौर पर जमीन के अन्दर गुफाओं में बनाए जाते हैं। इन्हें हाइड्रोकार्बन के भंडारण के लिए सबसे सुरक्षित तरीकों में से एक माना जाता है। इसके माध्यम से भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर गहराए संकट से निजात दिलाने में काफी मदद मिलेगी।

मोदी सरकार के आने के बाद स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) के विस्तार पर जोर दिया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा जुलाई 2021 में दो और एसपीआर के निर्माण को मंजूरी दी गई थी ताकि भंडार में 6.5 एमएमटी की वृद्धि हो सके। इसका उद्देश्य बाहरी झटकों का सामना करने के लिए भारत की क्षमता को बढ़ाना है। इतना ही नहीं सरकार भविष्य के भंडारों के लिए नई जगहों की पहचान करने में लगी है। मोदी सरकार ने आयात स्रोतों को बढ़ाने का भी कार्य किया है। किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता के जोखिम के खतरे को कम करने के लिए सरकार ने आयात स्रोतों को भी बढ़ाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूएई में लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) के आयात पर हस्ताक्षर किए हैं।

कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए भारत ने जैव ईंधन और गैस आधारित ऊर्जा के विकास पर भी काफी जोर दिया है। इससे इथेनॉल उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। इथेनॉल उद्योग के निर्माण से कार्बन उत्सर्जन में 1 करोड़ (10 मिलियन) टन की कमी आएगी और कच्चे तेल के आयात पर सालाना 40,000 करोड़ रुपए तक की बचत होगी। सरकार बायो गैस, बायोडीजल, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बढ़ावा दे रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि संकट की स्थिति में भी भारत के पास अपने एसपीआर को हफ्तों या महीनों तक इस्तेमाल करने की क्षमता है। मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा और खनिज के क्षेत्र में इतना सशक्त बना लिया है कि उसे वैश्विक संकट के इस दौर में भी किसी की तरफ देखने की कोई जरूरत नहीं है।

उधर, ईरान के खिलाफ लड़ाई में जी-7 के देशों ने इजराइल को अपना पूर्ण समर्थन दिया है। जी-7 देशों का कहना है कि इजराइल को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। जी-7 बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंचे और जल्दी ही वापस लौट गए। दरअसल, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष तेज होने की वजह से ट्रंप ने यह कदम उठाया। यह पहले से ही तय था। रवाना होने से पहले उन्होंने यह भी कहा कि तेहरान को तुरंत खाली कर दिया जाना चाहिए। जी-7 देशों ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में इजराइल का खुलकर समर्थन कर दिया है। सोमवार को देर रात जारी एक बयान में जी-7 देशों ने इजराइल के प्रति समर्थन व्यक्त किया और उसके प्रतिद्वंद्वी ईरान को पश्चिम एशिया में अस्थिरता का मूल कारण बताया। इस बयान में इलाके में शांति और स्थिरता का आह्वान किया गया। ईरान और इजराइल के बीच हवाई युद्ध बीते शुक्रवार को शुरू हुआ था, जब इजराइल ने ईरान पर हवाई हमले किए थे। जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए थे। इससे इलाके में तनाव और चिंता बढ़ गई है। यहां अक्टूबर 2023 में गाजा पर इजराइल के सैन्य हमले की शुरुआत के बाद से ही तनाव था। जी-7 देशों के नेता वैश्विक दबाव से जुड़े कई मामलों पर चर्चा करने और उनका समाधान निकालने के लिए कनाडा में एकत्र हुए थे। हालांकि, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर टकराव की वजह से कार्यक्रम पूरी तरह से बाधित हो गया। इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब और भी खतरनाक और अनियंत्रित होता दिखाई दे रहा है। दोनों देश चार दिन से एक-दूसरे पर बम बरसा रहे हैं।

जी-7 के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने शिखर सम्मेलन में चेतावनी दी कि तेहरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को रोकने की जरूरत है, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। उन्होंने कहा कि ईरानी नेता बातचीत करना चाहेंगे, लेकिन उनके पास अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर एक समझौते पर पहुंचने के लिए पहले से ही 60 दिन थे। इजराइली हवाई हमले शुरू होने से पहले वे ऐसा करने में विफल रहे। उन्हें समझौता करना होगा।

यह पूछे जाने पर कि अमेरिका को सैन्य रूप से संघर्ष में शामिल होने के लिए क्या करना होगा? ट्रंप ने कहा, मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। साथ ही ट्रंप ने यह चेतावनी भी दी कि सभी को फौरन तेहरान खाली कर देना चाहिए। ट्रंप ने जी-7 नेताओं के साथ समूह तस्वीर के लिए शामिल हुए और कहा, मुझे वापस जाना बहुत जरूरी है। मेजबान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, मैं राष्ट्रपति की उपस्थिति के लिए बहुत आभारी हूं और मैं उनकी बात को पूरी तरह समझता हूं।

अब तक इजराइल ने कई ईरानी परमाणु कार्यक्रम स्थलों को निशाना बनाया है, लेकिन वह ईरान की फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा को नष्ट नहीं कर पाया है। यह सुविधा बहुत गहराई में स्थित है। इसे नष्ट करने के लिए इजराइल को 30,000 पाउंड (14,000 किलोग्राम) के जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डिनेंस पेनिट्रेटर की आवश्यकता पड़ सकती है। यह अमेरिकी बंकर-बस्टिंग बम है, जो अपने वजन और गतिज बल का उपयोग करके गहरे दबे हुए लक्ष्यों तक पहुंचता है। इजराइल के पास इसे पहुंचाने के लिए आवश्यक गोला-बारूद या बमवर्षक नहीं है। पेनिट्रेटर को वर्तमान में बी-2 स्टील्थ बॉम्बर द्वारा पहुंचाया जाता है।

भारत जी-7 देशों का हिस्सा नहीं है, लेकिन कनाडा के पीएम मार्क कोनी के निमंत्रण पर वह सम्मेलन में आउटरीच पार्टनर के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी सम्मेलन में आने वाले देशों के नेताओं से मुलाकात और कुछ बैठकों का हिस्सा बने। कनानास्किस में हो रहे जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा के कैलगरी पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। यह लगातार छठा साल है जब प्रधानमंत्री मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रतिभाग कर रहे हैं। भारत जी-7 देशों का हिस्सा नहीं है, लेकिन कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के निमंत्रण पर वह सम्मेलन में आउटरीच पार्टनर के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। भारत के साथ मेक्सिको और यूक्रेन भी इस फेहरिस्त में शामिल है। इस दौरान पीएम मोदी सम्मेलन में आने वाले देशों के नेताओं से मुलाकात की कुछ द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लिया।

जी-7 दुनिया की 7 उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। रूस भी पहले इस समूह का हिस्सा था, लेकिन क्रीमिया देश पर कब्जा करने के बाद समूह से उसे निष्कासित कर दिया गया। गौरतलब है कि ईरान और इजराइल के बीच लगातार युद्ध की स्थिति बदतर होती जा रही है तो वहीं पश्चिम एशिया के देशों में भी तनाव बढ़ रहा है। वहीं पश्चिम एशिया के देशों में भी तनाव बढ़ रहा है। इसके अलावा जी-7 के इस समय होने के पीछे एक कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीतियां भी हैं। भारत और कनाडा के रिश्तों में पिछले साल तब तल्खी आई थी, जब खालिस्तानी समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में अक्टूबर 2024 में ओटावा ने भारत के पांच डिप्लोमेट को जोड़ने का प्रयास किया था। इस कड़ी में भारत ने देश से कनाडा के राजनयिकों को निष्कासित कर कनाडा से भी अपने उच्चायुक्त और अन्य डिप्लोमेट को वापस बुला लिया था।

मार्च में कनाडा के नए प्रधानमंत्री बने कार्नी ने एक बार फिर भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिहाज से पीएम मोदी को इस सम्मेलन के लिए निमंत्रित किया है। भारत के लिए कनाडा पोटाश, लकड़ी, कागज और अन्य खनन उत्पादों को आयात करता है। इसी तरह भारत की ओर से कनाडा को कपड़े, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स और रत्न निर्यात किया जाता है। इसके अलावा कनाडा में भारतीय छात्रों की भी एक बड़ी संख्या रहती है।

### खामनेई के खात्मे...

उन्होंने कहा कि परमाणु आपदा को रोकने के लिए सावधानी बरती जा रही है। अधिकारी ने कहा, ईरान ने अब तक 400 बैलिस्टिक मिसाइलें और सैकड़ों ड्रोन दागे लेकिन इजराइल ने अधिकतम मिसाइलों और ड्रोन को आसमान में ही नष्ट कर दिया। यही वजह है कि ईरान पर इजराइल के हमले तेज हुए हैं, लेकिन ईरान के जवाबी हमले में काफी कमी और ढिलाई आई है।

बाकू में एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इजराइल द्वारा ईरान पर हमला शुरू करने के बाद से 600 से अधिक विदेशी नागरिकों को ईरान के पड़ोसी देश अजरबैजान के रास्ते से निकाला गया है। इजराइल ने ईरान के खिलाफ साइबर हमला भी जारी रखा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को एक साइबर हमले में इजराइल ने ईरान के एक प्रमुख सरकारी वित्तीय संस्थान, सेपाह बैंक के संचालन को बाधित कर दिया। हमले ने बैंक के डिजिटल बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया, जिससे इसकी ऑनलाइन सेवाओं में रुकावट आ गई। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को तड़के ईरानी मिसाइल हमलों के कारण मध्य इजराइल और हाइफा में बहुत नुकसान हुआ। इसकी वजह से 2,000 लोगों को सुरक्षित जगहों की तरफ भागना पड़ा। ईरान के सबसे बड़े परमाणु सयंत्र नतांज को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले में नतांज में मौजूद लगभग 15000 सेंट्रीफ्यूज नष्ट हो गए।

### भारत ने एहतियात...

लाल सागर मार्ग से दुनिया के 30 फीसदी कंटेनर गुजरते हैं, जबकि 12 फीसदी वैश्विक व्यापार इसी रास्ते हो होता है। विश्लेषकों का कहना है कि यह युद्धअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उच्च टैरिफ की घोषणा के बाद वैश्विक व्यापार पर पड़ने वाले दबाव को और बढ़ाता है। टैरिफ के असर को देखते हुएविश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) पहले ही आशंका जता चुका है कि 2025 में वैश्विक व्यापार में 0.2 फीसदी की गिरावट आएगी।इससे पहले 2.7 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया था।

ईरान और इजराइल एक-दूसरे पर जबरदस्त हवाई हमले कर रहे हैं। इसके चलते दोनों ही देशों ने अपने हवाई क्षेत्रों को यात्री विमानों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया है। इसका असर दुनियाभर के साथ भारत के उड्डयन क्षेत्र में सबसे ज्यादा पड़ सकता है। उदाहरण के तौर पर भारत के नई दिल्ली से ब्रिटेन के लंदन जाने वाली फ्लाइट को अभी ईरान के एयरस्पेस से उड़ान भरते हुए जाना होता है, जो कि सबसे सीधा और आसान रास्ता है। हालांकि, रूट बदलने से न सिर्फ यात्रियों के लिए यात्रा का समय बदलता है, बल्कि एयरलाइन कंपनियों को अपना किराया भी बढ़ाना पड़ता है, क्योंकि लंबे रूट्स पर ईंधन का खर्च भी ज्यादा होता है और क्रू के सदस्यों के काम की समयसीमा भी ज्यादा होती है।

हालांकि, मौजूदा स्थिति में भारत की एयरलाइन कंपनियों को तुर्कमेनिस्तान या सऊदी अरब का रूट लेना पड़ रहा है, जिसके चलते नए रूट से फ्लाइट्स को गंतव्य तक पहुंचने में 45 से 90 मिनट तक ज्यादा लग रहे हैं। इसे लेकर भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा है कि खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति के चलते यात्रा के समय में बढ़ोतरी होगी। इसी तरह एयर इंडिया ने भी एडवाइजरी में कहा कि ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में स्थितियों को देखते हुए फिलहाल फ्लाइट्स लंबे और वैकल्पिक रूट पर चल रही हैं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ईरान में फंसे छात्रों को निकालने में भारत को बड़ी सफलता मिली। करीब 110 छात्र ईरान के जमीनी बॉर्डर से आर्मेनिया पहुंचे, जहां से उन्हें विमानों के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। इस बीच भारत ने तेहरान में रह रहे अपने लोगों से शहर से बाहर जाने और सुरक्षित ठिकाना ढूंढ़ने की अपील की। साथ ही भारतीय दूतावास से लगातार सम्पर्क में रहने को भी कहा गया। इसके लिए दूतावास की तरफ से आपात हेल्पलाइन जारी की गई है।

### अंडमान सागर ...

कंपनी ने 2023-24 में रिकॉर्ड ड्रिलिंग और उत्पादन हासिल किया, और अब अंडमान में ड्रिलिंग शुरू करने की तैयारी है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 4 मिलियन मेट्रिक टन कच्चा तेल और 5 बिलियन क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन करना है।

### कहीं ईरान ने...

अगर होरमुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह से रुकावट आती है या इसे अस्थायी रूप से बंद किया जाता है, तो इससे वैश्विक तेल बाजार में झटके लग सकते हैं। अगर आंकड़ों की बात करें तो इस जलडमरूमध्य से 2024 में प्रतिदिन 2 करोड़ बैरल तेल का आवागमन हुआ था। ये आंकड़ा वैश्विक पेट्रोलियम खपत का लगभग 20 प्रतिशत के बराबर था। वहीं 2025 के शुरुआती तीन महीनों में पेट्रोल का कारोबार 2024 की अपेक्षा स्थिर ही रहा। 2024 और 2025 के आंकड़ों में होरमुज से होकर जाने वाले तेल वैश्विक तेल व्यापार का एक चौथाई से अधिक और पेट्रोलियम उत्पाद और तेल के खपत का लगभग 5वां हिस्सा होगा।

सऊदी अरब होरमुज जलडमरूमध्य से किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक कच्चा तेल और कंडेनसेट का आवागमन करता है। 2024 में सऊदी अरब से कच्चे तेल और कंडेनसेट का निर्यात पूरे कारोबार का 38 प्रतिशत था। अगर ईरान होरमुज जलडमरूमध्य को बंद करने की कार्रवाई करता है तो सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नुकसान पहुंचेगा। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए सऊदी और यूएई ने इस रास्ते को बाईपास करने का एक बुनियादी ढांचा तैयार कर रखा है। इसके तहत पाइपलाइनें बिछाई गई हैं जो इस रास्ते में आने वाले अड़ंगों को कुछ हद तक कम कर सकता है। हालांकि ये पाइपलाइनें पूरी तरह से संचालित नहीं होतीं, फिर भी किसी तरह के व्यवधान होने पर सऊदी अरब और यूएई होरमुज जलडमरूमध्य को बाईपास कर प्रतिदिन 260 लाख बैरल प्रतिदिन के आवागमन की क्षमता रखती है।

होरमुज जलडमरूमध्य में आठ प्रमुख द्वीप हैं। इनमें से सात पर ईरान का नियंत्रण है। अबू मूसा, ग्रेटर टुंब और लेसर टुंब द्वीपों को लेकर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच विवाद है। ये तीनों द्वीप रणनीतिक रूप से दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं। 1970 के दशक से, ईरान ने इन द्वीपों पर अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है। इसके अलावा, चाबहार, बंदर अब्बास और बुशहर में स्थित नौसैनिक अड्डों से ईरान की नौसेना सागर पर नियंत्रण करती है। इससे जलडमरूमध्य पर इसका मजबूत प्रभाव देखने को मिलता है। ईरान की खाड़ी के तट पर जलवायु अत्यधिक गर्म और शुष्क है। जुलाई और अगस्त के महीने इस क्षेत्र के लिए सबसे अधिक गर्म होते हैं। इसके चलते वहां रहना मुश्किल है। फिर भी तेल का क्षेत्र होने के कारण थोड़ा बहुत विकास किया गया है। जलडमरूमध्य के आसपास के क्षेत्रों में धूल, सुबह की धुंध और धुंधलापन होता है। इससे भी वहां की दृश्यता प्रभावित होती है।

होरमुज जलडमरूमध्य की रणनीतिक स्थिति इसे काफी अहम बना देती है। ओमान और ईरान के बीच होने के कारण ये कुवैत, सऊदी अरब, इराक, कतर, बहरीन और यूएई को अरब सागर और उससे आगे जोड़ता है। जैसे-जैसे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है, होरमुज जलडमरूमध्य का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। भारत के लिए यह संकट देश की रणनीतिक साझेदारी को बेहतर बनाने और नए ऊर्जा स्रोतों पर काम करने की जरूरत बता रहा है। इजराइल की ओर से ईरान पर हमले किए जाने के बाद शिया मुल्क के कई सैन्य ठिकाने और परमाणु कार्यक्रम तबाह हो गए हैं। बौखलाए ईरान ने जलडमरूमध्य बंद करने की धमकी दी है। हालांकि इस रास्ते को पूरी तरह से बंद करने की आशंका कुछ कम ही जताई जा रही है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन कारणों में ईरान के कुछ देशों के साथ बेहतर संबंध और आर्थिक स्थिरता समेत कई पहलू शामिल हैं। ईरान और चीन के संबंध काफी बेहतर हैं। चीन ईरान के तेल का तीन चौथाई हिस्से का आयात करता है जो कि सबसे अधिक है। ऐसे में जल डमरू मध्य का रास्ता बंद होने से चीन के लिए भी आपूर्ति बाधित होगी।

इसके अलावा इस रास्ते के बंद होने से ईरान के ओमान के साथ रिश्ते खराब हो सकते हैं। ओमान समुद्री रास्तों के जरिए कारोबार की आजादी का समर्थन करता रहा है। साथ ही होरमुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी हिस्से पर अपना नियंत्रण भी रखता है। इजराइल के साथ तनाव के चलते ईरान पहले से ही कई संघर्षों का सामना कर रहा है। ऐसे में अगर ये रास्ता बंद होता है तो ईरान को ही भारी कीमतों को ईरान को भी झेलना पड़ेगा। इससे ये मुल्क भी आर्थिक अस्थिरता के संकट से दो चार होगा। असल में दुनिया के ज्यादातर देश इस बात को जान चुके हैं कि होरमुज जल डमरू मध्य में कोई भी रुकावट वैश्विक संकट को जन्म दे सकता है। ऐसे में ईरान अपनी धमकी को मूर्त रूप में देने से पहले कई देशों के साथ अपने बचे खुचे रिश्तों से भी हाथ धो सकता है।

# आज भद्र राजयोग का राजसी संयोग में सिंह सहित अन्य राशियों को मिलेगी गणेशजी की कृपा

आज यानी 18 जून बुधवार है और आज चंद्रमा का गोचर कुंभ उपरांत मीन राशि में होगा। आज बुधवार होने की वजह से बुध ग्रह का प्रभाव पूरे दिन रहेगा, इसके साथ ही आज बुध मिथुन राशि में सूर्य के साथ बुधादित्य योग बनाएंगे। और अपनी स्वराशि में होने की वजह से बुध आज भद्र राजयोग का शुभ संयोग का भी निर्माण करेंगे। और तो और आज मिथुन राशि में ही सूर्य, बुध और गुरु मिलकर त्रिग्रह योग बनाएंगे। इसके साथ ही आज गुरु और सूर्य मिलकर गुरु आदित्य योग भी बना रहे हैं। और आज के दिन पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के संयोग में प्रीति उपरांत आयुष्मान योग का भी संयोग बन रहा है। आज बुधवार का दिन गणेशजी को समर्पित होगा, इस वजह से आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी उपरांत अष्टमी तिथि का संयोग रहेगा। जिससे आज बुधवार का दिन सिंह सहित 5 राशियों के जातकों के लिए अत्यंत शुभ और लाभदायक रहेगा। आज इन राशियों को अपने-अपने क्षेत्र में भरपूर लाभ होगा। साथ ही इनके घर परिवार में सुख समृद्धि का वास होगा।

### मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज आपकी सुख सुविधाओं में इजाफा होगा। कारोबार में मेहनत रंग लाएगी, सरकारी कार्यों के टेंडर हासिल हो सकते हैं जिससे आपकी आय में इजाफा होगा। कारोबार के सिलसिले में आपको लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके लिए शुभ और लाभदायक रह सकती है। आपके सामाजिक दायरे में बढ़ोतरी होगी। अध्यात्म की ओर आपका रुझान रहेगा। शासन और प्रशासन से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रह सकता है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा से जुड़ी आपके अड़चनें दूर हो सकती हैं। दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहेंगी, जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा।

**उपाय : आज बहते हुए पानी में खाली मटके को बहा दें। इसके साथ ही सुहागिन महिलाओं को हरी चूड़ियां दान करें। इससे आपके वैवाहिक जीवन में सुख शांति आएगी।**

### सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपको करियर से लेकर कारोबार तक में सभी का सहयोग मिलेगा। सहकर्मी आपकी मदद करेंगे जबकि अधीनस्थ कर्मचारी आपकी बातों का पालन करेंगे।

इससे आप जल्दी अपने लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब हो सकते हैं। इसके साथ ही आज साझेदारी में काम करने वालों को लाभ हो सकता है। आज आपको अपने पार्टनर के भाग्य का भी साथ मिलेगा। आप मिलकर कोई बड़ा सौदा हासिल कर सकते हैं जिससे आपके कारोबार की कायापलट हो सकती है। इसके साथ ही आज आप बडे.बदलावों को हरी झंडी दे सकते हैं, जो आपको भविष्य में लाभ देकर जा सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज जीवनसाथी से आपको तोहफा मिल सकता है।

**उपाय : आज अपने पर्स में हरे कांच की गोलियां रखें और ऊं ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम: मंत्र का 108 बार जप करें। इससे आपके काम बनते चले जाएंगे।**

### कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन शुभ और लाभ दोनों लिए हुए है। आज आपके प्रयास सफल होंगे। आप अपने कार्यों को गंभीरता से लेंगे और आपको उनमें सफलता भी प्राप्त होगी। इसके साथ ही आज कारोबार के विस्तार के लिए आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। कहीं से आपको कर्ज लेने में अड़चनें आ रही थीं तो आज आपको आसानी से लोन मिल सकता है। अगर आप कोर्ट कचहरी के मामलों में फंसे हैं तो आज का दिन आपके लिए राहत भरा रह सकता है। इसके साथ ही आज आपको पार्टनरशिप में किए जाने वाले काम विशेष रूप से लाभ देकर जा सकते हैं। अगर कहीं निवेश करने की सोच रहे हैं तो जीवनसाथी के नाम पर धन लगाना आपके लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है।

**उपाय : आज किन्नरों को दान दें और गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें। इससे आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।**

### मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन भरपूर लाभ कमाने का है। आज आपको साहसिक निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। कुछ कार्यों में आप जोखिम भी ले सकते हैं। आज कम्युनिकेशन के काम से जुडे.जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही आज आपके संचित धन में बढ़ोतरी होगी जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। इसके साथ ही आज कारोबार में छोटी दूरी की यात्रा आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। शोध, लेखन, प्रकाशन के काम में अतिरिक्त लाभ हो सकता है। आज वैवाहिक जीवन में खुशहाली रहेगी। अगर जीवनसाथी के साथ कोई विवाद चल रहा था तो आज आपकी सुलह हो सकती है। इसके साथ ही आज आपको संतान की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

**उपाय : आज गाय को हरा चारा खिलाएं और गणेश चालीसा का पाठ करें। इससे आपके कार्यों में आ रहीं विघ्न बाधाएं दूर होंगी।**

### मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभदायक रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में अलग ही तेज होगा। आपका प्रभुत्व बढ़ेगा और किसी कार्यक्रम में आपको सम्मानित किया जा सकता है। विदेश से जुड़ा काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभ दिलाने वाला हो सकता है।

आज आपके आत्मविश्वास में गजब की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही आज आप परिस्थितियों के अनुकूल फैसले लेंगे जिससे आज आपको अतिरिक्त लाभ हो सकता है। आपके बुद्धिमत्ता भरा फैसलों से विरोधी परास्त हो जाएंगे। आप आज का दिन पूरी सुख सुविधाओं के साथ जीएंगे। दांपत्य जीवन आज खुशहाल रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके तालमेल में इजाफा होगा।

**उपाय : आज गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। और 108 बार ऊं गं गणपतये नम: मंत्र का जप करें। इससे भगवान गणेश आपसे प्रसन्न होंगे।**

# नमक से आजमाकर देखें ये आसान टोटके

## गरीबी और नकारात्मकता घर से रहेगी कोसों दूर

जीवन में अक्सर समस्याएं आती जाती रहती हैं। लेकिन कई बार ये बाधाएं और समस्याएं इतनी ज्यादा बढ़ जाती हैं कि व्यक्ति परेशान होने लगता है। साथ ही, हमारी परिस्थितियां मानसिक संतुलन को भी खराब करने लगती है। शास्त्रों में इसके पीछे के कारण बताए गए हैं। जीवन में लगातार बाधाएं आना नजर दोष, वास्तु दोष, ग्रह दोष आदि के चलते हो सकता है। ऐसे में शास्त्रों में कुछ उपाय व टोटके भी बताए गए जिन्हें आजमाने से व्यक्ति को जीवन की समस्याओं और नकारात्मकता से निजात मिल सकती है। इनमें से आज हम आपको नमक के टोटके बताने जा रहे हैं, जिनमें से अगर आप एक भी कर लें तो इससे घर से नकारात्मकता मीलों दूर रहती है। साथ ही, कंगाली से भी निजात मिल सकती है।

### बुरी नजर से सुरक्षा का टोटका

अगर आपके घर में किसी को बुरी नजर लग गई है और उसे बार-बार किसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है, तो इसके लिए नमक का एक टोटका आजमा सकते हैं। हाथ में थोड़ा सा समुद्री नमक लेकर इसे अपने या जिसे नजर लगी है उसके ऊपर से 7 बार उल्टा घुमाएं। अब नमक को बाहर या सिंक में डालकर बहा दें। यह आसान काम करने से बुरी नजर को दूर करने में सहायता मिलती है। साथ ही, यह नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर रखता है। इस टोटके को करने से आपके काम में आ रही बाधाएं और समस्याएं भी दूर हो सकती हैं।

### नकारात्मक ऊर्जा दूर रखने का टोटका

शास्त्रों में घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने के लिए कई टोटके बताए गए हैं। इन्हीं में से एक है नमक का टोटका, इसके लिए थोड़े समुद्री नमक को एक साफ वस्त्र में बांधकर पोटली बना लें। अब इसे अपने घर के मुख्य द्वार पर बांध दें। इस टोटके को करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर के आसपास से नकारात्मक शक्तियां भी दूर रहती हैं। माना जाता है कि नमक की पोटली मेन गेट पर बांधने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अगर आपके घर में छोटी-छोटी बात पर आए दिन झगड़े होते हैं, तो यह एक छोटा सा काम अवश्य करके देखें। ऐसा करने से आपको गृह क्लेश से मुक्ति मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच का प्रेम बढ़ता है।

### घर से कंगाली दूर करने का टोटका

अगर आप पैसों की तंगी से परेशान हैं और मोटी कमाई होने के बावजूद घर में एक पैसा नहीं टिकता है, तो नमक ...ी जुड़ा एक टोटका कर सकते हैं। ...सके लिए एक मुट्ठी समुद्री नमक लें और इसे घर के चारों कोनों में थोड़ा-थोड़ा रख दें। अब एक सप्ताह के बाद ...ारे स्थान से नमक को इकट्ठा कर लें और इसे किसी बहते हुए जल में ...वाहित कर दें या किसी पेड़ के नीचे ...खकर आ जाएं। इस टोटके को करने ... जातक को पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आने लगता है। माना जाता है कि यह टोटका कंगाली को दूर कर सकता है और इससे धन-दौलत में वृद्धि होने लगती है। इस टोटके को करने से घर में होने वाली फिजू-लखर्ची से भी आपको निजात मिल सकती है।

### इस दिन सेंधा नमक से बनाएं खाना

हिंदू धर्म में बुधवार के दिन की विशेष मान्यता होती है। यह दिन भगवान गणेश को समर्पित माना जाता है। ऐसे में इस दिन गणपति बप्पा की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि बुधवार को घर में सेंधा नमक का प्रयोग करते हुए सात्विक भोजन बनाना चाहिए और उसे अपने देवी-देवताओं को भी भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में आने वाली समस्याओं से निजात मिल सकती है और भगवान की कृपा परिवार के सदस्यों पर बनी रहती है। माना जाता है कि बुधवार को नमक का यह टोटका करने से जीवन में खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

# जून माह का आखिरी प्रदोष व्रत 23 को रखा जाएगा

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है, जो हर महीने की त्रयोदशी को मनाया जाता है। जून महीने का प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। हर महीने की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है। प्रदोष जून महीने के आखिरी प्रदोष व्रत जल्द ही आने वाला है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस व्रत को रखता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। इस बार प्रदोष व्रत पर लोगों को दोगुना लाभ मिलने वाला है।

इस बार 23 जून का प्रदोष व्रत किया जाएगा। सोमवार होने के कारण इसे सोम प्रदोष व्रत कहा जाएगा। 22 जून को मध्य रात्रि 1 बजकर 22 मिनट पर त्रयोदशी तिथि का आरंभ होगा और 23 जून को रात में 10 बजकर 9 मिनट तक त्रयोदशी तिथि रहेगी। प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि 23 जून को होने का कारण सोम प्रदोष व्रत 23 जून को किया जाएगा। इस बार व्रत करने वालों को दोगुना लाभ मिलने वाला है। इस बार प्रदोष व्रत का साथ मास शिवरात्रि व्रत का भी संयोग बना हुआ है।

### प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करने का महत्व

बता दें कि प्रदोष व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। इस व्रत में प्रदोष काल में पूजा करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि प्रदोष काल में भगवान शिव कैलाश पर्वत पर रहते हैं और वहीं वह नृत्य करते हैं। साथ ही इस समय सभी देवी देवता भगवान शिव की उपासना करते हैं। इस समय जो भी व्यक्ति सच्चे दिल से भगवान शिव की उपासना करते हैं तो उनकी सारी इच्छा पूरी होती है।

### प्रदोष व्रत पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करें इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करें और घी का दीपक जलाकर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा अर्चना करें और शिवलिंग का अभिषेक करें।

इसके बाद शाम के समय प्रदोष काल में शिवालय जाए और वहां शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग, शमी, चंदन, अक्षत मिठाई आदि चीजें अर्पित करें। इसके बाद भगवान शिव के मंत्र श्री शिवाय नमस्तुभ्यं मंत्र का जप करें। इसके बाद प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें और शिव चालीसा का पाठ करें। फिर महिलाएं मां पार्वती का श्रृंगार करें। अंत में भगवान शिव और माता पार्वती की आरती करें।

# मंगला गौरी व्रत 15 जुलाई को

## जानिए महत्व और लाभ

मंगला गौरी व्रत का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं मंगला गौरी व्रत रखती हैं। सावन मास में आने वाले मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। इसमें महिलाएं स्नान आदि के बाद मां गौरी की पूजा अर्चना करते हैं और शाम को चांद के दर्शन करने के बाद ही व्रत को खोला जाता है।

मंगला गौरी सावन मास में रखा जाता है। साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है और 9 अगस्त तक चलेगा। जिस प्रकार सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को समर्पित होता है और सावन के प्रत्येक सोमवार को भोलेबाबा का विशेष रूप से पूजा होती है, ठीक उसी तरह सावन का प्रत्येक मंगलवार मां गौरी की पूजा के लिए खास होता है। इस दिन मंगला गौरी व्रत रखा जाता है और मां का विशेष पूजन होता है। इस साल सावन में पहला मंगला गौरी व्रत 15 जुलाई को रखा जाएगा।

**पहला मंगला गौरी व्रत – 15 जुलाई 2025**
**दूसरा मंगला गौरी व्रत – 22 जुलाई 2025**
**तीसरा मंगला गौरी व्रत – 29 जुलाई 2025**
**चौथा मंगला गौरी व्रत – 5 अगस्त 2025**

### मंगला गौरी व्रत का महत्व

मान्यता है कि मंगला गौरी व्रत हिंदू महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सौभाग्य के लिए रखती हैं। कथा कहती है कि मां पार्वती ने भगवान शिव का प्रेम और आशीर्वाद पाने के लिए यह व्रत किया था। मंगला गौरी व्रत रखने से वैवाहिक जीवन में खुशियां और सुख समृद्धि आती है। पति, बच्चों समेत पूरे परिवार की रक्षा होती है। मंगला गौरी व्रत रखने वाली महिलाएं इस दिन फल, दूध आदि का सेवन कर सकती हैं। और शाम को चंद्रमा के दर्शन और पूजन के बाद व्रत खोलती हैं।

# रथ यात्रा से 15 दिन पहले भगवान जगन्नाथ के बीमार पड़ने का जानें रहस्य

जगन्नाथपुरी रथ यात्रा भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्ध है। रथयात्रा में शामिल होने के लिए भगवान जगन्नाथ के भक्त दुनिया भर से आते हैं। जगन्नाथ यात्रा शुरू होने से 15 दिन पहले भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा बीमार पड़ जाते हैं। ऐसा हर साल होता है। इस समय को एकांतवास का समय माना जाता है क्योंकि इस समय के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा एकांतवास में चले जाते हैं। जहां किसी भी भक्त को उनके पास जाने की अनुमति नहीं होती। इस अवधि को 'अनसर काल' भी कहा जाता है। जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी को 108 मटकों के सुगंधित जल से स्नान कराया जाता है। इस अनुष्ठान को 'स्नान पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है। कई भक्तों के मन में सवाल आता है कि आखिर हर साल भगवान जगन्नाथ बीमार क्यों पड़ते हैं। इसका जवाब माधवदास और भगवान जगन्नाथ की कहानी से जुड़ा मिलता है।

### भगवान जगन्नाथ के परम भक्त और मित्र थे माधवदास

माधवदास एक बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। दुनियादारी से उन्हें कोई सरोकार नहीं था। एक साधारण परिवार में जन्में माधवदास के परिवार के सदस्य धीरे-धीरे उनका साथ छोड़ते गए। जब माधवदास की पत्नी भी एक बीमारी के कारण अपने अंतिम दिन गिन रही थी, तो माधवदास ने उनसे बहुत ही सरल स्वभाव से पूछा- तुम भी मुझे छोड़कर जा रही हो। अब मैं किसी भरोसे रहूंगा। कौन मुझसे प्रेम करेगा। मैं अब कहां सुरक्षित महसूस करूंगा? यह कहकर माधवदास रोने लगे। माधवदास की पत्नी भी भगवान जगन्नाथ की परम भक्त थी। मृत्यु के करीब आ चुकीं उनकी पत्नी ने माधवदास से कहा कि वे पुरी में भगवान जगन्नाथ की शरण में चले जाएं। उनसे ज्यादा उन्हें कोई भी प्रेम नहीं कर सकता।

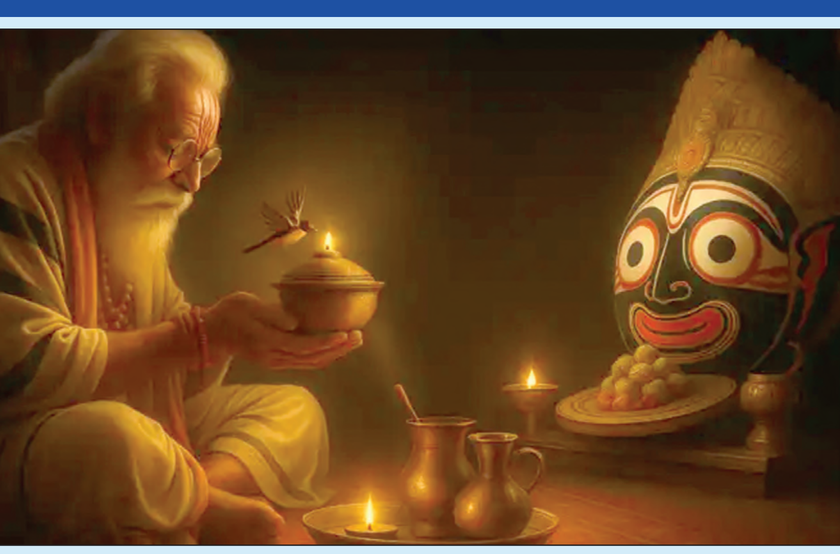

### भगवान जगन्नाथ से मिलने पुरी पहुंचे माधवदास

माधवदास स्वभाव से बहुत सरल थे। उन्हें दुनियादारी की समझ नहीं थी। छल-कपट से दूर माधवदास बहुत ही सरल भाव से मंदिर के सामने लगे एक पेड़ की छांव के नीचे बैठ गए। जब मंदिर के पुजारी माधवदास को प्रसाद देने आए, तो माधवदास ने प्रसाद लेने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रभु भगवान जगन्नाथ के हाथों से ही प्रसाद ग्रहण करेंगे। माधवदास ने पुजारी से भगवान जगन्नाथ को बुलाने के लिए कहा। पुजारी हैरानी से माधवदास को देखते रहे। इस तरह भूखे-प्यासे रहकर माधवदास ने हठ कर लिया कि वे केवल भगवान जगन्नाथ के हाथों से ही अन्न ग्रहण करेंगे।

### भक्त माधवदास की तपस्या देखकर भगवान जगन्नाथ को आना पड़ा

माधवदास जी की सरलता देखकर भगवान जगन्नाथ का मन पिघल गया और वे रूप बदलकर माधवदास के पास अन्न लेकर पहुंचे लेकिन माधवदास ने अन्न ग्रहण करने से मना कर दिया। माधवदास ने कहा कि उन्हें इस संसार में सबसे ज्यादा विश्वास भगवान जगन्नाथ पर है। वे केवल उनके हाथ से ही अन्न खाएंगे। यदि भगवान जगन्नाथ अभी तक उनसे मिलने नहीं आए, तो साफ है कि वे माधवदास को अपना मित्र नहीं बनाना चाहते। माधवदास जी ने रूप बदलकर आए भगवान जगन्नाथ को गले लगाकर रोते हुए पूछा कि तुम बताओ मित्र! जगन्नाथ जी उनके प्रेम को क्यों नहीं समझ पा रहे हैं। इतना सुनकर भगवान जगन्नाथ जी भावुक हो उठे और उन्होंने माधवदास को अपने वास्तविक रूप में दर्शन देकर अन्न ग्रहण कराया।

### भगवान जगन्नाथ माधवदास की 15 दिनों की बीमारी अपने ऊपर ले ली

माधवदास कई वर्षों तक पुरी में रहकर भगवान जगन्नाथ जी की भक्ति करते रहे और हर रोज उनके दर्शन करते। दोनों मित्र बन गए। कई वर्षों बाद प्रकृति चक्र घूमा और माधवदास युवा अवस्था से वृद्धावस्था में प्रवेश करने लगे। इस समय के दौरान माधवदास जी बीमार पड़ गए। उनकी बीमारी में भगवान जगन्नाथ ने दिन-रात उनकी सेवा की। बीमारी से कमजोर हो चुके माधवदास ने एक दिन भगवान जगन्नाथ से कहा- प्रभु! आप तो जगत के स्वामी हैं, तो क्या आप मेरी बीमारी ठीक नहीं कर सकते? इसके जवाब में भगवान जगन्नाथ ने कहा- मित्र माधवदास! मैं तुम्हें मोक्ष देना चाहता हूं। पिछले जन्म के कर्म भोगने के बाद तुम पवित्र हो जाओगे। अभी तुम्हारी बीमारी के बस 15 दिन बचे हैं। प्रभु जगन्नाथ की बात सुनकर माधवदास ने कराहते हुए कहा-प्रभु! लेकिन मुझे अत्यंत पीड़ा हो रही है। यह सुनते ही प्रभु जगन्नाथ ने एक चमत्कार किया और माधवदास की 15 दिनों की बची हुई बीमारी की पीड़ा अपने ऊपर ले ली। इस दिन ज्येष्ठ पूर्णिमा थी। माधवदास ठीक हो गए लेकिन प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ गए। इस तरह कुछ समय बाद माधवदास जी को मोक्ष मिला और तब से प्रभु जगन्नाथ अपने परम भक्तों की 15 दिनों की बीमारी अपने ऊपर ले लेते हैं और हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन से अगले 15 दिनों के लिए बीमार पड़ते हैं और एकांतवास में चले जाते हैं।

# पहली रानी और सिने जगत का परी-चेहरा नाम से जानी जाती थीं नसीम बानो

भारतीय सिनेमा की पहली सुपरस्टार, पहली रानी और परी-चेहरा नाम से जानी जाती थीं नसीम बानो। 18 जून को हिंदी सिने जगत की मशहूर हस्ती की पुण्यतिथि है। 4 जुलाई 1916 को पुरानी दिल्ली में जन्मी नसीम बानो ने 1930 और 1940 के दशक में अपनी खूबसूरती और अभिनय की ताकत से सिनेमा जगत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

जब हिन्दी सिनेमा में स्वर्णलता, मुमताज शांति और नूरजहां सरीखी अभिनेत्रियों का बोलबाला था, तब भी नसीम की चमक फीकी नहीं पड़ी। गजब की खूबसूरत थीं, इस बात का जिक्र साहित्यकार, उपन्यासकार सआदत हसन मंटो ने अपनी एक रचना में भी किया था। उन्होंने नसीम की तारीफ में लिखा, उन दिनों अभिनेत्रियों में से एक थीं नसीम बानो, जो खासा मशहूर थीं। खूबसूरती की बहुत चर्चा थी। इश्तिहारों में 'परी चेहरा नसीम' कहा जाता था। मैंने अपने ही अखबार में उसके कई फोटो देखे थे। खुश शक्ल थीं, जवान थीं। खासतौर पर आंखें बड़ी पुर-कशिश थीं और जब आंखें पुर-कशिश हों तो सारा चेहरा पुर-कशिश बन जाता है।

संगीतकार नौशाद ने उन्हें 'परी-चेहरा' उपनाम दिया, जो उनकी खूबसूरती और आभा का प्रतीक बना। दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों ने उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री करार दिया।

उनकी बेटी और बीते जमाने की खूबसूरत अभिनेत्री सायरा बानो ने खुद बताया, उनकी सुंदरता सिर्फ चेहरे तक सीमित नहीं थी। उनकी परंपरा में भी झलकता था।

नसीम बानो की कहानी न केवल एक अभिनेत्री की है, बल्कि एक ऐसी महिला की है, जिसने अपने समय की रूढ़ियों को तोड़ा और भारतीय सिनेमा में अमिट छाप छोड़ी।

नसीम बानो का जन्म रोशन आरा बेगम के रूप में एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां कला और संगीत की गहरी जड़ें थीं। उनकी मां चमियान बाई, जिन्हें शमशाद बेगम के नाम से भी जाना जाता था, उस दौर की मशहूर गायिका और तवायफ थीं। नसीम की परवरिश दिल्ली में हुई, जहां उन्होंने क्वीन मैरी हाई स्कूल में पढ़ाई की। उनकी मां चाहती थीं कि वह डॉक्टर बनें, लेकिन नसीम का दिल तो सिनेमा में बसता था, और उनकी धड़कन उसी के लिए धड़कती थी।

अभिनेत्री सुलोचना की प्रशंसक नसीम का सपना था कि वह भी बड़े पर्दे पर चमकें। इस सपने को हकीकत में बदलने की शुरुआत तब हुई, जब बॉम्बे की एक यात्रा के दौरान सोहराब मोदी ने उन्हें अपनी फिल्म 'खून का खून' में अभिनय के लिए चुना। हालांकि, नसीम की मां नहीं चाहती थीं कि उनकी लाडली अभिनय की दुनिया में कदम रखे। मां के विरोध के बावजूद नसीम ने भूख हड़ताल कर अनुमति हासिल की, और इस तरह उनके सिनेमाई सफर की शुरुआत हुई।

नसीम की असली पहचान 1939 में आई सोहराब मोदी की फिल्म 'पुकार' से बनी, जिसमें उन्होंने महारानी नूरजहां का किरदार निभाया। इस फिल्म का प्रभाव इतना गहरा था कि दर्शक सिनेमा हॉल में जूते उतारकर प्रवेश करते थे, मानो वे मुगल दरबार में कदम रख रहे हों।

नसीम ने अपने करियर में बड़े प्रयोग किए। उन्होंने सिनेमाई फैशन और मेकअप के क्षेत्र में क्रांति ला दी। बेटी सायरा बानो की पहली फिल्म जंगली (1961) के लिए नसीम ने कॉस्ट्यूम डिजाइन पर खास ध्यान दिया, जिसने भारतीय सिनेमा में फैशन के नए मानक स्थापित किए। उनकी यह प्रतिभा सायरा के करियर की पहचान बन गई।

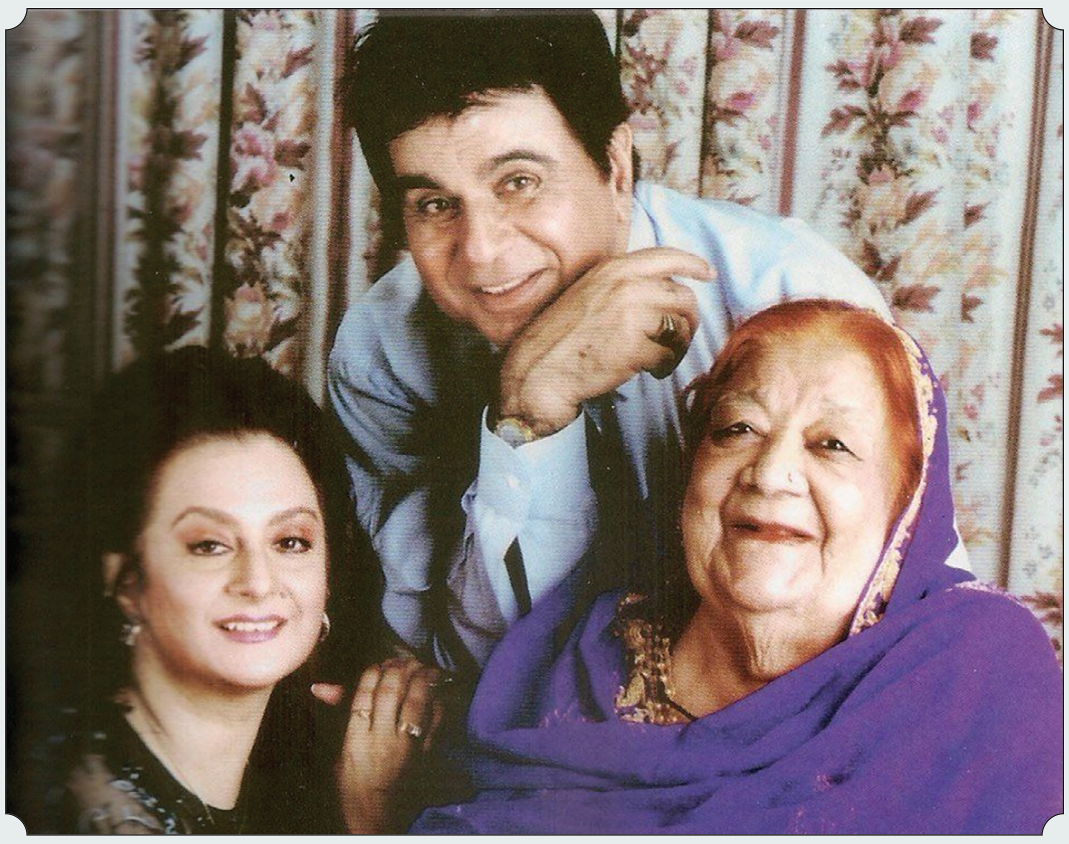

सायरा बानो अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां को देती हैं। अकसर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अम्मी की दास्तानें सुनाती हैं। उन्होंने बताया , मैंने जो भी सफलता हासिल की, वह उनकी मेहनत और बलिदानों का नतीजा है।

सायरा बताती हैं, वह सिर्फ एक मां नहीं थीं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत थीं, जिन्होंने मुझे जीवन में आगे बढ़ने का उद्देश्य दिया और असीम प्यार लुटाया।

नसीम की निजी जिंदगी भी प्रेरणादायक थी। उन्होंने अपने बचपन के दोस्त, आर्किटेक्ट मियां एहसान-उल-हक से शादी की और ताज महल पिक्चर्स बैनर की शुरुआत की। उनके दो बच्चे, सायरा बानो और सुल्तान अहमद हुए। विभाजन के बाद उनके पति ने पाकिस्तान जाने का फैसला किया, लेकिन नसीम अपने बच्चों के साथ भारत में रहीं। उन्होंने सायरा और सुल्तान को लंदन में पढ़ाया, लेकिन उन्हें भारतीय संस्कृति और जड़ों से जोड़े रखा। हर गर्मी की छुट्टियां वे बॉम्बे या दिल्ली में बिताते, जहां बच्चे अपनी विरासत से जुड़ते गए।

नसीम का करियर 1950 के दशक तक चला। उन्होंने न केवल अपने अभिनय से बल्कि अपनी सादगी, मेहनत और नए प्रयोग से सिनेमा जगत को समृद्ध किया। 18 जून 2002 को 85 वर्ष की आयु में मुंबई में उनका निधन हो गया, लेकिन विरासत आज भी हिंदी सिनेमा के मुरीदों में जिंदा है।

## ईशा कोप्पिकर ने शुरू की शूटिंग क्या है यह रहस्यमयी प्रोजेक्ट?

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर चर्चाओं का बाज़ार गर्म कर दिया है। उनका एक बीहाइंड-द-सीन वीडियो, जिसमें वह एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में नज़र आ रही हैं, सोशल मीडिया पर लीक हो गया है। इस वीडियो के वायरल होते ही फैंस और इंडस्ट्री के लोग कयास लगाने लगे हैं कि यह किस प्रोजेक्ट का हिस्सा है। वीडियो में ईशा लाल रंग की शाही साड़ी में दिखाई दे रही हैं, जिस पर सुनहरे ज़री का बारीक काम है। हाथ में एक पारंपरिक ढाल थामे, वह एक सच्ची योद्धा की तरह प्रतीत होती हैं। उनके गहनों से लेकर बालों की बारीकी से की गई स्टाइलिंग तक हर पहलू यह जताता है कि यह कोई साधारण फोटोशूट नहीं, बल्कि एक भव्य और पीरियड-आधारित प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसमें ऐतिहासिक सटीकता और भव्यता ज़रूरी है।

इस दिलचस्प सेटअप ने प्रशंसकों और इंडस्ट्री के अंदरूनी लोगों को ईशा के अगले वेंचर के बारे में अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है। क्या वह ऐतिहासिक ड्रामा की दुनिया में कदम रख रही हैं, शायद भारतीय इतिहास की किसी महान रानी या योद्धा का किरदार निभा रही हैं? उनकी वेशभूषा और शूटिंग के पेशेवर सेटअप से स्पष्ट प्रोडक्शन वैल्यू एक बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा करती है, संभवतः एक वेब सीरीज़ या फीचर फिल्म जो इन दिनों बेहद लोकप्रिय हो रहे ऐतिहासिक नारी-केंद्रित विषयों पर आधारित है। इस पूरी कहानी को और भी दिलचस्प बनाता है ईशा कोप्पिकर का हाल के वर्षों में प्रोजेक्ट्स को लेकर चयनशील रवैया। वह अपने काम को लेकर हमेशा संजीदा रही हैं और किसी भी नई भूमिका को चुनने से पहले खूब सोच-विचार करती हैं। ऐसे में अगर वह किसी नए प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी हैं, तो यह निश्चित ही कोई साधारण काम नहीं है। चाहे वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक सीरीज हो, बॉलीवुड की कोई पीरियड ड्रामा हो या फिर किसी क्षेत्रीय भाषा की कहानी जो भारत की अनकही वीरांगनाओं को सामने लाती हो।

एक बात तो तय है - ईशा कोप्पिकर अपनी ढाल से कहीं ज़्यादा कुछ करने के लिए तैयार हैं। उनके पास एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो उनके करियर की दिशा को फिर से परिभाषित कर सकता है।

## विक्रांत मैसी ने शनाया कपूर के साथ शेयर की तस्वीर

अभिनेता विक्रांत मैसी ने शनाया कपूर के साथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। 12वीं फेल अभिनेता विक्रांत मैसी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी और शनाया की फोटो शेयर की, जिसमें वे अपनी आगामी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां की शूटिंग के दौरान साइकिल चलाते हुए नजर आ रहे हैं।

तस्वीर के साथ मैसी ने लिखा, यह लीजिए, मैंने शनाया कपूर को थोड़ी मुसीबत में भी डाला और प्यार में भी। तस्वीर में मैसी खुशी से झूमते नजर आ रहे हैं, जबकि शनाया अपनी आंखों को कपड़े से ढंककर साइकिल चला रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह प्रोजेक्ट उनका पहला ऑनस्क्रीन है। निर्माताओं ने 5 जून को 'आंखों की गुस्ताखियां' का टीजर जारी किया था। वहीं फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

यह फिल्म संतोष सिंह द्वारा निर्देशित है और इसमें विक्रांत मैसी और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म मानसी और वरुण बागला द्वारा निर्मित है और संगीत

विशाल मिश्रा द्वारा दिया गया है। टीजर में दर्शकों को विक्रांत मैसी को एक दृष्टिहीन संगीतकार और शनाया कपूर को एक थिएटर कलाकार के रूप में दिखाया गया है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, शनाया ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए भावनात्मक यात्रा रही है। उन्होंने आगे कहा कि निर्देशक संतोष सर और विक्रांत के साथ काम करना इसे और भी खास बना देता है। 15 जून को शनाया कपूर ने 'आखों की गुस्ताखियां' के लिए वर्कशॉप के पहले दिन की एक झलक शेयर की थी, जिसमें उन्होंने सिनेमा की दुनिया में कदम रखने के अपने सफर की झलक दिखाई। शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन दिया, आंखों की गुस्ताखियां के लिए वर्कशॉप का पहला दिन सबसे बेहतरीन।इससे पहले प्रोड्यूसर मानसी बागला ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी।बागला ने खुलासा किया था कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था। स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया की स्वाभाविक प्रतिभा और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को चुन लिया।

**गुजराती भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए गुजराती मुवी क्लब द्वारा मुशीराबाद स्थित सत्तवा मॉल मे आयोजित गुजराती पिक्चर भ्रम के विशेष शो मे उपस्थित अभिनेता मित्र गढवी, निदेशक पल्लव पारीख, साथ मे आयोजक धारा दोशी, किन्नरी सावला, वैशाली शाह, जया जागीरदार, धारीणी जागीरदार एवं अन्य। पिक्चर का करीब 700 लोगो ने एक साथ 3 स्क्रीन पर लुफ्त उठाया।**

## असल जिंदगी में मुझसे तू है आशिकी की 'नूर' बहुत अलग है : अमनदीप सिद्धू

अभिनेत्री अमनदीप सिद्धू का शो तू है आशिकी प्रीमियर के लिए तैयार है। शो में नूर का किरदार निभा रही अभिनेत्री ने बताया कि वह नूर के साथ पूरी तरह जुड़ नहीं पातीं। नूर एक साधारण, बिंदास, मैच्योर और परिवार से प्यार करने वाली कॉलेज स्टूडेंट है। वह असल जिंदगी में इससे अलग हैं।अमनदीप ने कहा, मैं नूर के परिवार से प्यार और उनकी राय को महत्व देने के तरीके से जुड़ सकती हूं, लेकिन, मैं उससे अलग हूं। उन्होंने बताया कि नूर अपनी खुशी के लिए ज्यादा कुछ नहीं करती, जबकि मैं हमेशा अपने दिल की सुनती हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां और परिवार की सलाह लेती हूं, लेकिन अंतिम फैसला मेरा होता है। इस तरह नूर और मैं अलग हैं। मैं अपनी जिंदगी की कमान खुद संभालती हूं।

अमनदीप खुद को बहुत रोमांटिक मानती हैं और शो का नाम उन्हें खासा पसंद है। उन्होंने कहा, मैं कर्क राशि की हूं और बहुत रोमांटिक हूं। शो का नाम प्यार से भरा है। 'पम्मा' और 'नूर' की प्रेम कहानी को जीना मेरे लिए नया और शानदार अनुभव था। यह एक फिल्मी रोमांस जैसा है, जिसे मैं जीना चाहती थी।अमनदीप ने शो के निर्माता रवि दुबे और सरगुन मेहता की तारीफ की। उन्होंने कहा, रवि और सरगुन कहानी से ज्यादा किरदारों पर ध्यान देते हैं। अगर किरदार मजबूत हो तो दर्शक उससे जुड़ते हैं और कहानी खुद-ब-खुद चल पड़ती है।

उन्होंने बताया कि 'पम्मा' का किरदार इतना दमदार है कि हर कोई उससे और नूर से प्यार करेगा। अभिनेत्री को यकीन है कि दर्शकों को यह साधारण और रिलेटेबल कहानी पसंद आएगी।उन्होंने कहा, आज लोग साधारण, वास्तविक कहानियां और किरदार पसंद करते हैं। इस कहानी को भी दर्शकों का खूब प्यार मिलेगा।'लवली लोला' और 'दिल को रफू कर ले' के बाद, कपल सरगुन मेहता और रवि दुबे ने हाल ही में 'तू आशिकी है' के लॉन्च की घोषणा की थी। उन्होंने 'हाल-ए-दिल' टाइटल से एक अन्य शो की भी घोषणा की।

## काशी में भोले की भक्ति में डूबीं अक्षरा सिंह, गले में माला, माथे पर चंदन

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वो सिर से लेकर गले तक फूलों की माला से लिपटी नजर आ रही हैं। माथे पर चंदन का तिलक है और लबों पर शिव का नाम है। शिव की नगरी काशी में वो नाव पर सवार होकर गंगा नदी में भक्ति में रम गईं। उनका वीडियो वायरल हो रहा है और फैंस उनके कायल हो रहे हैं।

अक्षरा सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'ये काशी है... यहां हर गीत में शिव बसते हैं। पहली बार नई कोशिश, एक अलग रूप में शिव को महसूस करके गीत अर्पण कर रही हूं।' इस वीडियो में अक्षरा नाव पर बैठी हैं। गले में ढेर सारी माला है।

सिर पर माला का मुकुट जैसा पहना है। माथे पर चंदन का तिलक लगा है। वो गंगा नदी में नाव पर बैठकर अलग-अलग घाटों को खूबसूरती को देख रही हैं। पर फैंस उनकी खूबसूरती के कायल हो गए हैं। भले ही अक्षरा ने ये वीडियो अभी शेयर किया है, लेकिन वो काशी 18 मई को ही गई थीं।

क्योंकि उन्होंने तब भी ऐसा पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए थे और कैप्शन में लिखा था, 'फिल्म 'रुद्र शक्ति' का समापन और रुद्र की पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, वो भी हमारे प्रिय महाराज श्रीकांत जी के सानिध्य में रहकर पूजा करने का अनुभव ही कुछ और होता है।'

# आज का राशिफल

### मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

### वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है।

### मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

### कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

### सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

### कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता–पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

### तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

### वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

### धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन–साथी की ला–परवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है

### मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

### कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

### मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

## आज का पंचांग

दिनांक : 18 जून 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 01:37 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद रात्रि 12:23 तक
योग : प्रीति प्रातः 07:39 तक
करण : बव दोपहर 01:37 तक
चन्द्र राशि : कुंभ सायं 06:36 तक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:52 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:42 ( विजयवाडा )

### शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com


# राइजिंग राजस्थान समिट के एमओयू की प्रगति के साक्षी बनेंगे देश-विदेश के निवेशक : भजनलाल

**जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)।**
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की अहम भूमिका है। पिछले वर्ष हुए इस आयोजन ने निवेश के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ और राजस्थान प्रमुख निवेश केन्द्र के रूप में उभरा है। इसी कड़ी में जयपुर में 11 व 12 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव–2025 प्रदेश की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश साझेदारी को और मजबूत करेगी।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव–2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉन्क्लेव में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के दौरान हुए एमओयू की क्रियान्विति से प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों के बारे में निवेशकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कान्क्लेव में सिटी टू सिटी, स्टेट टू स्टेट और इन्डस्ट्री टू इन्डस्ट्री के आधार पर राजस्थान एवं अन्य राज्यों तथा देशों के मध्य निवेश साझेदारी विकसित की जाए, जिससे प्रदेश के विकास को नए आयाम मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कॉन्क्लेव निवेश की नई संभावनाओं के अवसर तलाशने और उन पर कार्य करने की विशेष रणनीति के अन्तर्गत मील का पत्थर साबित होगी। इस दौरान निवेश योग्य परियोजनाओं की रूपरेखा पर प्रभावी रूप से कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव का प्रमुख लक्ष्य राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हस्ताक्षरित हुए एमओयू की प्रगति का विवरण पेश करने के साथ ही, वर्ष 2026 के प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को लेकर हमारे विजन को प्रस्तुत करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कॉन्क्लेव की तैयारी के संबंध में समयबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के मध्य पारस्परिक समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से वरिष्ठ अधिकारी की समन्वयक के रूप में नियुक्ति की जाए। साथ ही, उन्होंने राइजिंग राजस्थान समिट के अन्तर्गत हस्ताक्षरित एमओयू की नवंबर, 2025 तक प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग के कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट विभागवार तैयार करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव से पूर्व राज्य सरकार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रनअप कार्यक्रमों के साथ ही, थीमेटिक विभागीय कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी।

सीएम भजनलाल ने लिखा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को पत्र

## तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का किया आग्रह

**जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)।**
राजस्थान को बड़ी राहत मिल सकती है । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को एक अहम पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चिनाब नदी बेसिन से जुड़ी तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया है।

इन प्रस्तावों से चिनाब जैसी हिमालय से निकलने वाली नदियों का अतिरिक्त पानी अब ब्यास, रावी और उझ जैसी पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में लाया जा सकेगा। इससे उत्तर भारत के कई राज्यों के साथ–साथ राजस्थान को भी बड़ा फायदा होगा।

मुख्यमंत्री ने लिखा– राजस्थान को करीब 1.0 एमएएफ (मिलियन एकड़ फीट) पीने के पानी के लिए, 1.0 एमएएफ सिंचाई के लिए और 0.2 एमएएफ औद्योगिक जरूरतों के लिए पानी की जरूरत है। साथ ही, राजस्थान के पास पहले से मौजूद प्राकृतिक झीलों और जलाशयों में 1.0 एमएएफ पानी जमा करने की भी क्षमता है।

इन तीन मुख्य योजनाओं से राजस्थान को यह फायदा होगा। ब्यास और सतलुज नदी में अतिरिक्त पानी पहुंचेगा, जिससे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली के साथ–साथ राजस्थान को भी फायदा मिलेगा।इंदिरा गांधी नहर को और ज्यादा पानी मिल सकेगा, जिससे पश्चिमी राजस्थान की बड़ी आबादी को सिंचाई और पीने के लिए राहत मिलेगी।औद्योगिक क्षेत्रों को जल आपूर्ति आसान होगी, जिससे नए निवेश और रोजगार के रास्ते खुलेंगे।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इन योजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया और कहा कि यह कदम राजस्थान के भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा

## रिश्वतखोरी के आरोप में सफाई निरीक्षक को एसीबी ने रंगे हाथ पकड़ा

**बारां, 17 जून (एजेंसियां)।**
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को बारां जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर पालिका छबड़ा के सहायक कर्मचारी व सफाई निरीक्षक युसुफ खान को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने परिवादी से उसके पानी के केम्परों के बिल पास कराने एवं धरोहर राशि लौटाने के एवज में कुल 9400 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी ने 7 मई 2025 को एसीबी चौकी बारां में शिकायत दी थी कि आरोपी 9400 रुपये की रिश्वत मांग रहा है। इस पर एसीबी ने सत्यापन कराया, जिसमें आरोपी ने 3000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ में आ गया। शेष 6400 रुपये की रिश्वत लेने के लिए आरोपी ने ट्रैप कार्रवाई के दौरान सावधानी बरती और यह राशि 'फोन पे' के माध्यम से अपने बेटे के खाते में डलवाने की बात कही। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ और उसके आवास की तलाशी की जा रही है।

## अहमदाबाद प्लेन क्रैश : राजस्थान के चार मृतकों की अब भी नहीं हुई पहचान

### उदयपुर में हुआ तीन का अंतिम संस्कार

**उदयपुर/बांसवाड़ा/बीकानेर/कोटा, 17 जून (एजेंसियां)।**
अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे में जान गंवाने वाले राजस्थान के 14 लोगों में से अब तक सात का अंतिम संस्कार हो चुका है। इनमें उदयपुर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के बेटे शुभ और बेटी शगुन का सोमवार शाम उदयपुर में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान शहरवासियों ने 100 फीट रोड पर श्रद्धांजलि दी। दोनों भाई–बहन की याद में परिजनों और समाजजनों ने पौधे भी वितरित किए।

इसी हादसे में मारे गए रोहिड़ा गांव (उदयपुर) के रहने वाले प्रकाश मेनारिया का शव मंगलवार सुबह गांव लाया गया, जहां अंतिम संस्कार की रस्में निभाई गईं। प्रकाश लंदन में शेफ के तौर पर काम करते थे। सोमवार रात को ही शव परिजनों को सौंपा गया था, जिसके बाद मंगलवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बेटा लोकेश समेत परिवार के अन्य सदस्य गांव पहुंचे।

सोमवार को उदयपुर में आयोजित शोकसभा में कलेक्टर नमित मेहता, यूडीए कमिश्नर राहुल जैन, शहर विधायक ताराचंद जैन, पाली व अन्य स्थानों से आए समाज के लोग, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा समाजसेवी भी मौजूद रहे। इस मौके पर शहरवासियों ने संजीव मोदी के बेटे–बेटी की याद में पौधे वितरित किए।

हादसे के चार दिन बाद भी राजस्थान के चार मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। इनमें उदयपुर की पायल खटीक का शव अब तक परिजनों को नहीं मिल सका है। बांसवाड़ा के डॉक्टर दंपती की भी शिनाख्त नहीं हो सकी है, हालांकि उनके तीन बच्चों का अंतिम संस्कार हो चुका है। बीकानेर के अभिनव परिहार का शव भी नहीं मिल पाया है। परिजन पिछले चार दिनों से अहमदाबाद में शव मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार अभिनव अपनी पत्नी शिवानी और बेटे विहान को लंदन से वापस लाने जा रहे थे, तभी विमान हादसे का शिकार हो गए। परिवार ने निर्णय लिया है कि अभिनव का अंतिम संस्कार अहमदाबाद में ही किया जाएगा।

## जिम से निकलते ही रियल स्टेट व्यापारी को मारी गोली

**श्रीगंगानगर, 17 जून (एजेंसियां)।**
शहर में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक जिम से निकल रहे रियल स्टेट व्यापारी आशीष गुप्ता पर दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में व्यापारी के पैर में गोली लगी है। उन्हें तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना जस्सा सिंह मार्ग पर सुबह करीब सवा 10 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, आशीष गुप्ता रोज की तरह जिम में एक्सरसाइज करने गए थे। जिम से बाहर निकलते ही बाइक पर सवार दो युवक पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई इस वारदात से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जान बचाने के लिए व्यापारी भागकर जिम के चैनल गेट के अंदर घुस गए। बदमाश उन्हें अंदर जाते देख मौके से फरार हो गए। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों ने एक के बाद एक कई गोलियां चलाईं, जिनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी पृथ्वीपाल सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ खाली कारतूस भी बरामद किए हैं।

### अपराधियों पर हाई ऑक्टेन अभियान चलाने के निर्देश

## कानून–व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता : नायब सिंह सैनी

**चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)।**
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति और आबकारी नीलामी की प्रगति की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान अपराधियों के खिलाफ 'हाई ऑक्टेन अभियान' चलाने और हरियाणा में पुलिस की प्रभावी व उत्तरदायी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है

कुरुक्षेत्र में एक आबकारी लाइसेंसधारी की हत्या की रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों को धमकी या फिरौती संबंधी कॉल मिल रही हैं, उन्हें त्वरित सुरक्षा प्रदान की जाए। इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर जारी कर उसे इमरजेंसी सेवा '112' से लिंक करने के निर्देश दिए गए।मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आबकारी नीलामी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने और राज्य को मिलने वाले राजस्व को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आबकारी नीलामी में, अब तक विभाग 934 आबकारी जोन की नीलामी के साथ अधिकांश आबकारी जोन की नीलामी करने में सक्षम रहा है और पिछले वर्ष के 5037 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 11,054 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। नीलामी के दौरान अब तक अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस बल को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि धरातल पर पुलिस की उपस्थिति ऐसी होनी चाहिए जिससे जनता सुरक्षित महसूस करे और गलत काम करने वालों व असामाजिक तत्वों के बीच कानून का डर पैदा हो, जिससे नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गंभीर मामलों की नियमित और सख्त निगरानी उच्चतम स्तर पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्टेट टास्क फोर्स (एसटीएफ) को और अधिक मैनपावर और संसाधन प्रदान करने के निर्देश दिए ताकि लंबित मामलों का शीघ्र समाधान हो सके और कोई भी गैंगस्टर या अपराधी कानून से बच न सके।

## प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक कायाकल्प हुआ : अश्विनी वैष्णव

**मनेसर (हरियाणा), 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दशकों तक रेलवे उपेक्षा का शिकार रहा, जहां मात्र 25–30 हजार करोड़ का वार्षिक निवेश होता था। लेकिन अब यह निवेश बढ़कर 2.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास को रफ्तार दे रहा है।

श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे में वर्षों से जमा हुई लेगेसी समस्याएं अब एक–एक कर समाप्त हो रही हैं। स्टेशन, ट्रेन, शौचालय, ट्रैक, सफाई, तकनीक–हर क्षेत्र में व्यापक सुधार किया गया है। यात्रियों को नई सुविधाएं दी जा रही हैं और इंडस्ट्री के साथ मिलकर एकीकृत विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

श्री वैष्णव ने हरियाणा के मानेसर में मारुति प्लांट में रेलवे साइडिंग सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां गिनायी।

**100 नई मेन लाइन ईएमयू गाड़ियां**

पैसेंजर गाड़ियों को अपग्रेड करने के लिए अब 16 और 20 कोच की मेन लाइन ईएमयू गाड़ियां बनाई जाएंगी। अब तक 8 या 12 कोच की ईएमयू बनती थीं। यह परियोजना तेलंगाना के काजीपेट में शुरू हो रही एक नई फैक्ट्री में क्रियान्वित की जाएगी। इससे शॉर्ट डिस्टेंस ट्रैवल को बड़ी राहत मिलेगी।

**50 नई 'नमो भारत' एसी पैसेंजर गाड़ियां**

नमो भारत गाड़ियों को यात्रियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अब 50 नई एसीपैसेंजर ट्रेनें जोड़ी जाएंगी। इससे पहले अहमदाबाद–भुज और पटना–जयनगर के बीच दो गाड़ियां शुरू की गई थीं। कुल मिलाकर 150 नई पैसेंजर गाड़ियां सेवा में आएंगी।

**1200 से अधिक नए जनरल को**

बीते वर्ष में रेलवे ने यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए 1200 से अधिक जनरल कोच जोड़े हैं। यह अभियान पिछले 2.5 वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है।

**अमृत भारत स्टेशन योजना**

अब तक 1300 अमृत भारत स्टेशन का काम स्वीकृत किया गया है। इनमें से 103 स्टेशन हाल ही में बनकर तैयार हुए हैं और प्रधानमंत्री ने बीकानेर से इसका लोकार्पण किया। दिसंबर 2025 तक 100 और स्टेशन तथा वर्ष 2026 तक 500 और स्टेशन पूरे किए जाएंगे।

**टिकटिंग प्रणाली में सुधार**

तत्काल टिकट बुकिंग में बॉट्स के दुरुपयोग को रोकने के लिए 1 जुलाई से केवल केवाईसी सत्यापित यात्रियों को ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा मिलेगी। विंडो बुकिंग पर भी आईडी अनिवार्य होगी।

**चार्ट पब्लिशिंग में नवाचार**

बीकानेर डिवीजन ने एक अभिनव पहल के तहत चार्ट को 24 घंटे पहले प्रकाशित करना शुरू किया है (पहले 4 घंटे पूर्व होता था)। इससे यात्रियों में अनिश्चितता कम हुई है और उन्हें बेहतर योजना बनाने में सुविधा हो रही है।

**वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों का विस्तार**

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या जल्द ही 6 और बढ़ेगी। 50 और ट्रेनों का निर्माण जारी है। वंदे भारत ट्रेनों को भी लगातार नए रूट्स पर बढ़ाया जा रहा है।

**फ्रेट कॉरिडोर और मालवाहक सेवाएं**

भारत अब विश्व में माल ढुलाई और यात्री परिवहन–दोनों में दूसरे स्थान पर है। पिछले साल 720 करोड़ यात्रियों ने रेलवे से सफर किया और 1617 मिलियन टन माल ढोया गया। फ्रेट कॉरिडोर अब पूरी तरह क्रियाशील है और प्रतिदिन लगभग 400 मालगाड़ियां इस पर चल रही हैं।

**हरियाणा में रेलवे का बुनियादी कायाकल्प**

श्री वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा को मात्र 315 करोड़ का आवंटन मिलता था, जो अब बढ़कर 3416 करोड़ हो गया है। हरियाणा में:

–823 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गईं–यह यूएई की कुल रेल नेटवर्क से अधिक है।

–100% रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण

–34 स्टेशन: अमृत भारत योजना के तहत पुनर्विकसित किए जा रहे हैं।

–540 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए जा चुके हैं।

–सोनीपत के रेलवे कारखाने का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

–11,800 करोड़ रुपए का निवेश रेलवे की ओर से हरियाणा में किया जा रहा है।

**गति शक्ति मल्टी–मॉडल टर्मिनल्स**

प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप मल्टी–मॉडल लॉजिस्टिक्स को सशक्त करने के लिए 2021 में रेलवे ने बड़े रिफॉर्म्स किए, जिसके परिणामस्वरूप 108 मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल्स अल्प समय में बनकर तैयार हो गए हैं। हरियाणा में स्थित टर्मिनल, जहां यह घोषणा की गई, वह 45 एकड़ में फैला है और इसकी माल वहन क्षमता 4.5 लाख कारों तक की है।श्री वैष्णव ने अंत में कहा, भारतीय रेलवे की परिवर्तन यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में, नए युग की रेलवे बना रही है–तेज, स्वच्छ, आधुनिक और जन–हितैषी। आने वाले वर्षों में हम इसे और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# सीएम नीतीश के तीन मंत्रियों ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

### विपक्ष के पास मुद्दा ही नहीं

**पटना (एजेंसियां)।**

मुख्यमत्री नीतीश कुमार पार्टी के वरिष्ठ नेता-नेत्री और बिहार सरकार के तीन मंत्रियों ने प्रेस वार्ता की। तीनों से नीतीश सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। साथी ही विपक्ष पर भी जमकर हमला बोला। बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी, जमा खान और लेसी सिंह ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में केंद्र और राज्य की एनडीए सरकारों की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। इसलिए वह लगातार एनडीए सरकार पर सवाल उठा रहा है।

मंत्री विजय कुमार चैधरी ने कहा कि विश्व बैंक द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्तर पर गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। यह हमारे लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है कि बिहार उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है, जिन्होंने इस राष्ट्रीय उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की दूरदर्शी नीतियों के चलते गरीबों की आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है। बिहार के विकास की चर्चा आज देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंचों पर भी हो रही है, लेकिन विपक्ष को यह प्रगति दिखाई नहीं देती। यह उनकी संकीर्ण सोच का परिचायक है। राजद पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अगर राजद परिवारवाद जैसे विषयों पर बात करता है, तो इससे अधिक हास्यास्पद कुछ नहीं हो सकता है।

मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह अनर्गल आरोपों का सहारा ले रहा है। लेकिन बिहार की जागरूक जनता उसकी हर चाल को नाकाम करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ पुनः सरकार बनाएगी, समाज के सभी वर्गों का भरोसा नीतीश कुमार पर अटूट है।

मंत्री जनाब जमा खां ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के कल्याण और उत्थान के लिए हमारे नेता नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों का सकारात्मक असर आज धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वहीं, विपक्ष की भूमिका अब केवल झूठ और भ्रम फैलाने तक सीमित रह गई है, जिसे जनता भली-भांति समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि शाहाबाद क्षेत्र में एनडीए की स्थिति लगातार मजबूत हुई है और आगामी चुनाव में हम निश्चित रूप से ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे।

दरअसल, जनता दल यूनाईटेड के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चैधरी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जनाब जमा खां ने विभिन्न जिलों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं जद (यू0) अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी एवं जनाब मेजर हैदर इकबाल एवं जनाब इरशाद अली आजाद भी उपस्थित थे।

# रंगदारी और हत्या के खिलाफ एकजुट हुए व्यापारी, उठाई पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग

**सीवान (एजेंसियां)।**

बिहार में रंगदारी और हत्या जैसी आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे आम लोग और व्यापारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इसी क्रम में पटना जिले के नौबतपुर बाजार में व्यापारियों ने रंगदारी और अपराधियों की धमकियों के खिलाफ बाजार और दुकानों को पूरी तरह बंद रखा।

व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए स्थानीय प्रशासन से मुख्य बाजार में पुलिस चौकी की स्थापना और गश्ती बढ़ाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर सुरक्षा नहीं दी गई तो वे अन्य राज्यों में पलायन को मजबूर होंगे।

गौरतलब है कि 11 फरवरी 2024 को नौबतपुर बाजार के व्यवसायी डॉ. ब्रजभान प्रसाद की अपराधियों ने रंगदारी को लेकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके कुछ दिनों बाद पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा, लेकिन अब वही अपराधी जेल से मृतक के बेटों पर केस वापस लेने का दबाव बना रहे हैं और धमकी दे रहे हैं।

मंगलवार को हुए विरोध प्रदर्शन में व्यवसायी और मृतक के बेटे भवेश कुमार ने बताया कि 'अपराधी खुलेआम हथियार लेकर बाजार में घूमते हैं, जिससे डर का माहौल है।

अगर यही हाल रहा, तो हम व्यवसाय बंद कर यहां से पलायन कर जाएंगे।

व्यापारियों ने सवाल उठाया कि नौबतपुर थाना बाजार से महज 500 मीटर की दूरी पर है, इसके बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और वे खुलेआम धमकियां दे रहे हैं।

# मुखियाओं को मिलेगी 10 लाख तक की योजना स्वीकृति की शक्ति

### राज्य सरकार ने दी कई सौगातें

**सीतामढ़ी (एजेंसियां)।**

बिहार सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों को बड़ी राहत देते हुए कई अहम फैसले लिए हैं। अब मुखिया समेत त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को न केवल हथियार रखने का लाइसेंस मिलेगा, बल्कि उन्हें मिलने वाला मानदेय भी पहले से डेढ़ गुना बढ़ा दिया गया है। साथ ही, पंचायत सरकार भवन के निर्माण से लेकर योजनाओं की स्वीकृति सीमा में भी वृद्धि की गई है।

यह घोषणा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में सचिवालय स्थित 'संवाद' भवन में पंचायत प्रतिनिधियों के शिष्टमंडल के साथ हुई विशेष बैठक के बाद की गई। इसकी जानकारी सीतामढ़ी दौरे पर पहुंचे पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता ने दी।

पंचायती राज मंत्री ने बताया कि अब तक मनरेगा योजना के तहत मुखिया को 5 लाख रुपये तक की योजनाओं को स्वीकृत करने का अधिकार था। अब यह सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है, जिससे ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की रफ्तार और दायरा दोनों बढ़ेंगे। सरकार ने यह निर्देश दिया है कि पंचायत चुनाव से पहले इन सभी योजनाओं को धरातल पर उतार दिया जाए।

सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें शस्त्र अनुज्ञप्ति (आर्म्स लाइसेंस) के लिए आवेदन करने की सुविधा दी है।

जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन करें। साथ ही, प्रतिनिधियों को पहले से डेढ़ गुना अधिक मासिक मानदेय मिलेगा, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी।

राज्य के 1069 नए पंचायतों में पंचायत सरकार भवनों की स्वीकृति दी गई है। जहां मुख्यालय वाले गांव में भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां पास के गांव में भूमि लेकर भवन का निर्माण कराया जाएगा। पहले आकस्मिक मृत्यु पर मिलने वाली अनुग्रह राशि अब सामान्य मृत्यु पर भी प्रदान की जाएगी। साथ ही, बीमार पंचायत प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से इलाज की सुविधा दी जाएगी।

सरकार ने निर्णय लिया है कि पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से अब 15वें वित्त आयोग और राज्य वित्त आयोग की राशि से 15 लाख रुपये तक की योजनाएं विभागीय स्तर पर स्वीकृत की जाएंगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि 2006 से पंचायत और 2007 से नगर निकाय चुनावों में महिलाओं को 50% आरक्षण दिया गया है, जिससे आज बड़ी संख्या में महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं।

इन तमाम घोषणाओं से यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को सशक्त, प्रभावी और सम्मानजनक बनाने की दिशा में गंभीर है। इन फैसलों से न केवल प्रतिनिधियों के अधिकारों में वृद्धि होगी, बल्कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी पहले से अधिक मजबूत होगी।

### निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

# आवास सहायक को रिश्वत लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

**पटना (एजेंसियां)।**

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए आवास सहायक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अरवल जिले में की गई है। इस संबंध में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने जानकारी देते हुए कहा कि अरवल जिले के करपी प्रखंड अंतर्गत आवास सहायक सुनील कुमार सुमन को कार्यालय परिसर में दस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

परिवादी रामपुर चौरम थाना क्षेत्र के बालागढ़ गांव निवासी राम अवध सिंह के पुत्र भूषण कुमार ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के कार्यालय में शिकायत दर्ज करायी थी कि आरोपी आवास सहायक सुनील कुमार सुमन प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त निकलवाने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहा है। ब्यूरो द्वारा परिवादी की शिकायत का सत्यापन कराया गया एवं सत्यापन के क्रम में आरोपी द्वारा रिश्वत मांगे जाने का प्रमाण पाया गया। प्रथम द्रष्ट्या आरोप सही पाये जाने के बाद निगरानी थाना में कांड सं0-41/25 के तहत मामला दर्ज किया गया।

प्राथमिकी दर्ज होते ही निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक और अनुसंधानकर्ता शिव कुमार साह के नेतृत्व में एक धावादल का गठन किया गया। फिर टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त आवास सहायक सुनील कुमार सुमन को दस हजार रूपये रिश्वत लेते करपी प्रखंड के परिसर अरवल से रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त से पूछताछ के बाद आरोपी नील कुमार सुमन को विशेष न्यायालय, निगरानी, पटना में उपस्थापित किया जायेगा। फिलहाल अनुसंधान की आगे की कार्रवाई की जा रही है।

### छह एयरपोर्ट को लेकर नीतीश कुमार कैबिनेट में अहम फैसला

# बिहार में उड़ान योजना से होगा विकास

**पटना (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोदी सरकार की उड़ान योजना के तहत बिहार के प्रमुख शहरों को जोड़ने के दिया में एक और कदम बढ़ा दिया है। बिहार के छोटे हवाई अड्डों का फिर से विकास करने का उन्होंने फैसला लिया है। मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक इस प्रस्ताव पर अपनी स्वीकृति भी दे दी है। नीतीश कैबिनेट ने मधुबनी, वीरपुर, मुंगेर, वाल्मीकिनगर, मुजफ्फरपुर और सहरसा स्थित हवाई अड्डों को केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत विकसित करने की मंजूरी दे दी है। इसके लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और बिहार सरकार के बीच एमओयू को स्वीकृति प्रदान की गई है।

वरीय आईएएस अधिकारी और अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कहा कि हवाई अड्डों के विकास से छोटे शहरों और पिछड़े इलाकों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने में मदद मिलेगी।

इससे न केवल आम लोगों की यात्रा आसान होगी, बल्कि पर्यटन, निवेश और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बिहार सरकार का यह कदम राज्य के संतुलित क्षेत्रीय विकास और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की नीति के अनुरूप है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुके हैं कि विकास तभी सार्थक है, जब वह राज्य के हर कोने तक पहुंचे।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मधुबनी और वाल्मीकिनगर में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। मुंगेर और मुजफ्फरपुर औद्योगिक और शैक्षणिक दृष्टि से अहम हैं। सहरसा और वीरपुर को जोड़ने से कोसी और सीमांचल क्षेत्र को नई गति मिलेगी। इस फैसले को बिहार की आधारभूत संरचना और क्षेत्रीय संतुलन की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव ने उड़ान योजना के बारे में भी जानकारी दी। कहा कि देश का आम नागरिक (उड़ान)' केंद्र सरकार की एक फ्लैगशिप योजना है, जिसका उद्देश्य देश के छोटे और मंझोले शहरों को हवाई सेवाओं से जोड़ना है। इस योजना के तहत हवाई यात्रा को सुलभ और सस्ती बनाना प्रमुख लक्ष्य है।

# बिहार पुलिस के जवान ने खुद के सिर में मारी गोली, मौत

**पटना (एजेंसियां)।**

भभुआ पुलिस लाईन में पुलिस के एक जवान ने खुद को सिर में गोली मार ली। मृतक जवान की पहचान जमुई निवासी अमलेश कुमार (24) के रूप में हुई है। वह कैमूर में 2022 में योगदान किया था। वह भभुआ दंगा नियंत्रण पुलिस में था। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी हरिमोहन शुक्ला घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि सोमवार की देर शाम भभुआ पुलिस लाइन में पुलिस के जवान अमलेश कुमार ने खुद के 147 गन से गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के जवान और पुलिसकर्मी दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे और तुरंत आननफानन में उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक उन्हें बनारस रेफर कर दिया। हालांकि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

घटना के संबंध में भभुआ पुलिस लाइन के डीएसपी रामानंद मंडल ने बताया कि दंगा नियंत्रण में पदस्थापित पुलिस जवान ने अपने 147 गन से गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर सभी पुलिस कर्मी वहां पहुंचे और दरवाजा को तोड़ा तो उसमें जवान घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। लहूलुहान स्थिति में देखकर वहां सभी के होश उड़ गए। तुरंत घटना की जानकारी कैमूर एसपी को दी गई और फिरघायल जवान को इलाज के लिए भभुआ सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर बनारस के लिए रेफर कर दिया, जहां बीच रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी उसके परिजनों को दे दी गई है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

# चोरों ने बंद घर को बनाया निशाना 20 लाख की संपत्ति ले उड़े

**सीवान (एजेंसियां)।**

सीवान जिले के महादेवा थाना क्षेत्र अंतर्गत आकोपुर गांव में एक बंद पड़े मकान से चोरों ने करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति की चोरी कर ली। यह घटना तब घटी जब मकान मालिक छोटेलाल साह अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में गए हुए थे। छोटेलाल साह ने बताया कि घर को ताला लगाकर सुरक्षित छोड़ा गया था, लेकिन चोरों ने ताला तोड़कर नकदी, जेवरात और कीमती सामान चुरा लिया। स्थानीय ग्रामीणों को उस समय शक हुआ जब खेत में काम कर रहे लोगों ने मकान का ताला टूटा देखा, जिसके बाद उन्होंने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। महादेवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज खंगालने का कार्य शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जांच में यह मामला पूरी तरह सुनियोजित चोरी का प्रतीत हो रहा है। छोटेलाल साह के अनुसार, इस वारदात से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और संपत्ति की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com